राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHI/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 298 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, सोमवार ,03 मई 2021, मूल्य रु. 1.50

बंगाल में तृणमूल की बंपर जीत, पर ममता हारीं

दमोह के उप चुनाव में कांग्रेस ने मारी बाजी

दमोह, (एजेंसी)। प्रदेश के दमोह विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को तगड़ा झटका देते हुए जीत हासिल की और सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा। इस सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी अजय टंडन ने 74 हजार 832 मत प्राप्त कर भाजपा उम्मीदवार राहुल सिंह लोधी को 17 हजार 097 मतों से पराजित किया।

अजय टंडन

राहुल सिंह लोधी

भाजपा प्रत्याशी राहुल सिंह लोधी को 57 हजार 735 मत मिले। यह सीट पहले कांग्रेस के कब्जे में थी, लेकिन कांग्रेस विधायक राहुल सिंह लोधी के इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने से रिक्त हुई। इस सीट पर 17 अप्रैल को उपचुनाव हुआ था और रविवार को मतगणना हुई। मतगणना में 22 प्रत्याशियों में से कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन ने पहले ही राउंड में बढ़त बनाई और बढ़त को अंत तक कायम रखते हुए अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राहुल सिंह लोधी को पछाड़ते हुए सीट पर अपना कब्जा जमाया।

दमोह में हुई सच की जीतः कमलनाथ- पेज 11

नई दिल्ली ■ एजेंसी

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के नतीजे रविवार को घोषित किए गए। पश्चिम बंगाल में टीएमसी ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। टीएमसी के खाते में 216 सीटें रहीं तो भाजपा की 74 जबकि पिछली बार टीएमसी के पास 00 सीटें थीं। वहीं तमिलनाडु में डीएमके और असम में भाजपा ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। केरल में एलडीएफ की सरकार बन रही है, वहीं पुदुचेरी में 15 सीटें एनडीए को मिली हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बधाई देने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट करके ममता को बधाई दी। वहीं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, शिवसेना नेता संजय राउत, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती, राजद नेता तेजस्वी यादव और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी ममता को बधाई देते हुए केंद्र से हर संभव सहयोग देने का वादा किया है। पश्चिम बंगाल में नंदीग्राम विधानसभा सीट से ममता बनर्जी को भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने 1736 मतों से हरा दिया है। प. बंगाल से हिंसा की खबरें भी आ रही हैं। आरामबाग के भाजपा दफ्तर को आग के हवाले कर दिया गया है। निर्वाचन आयोग ने विजय जुलूस निकालने वालों पर कड़ी कार्रवाई के लिए कहा है। तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति के सबसे बड़े हीरो के तौर पर

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस पूर्ण बहुमत के साथ तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। ममता बनर्जी की सत्ता में वापसी हो गई है, वहीं भाजपा की सीटें तीन से 76 हो गई हैं। असम में फिर से सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्व में भाजपा सत्ता पाने में सफल रही है। तमिलनाडु में एमके स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके ने करिश्मा दिखाया और जरूरी बहुमत हासिल कर लिया है। जबकि केरल में एलडीएफ दोबारा सत्ता पाने में सफल रहा है। वहीं केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में इस बार कांग्रेस को पटखनी देकर एनडीए सत्ता पाने में सफल रहा है।

तीन को छोड़कर सभी दलबदलू हारे

टीएमसी से भाजपा में शामिल होकर लड़े सिर्फ तीन नेता जीत सके, पहला नंदीग्राम से सुवेंदु अधिकारी, जिन्होंने ममता बनर्जी को हराया है। दूसरे मुकुल रॉय कृष्णानगर सीट जीत गए हैं। तीसरे नाटाबाड़ी सीट से मिहिर गोस्वामी जीत गए हैं जो नवंबर, 2020 में भाजपा में आए थे। 2017 के बाद से टीएमसी के 37 विधायकों समेत करीब 140 नेता भाजपा में आए। इनमें पूर्व मंत्री राजीब बनर्जी हों या रवींद्रनाथ भट्टाचार्य हों या फिर मुकुल रॉय के बेटे शुभ्रांशु रॉय, सब हार गए।

कैलाश बोले - इसलिए हारे

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि हमने विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ा। हमने कोई ध्रुवीकरण नहीं किया। ममता बनर्जी ने पत्र लिखकर सभी विपक्षी पार्टियों को कहा था कि हमारी मदद करो। इसके बाद राहुल गांधी ने बंगाल में चुनाव प्रचार नहीं करने की घोषणा की थी। उन्होंने यह ऐलान कोविड के कारण नहीं बल्कि उनका यह सरेंडर था। इसी तरह सीपीएम ने भी सरेंडर कर दिया। जिससे 7-8 प्रतिशत वोट सीधा टीएमसी को ट्रांसफर हो गया। ममता बनर्जी ने पूरा चुनाव इमोशनल तरीके से लड़ा। उन्होंने चुनाव प्रचार व्हील चेयर पर बैठ कर किया और चुनाव परिणाम के दिन वह खड़ी हो गईं। अगर हिंदू समाज का ध्रुवीकरण होता तो चुनाव परिणाम कुछ और होता। ध्रुवीकरण अल्पसंख्यक समाज में हुआ।

एमके स्टालिन की अगुवाई में द्रविड़ मुन्नेत्र काषगम (डीएमके) गठबंधन अगली सरकार बनाने जा रहा है। मुख्यमंत्री बनने जा रहे द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन ने राज्य के लोगों को धन्यवाद दिया। असम विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस अध्यक्ष प्रमुख रणजीत कुमार दास ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी को इस्तीफा भेज दिया है।

इसलिए जीतीं ममता

1. भाजपा मुख्यमंत्री का चेहरा प्रोजेक्ट नहीं कर सकी।
2. भाजपा नेताओं पर बाहरी होने का मुद्दा भारी पड़ा।
3. सीपीएम- कांग्रेस का वोट टीएमसी के साथ गया।
4. ध्रुवीकरण का फायदा भाजपा की जगह ममता को हुआ।
5. टीएमसी की योजनाओं पर वोटरों का भरोसा कायम रहा।

दीदी- अब आगे क्या

ऐतिहासिक जीत के बाद टीएमसी चीफ ममता कोलकाता के प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर गईं और उन्होंने ईश्वर का आशीर्वाद लिया। अब उनके पांव का प्लास्टर हट गया है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने जय बंगाल का उदघोष किया और कहा कि -

- यह बंगाल की जीत है, बंगाल के लोगों की जीत है।
- हमारी पहली प्राथमिकता कोविड-19 से निपटना है।
- बंगाल के लोगों को फ्री वैक्सीन मिलेगी। मैं इसके लिए केंद्र सरकार के खिलाफ धरना दूंगी।

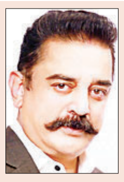

बड़ी हार

तमिलनाडु में कमल हासन की हुई हार, कोयंबटूर साउथ सीट से भाजपा की महिला मोर्चा अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन जीतीं ।

प्रशांत किशोर अब नहीं बनाएंगे किसी के लिए चुनावी रणनीति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प. बंगाल में टीएमसी को जीत के पथ पर ले जाने के लिए रणनीति बनाने वाले प्रशांत किशोर ने ऐलान किया है कि वह अब किसी दल के लिए चुनावी रणनीति नहीं बनाएंगे। किशोर ने रविवार को कहा कि मैं अब इस पेशे को छोड़ रहा हूं। मेरे लिए एक ब्रेक लेने और जीवन में कुछ और करने का समय है। उन्होंने कहा कि भले ही बंगाल में चुनावी नतीजे अभी एकतरफा दिख रहे हों, लेकिन यह बेहद कड़ा मुकाबला था। उन्होंने कहा कि टीएमसी भले जीत गई है, लेकिन हर पार्टी को चुनाव आयोग के रवैए पर आपत्ति करनी चाहिए।

दीदी की दीदीगीरी

प. बंगाल - सीटें 292

पार्टी	विजय/ लीड
टीएमसी	214
भाजपा	76
लेफ्ट, कांग्रेस	00
अन्य	02

असम में भाजपा लौटी

असम- सीटें 126

पार्टी	विजय/ लीड
एनडीए	75
यूपीए	50
आईएमडी	00
अन्य	01

स्टालिन ने दिखाया दम

तमिलनाडु- सीटें 234

पार्टी	विजय/ लीड
एआईएडीएमके	78
डीएमके प्लस	156
एनएमएन प्लस	00
अन्य	00

एलडीएफ की वापसी

केरल- सीटें 140

पार्टी	विजय/ लीड
एलडीएफ	99
यूडीएफ	41
भाजपा प्लस	00
अन्य	00

कांग्रेस साफ, एनडीए जीता

पुडुचेरी- सीटें 30

पार्टी	विजय/ लीड
एनडीए	16
यूपीए	9
आईएनडी	0
अन्य	5

एक नजर...

विदेशी मिशनों के लिए उपचार का पूरा इंतजाम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सरकार ने यहां स्थित सभी विदेशी मिशनों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उपचार की सभी जरूरतों को पूरा करने का इंतजाम किया है और उनसे आग्रह किया है कि वे ऑक्सीजन सहित किसी भी वस्तु या दवा को अनावश्यक जमा नहीं करें। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यहां संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में कहा कि विदेश मंत्रालय में प्रोटोकॉल प्रमुख तथा विभागों के प्रमुख भारत में स्थित सभी उच्चायोगों एवं राजदूतावासों के निकट संपर्क में हैं और उनकी चिकित्सा जरूरतों खासकर कोविड संबंधी उपचार की जरूरतों पर आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं।

ईरान, भारत को देगा 30 टन मेडिकल सामग्री

काहिरा, (एजेंसी)। ईरान ने कहा है कि भारत को कोविड-19 से लड़ने में मदद के लिए 30 टन मेडिकल सामग्री भेजेगा। ईरान के स्वास्थ्य मंत्री हला जायेद ने बयान जारी करके कहा कि तीन सौ ऑक्सीजन सिलेंडर, 20 वेंटिलेटर, 50 इलेक्ट्रिक सीरिंज, 100 मेडिकल बेड, 20 इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम मशीन व 30 डेफिब्रिलेटर समेत 30 टन मेडिकल सामग्री भारत रवाना की जाएगी। सशस्त्र बलों के सहयोग से ये सामग्री भारत भेजी जाएगीं। भारत में कोरोना का कहर जारी है। ऑक्सीजन की कमी से अस्पतालों में मरीज दम तोड़ रहे हैं। दिल्ली के बत्रा अस्पताल में तरल मेडिकल ऑक्सीजन की कमी के कारण शनिवार को 12 मरीजों की मौत हो गई।

टीएमसी समर्थक पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बोलपुर में पश्चिम बंगाल राज्य विधानसभा चुनावों में जीत का जश्न मनाते हुए ।

हाईकोर्ट की फटकार का भी असर नहीं

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु में रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू हुई। इस दौरान करीब 3998 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला हो रहा है, लेकिन गौर करने वाली बात ये कि कई काउंटिंग सेंटर्स पर को प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ती दिखी। लोगों के बीच सोशल डिस्टेंस का पालन बिल्कुल नहीं दिखा।

हाल ही में चुनाव आयोग को कोरोना प्रोटोकॉल का पालन न करने को लेकर मद्रास हाईकोर्ट ने फटकार लगाई थी। यहां तक कि कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की थी कि क्यों न अधिकारियों पर हत्या का मुकदमा चलाया जाए। कोर्ट ने इलेक्शन कमीशन को राजनीतिक दलों की रैलियों को इजाजत, भीड़ इक्कठा करने जैसे मामलों को लेकर यह फटकार लगाई थी। साथ ही मतगणना के दिन कोर्ट ने आयोग से ब्लू प्रिंट मांगा था कि कोविड प्रोटोकॉल का पालन कैसे होगा।साथ ही कोर्ट ने मतगणना रोकने की बात भी कही थी, लेकिन बावजूद इसके काउंटिंग सेंटर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की भीड़ देखने को मिली।

काउंटिंग सेंटर्स पर उड़ीं प्रोटोकॉल की धज्जियां

आयोग ने दिए पांच राज्यों के चीफ सेक्रेटरी को निर्देश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चुनावी नतीजों के बाद अलग-अलग राजनीतिक दलों द्वारा जुटने और जश्न मनाने की खबरों पर केंद्रीय चुनाव आयोग ने संज्ञान लेते हुए पांचों राज्यों के चीफ सेक्रेटरी को निर्देश दिया है कि तुरंत कार्रवाई की जाए। चुनावी नतीजों के बाद जश्न मनाने की खबरों पर केंद्रीय चुनाव आयोग ने कहा है कि ऐसे मामलों में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए और संबंधित थानाध्यक्ष को सस्पेंड किया जाए, जो कार्रवाई की जाए उसकी जानकारी केंद्रीय चुनाव आयोग को भेजी जाए। पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के लिए रविवार को वोटों की गिनती की गई।

भोपाल में 10 मई तक बढ़ा कोरोना कर्फ्यू

भोपाल, (एजेंसी)। भोपाल जिले में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए जन सामान्य के स्वास्थ्य हित में 10 मई सुबह छह बजे तक कोरोना कर्फ्यू की अवधि बढ़ा दी गई है।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट भोपाल अविनाश लवानिया ने दंड प्रक्रिया संहित 1973 की धारा 144 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए उक्त आदेश जारी किया। पूर्व में जारी आदेश में भोपाल नगर निगम क्षेत्र और बैरसिया नगर पालिका क्षेत्र में दिनांक 26 अप्रैल को सुबह छह बजे से तीन मई सुबह छह बजे तक कोरोना कर्फ्यू लागू किया था। इसकी अवधि 10 मई सुबह छह बजे तक बढ़ाई गई है।उल्लेखनीय है कि जबलपुर में 17 मई , इंदौर में 10 मई व ग्वालियर में तीन मई तक पहले से ही कोरोना कर्फ्यू लागू है।

पूर्व मंत्री बृजेन्द्र सिंह राठौर का निधन

भोपाल। मप्र के पृथ्वीपुर के कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री बृजेन्द्र सिंह राठौर का रविवार को कोरोना से निधन हो गया। वे बीते दिनों दमोह प्रचार के दौरान संक्रमित हुए थे। बीते दिनों उनकी तबियत खराब होने से उन्हें झांसी से एयरलिफ्ट करके भोपाल लाया गया था। यहां चिरायु अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उनकी निधन की खबर सुनकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ट्वीट कर लिखा है कि पूर्व मंत्री राठौर के निधन का समाचार बेहद पीड़ादायक व व्यथित करने वाला है। उनका निधन कांग्रेस और मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है।

ठाणे जिले के खूनी गांव में जहरीली गैस का रिसाव, मची अफरातफरी

ठाणे, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी क्षेत्र के एक गांव में जहरीली गैस के रिसाव होने की घटना सामने आई, जिसके बाद लोगों में अफरातफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। हालांकि, अभी तक किसी प्रकार के नुकसान की कोई जानकारी नहीं है।

एक अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एक खुले मैदान में रखे जहरीली गैस के सिलेंडर से रिसाव होने की घटना सामने आई, जिसके बाद आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया। यह घटना भिवंडी के खूनी गांव के चिकनीपाड़ा क्षेत्र में की है, जहां सल्फर डाइऑक्साइड युक्त गैस के 16 सिलेंडर रखे हुए थे। इनमें से दो सिलेंडरों में से जहरीली गैस लीक होकर क्षेत्र में फैल गई।

भेजे गए आठ अत्याधुनिक ऑक्सीजन जेनेरेटर

भारत पहुंची फ्रांस से सहायता की पहली खेप

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोविड महामारी में भारत की सहायता के लिए फ्रांस से पहली खेप रविवार को सुबह यहां पहुंची, जिसमें अस्पताल में ऑक्सीजन का उत्पादन करने वाले आठ अत्याधुनिक संयंत्र भी शामिल हैं।

सूत्रों ने यहां बताया कि फ्रांस की सरकार ने इस खेप को भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के जरिए भारत सरकार को सौंपा। सरकार ने प्राथमिकता एवं आवश्यकता के आधार पर उन आठ अस्पतालों को पहले से चिह्नित कर लिया है, जहां ये संयंत्र लगाए जाएंगे। इनमें से कम से कम चार अस्पताल दिल्ली के हैं। इससे कई महत्वपूर्ण स्थानों पर ऑक्सीजन आपूर्ति को लेकर राहत मिल सकेगी।प्रत्येक नोवएयर प्रीमियम आर एक्स 400 हॉस्पिटल लेवल ऑक्सीजन जेनेरेटर 250 बिस्तरों को सालभर तक ऑक्सीजन दे सकता है। ये ऑक्सीजन जेनेरेटर आठ अस्पतालों को दस साल से अधिक समय तक अनवरत प्राणवायु प्रदान करने में सक्षम है।

राष्ट्रपति मैंको ने दिया एकजुटता का संदेश

फ्रांस के राष्ट्रपति एमेनुअल मैंको ने सोशल मीडिया पोस्ट पर भारत से एकजुटता व्यक्त करते हुए एक संदेश हिंदी में दिया है। इससे पहले शनिवार को देर रात जर्मनी से भी सहायता सामग्री पहुंची, जिसमें 120 प्रिज्मावेंट 50 वेंटीलेटर शामिल हैं। जर्मनी अगले सप्ताह भारत को एक सचल ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र और 13 जर्मनी तकनीशियनों को संयंत्र स्थापित करने एवं प्रशिक्षण देने के लिए भेजेगा। जर्मनी से रेमडेसिविर इंजेक्शन एवं मोनोक्लोनल भी आना है। जर्मनी की एक एजेंसी वेबीनार के माध्यम से भारतीय तकनीकी टीम को वायरस की सीक्वेंसिंग की जानकारी देगी। इसके अलावा जर्मनी की निजी कंपनी लिंडे से टाटा कंपनी द्वारा 24 ऑक्सीजन परिवहन टैंक खरीदे जा रहे हैं। जबकि ऑयल इंडिया कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा जर्मनी की कंपनी एल्बात्रोस से चार ऑक्सीजन टैंक खरीदे जा रहे हैं। थाईलैंड के पीएम प्रयुत चान ओचा ने भी भारत की मदद की पेशकश की है।

कोरोना से लड़ रहे हेल्थ वर्कर्स को केंद्र सरकार की राहत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोरोना महामारी में लगाए हेल्थ वर्कर्स की बीमा योजना को छह और महीने बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए विभिन्न एम्पवार्ड ग्रुप्स के कामकाज की समीक्षा के लिए हुई बैठक में यह फैसला लिया। पीएम मोदी ने अफसरों को लंबित बीमा दावों के निपटाने में तेजी लाने के कदम उठाने का भी निर्देश दिए, ताकि मृतक के आश्रित समय पर लाभ उठा सकें। आर्थिक और कल्याण उपायों पर बने एम्पवार्ड ग्रुप ने प्रधानमंत्री को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के विस्तार पर प्रजेंटशेन दिया। बताया कि वन नेशन वन राशन कार्ड पहल से ज्यादा लोगों को लाभान्वित करने में मदद मिली है। पीएम मोदी ने निर्देश दिया कि गरीबों को बिना किसी बाधा के लिए मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए राज्यों के साथ समन्वय से काम किया जाए।

बीमा योजना को छह महीने के लिए बढ़ाया

महामारी अस्पताल प्रबंधन ने नकारी ऑक्सीजन की कमी, बताया- बीमारी से गई जान

आंध्रप्रदेश में कोरोना के 14 मरीजों की मौत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आंध्र प्रदेश के सरकारी अस्पताल में शनिवार को 14 कोरोना मरीजों की मौत से हड़कंप मच गया। हालांकि अस्पताल में मौजूद लोगों का कहना है कि कोरोना मरीजों की मौत ऑक्सीजन की कमी से हुई है। अस्पताल प्रशासन इस बात को अफवाह बता रहा है। कोरोना मरीजों की मौत के बाद कलेक्टर ने अस्पताल का दौरा किया और जांच शुरू की।ज्वॉइंट कलेक्टर निशांत कुमार ने बताया कि अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी को लेकर अफवाह फैलाई जा रही है। सभी मरीजों की मौत गंभीर बीमारी से हुई है। हमारी टीम ने ऑक्सीजन प्लांट की जांच की है। हर वार्ड का दौरा कर एक एक प्वाइंट और वॉल्व को चेक किया गया है। कहीं पर भी कोई दिक्कत नहीं है।

कोरोना पर पीएम मोदी ने की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीसी के जरिए विशेषज्ञों के साथ ऑक्सीजन और दवाईयों की उपलब्धता की समीक्षा की। सूत्रों के अनुसार पीएम नरेंद्र मोदी की इस बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। कोविड ड्यूटी में एमबीबीएस और नर्सिंग के अंतिम वर्ष के छात्रों की सेवाओं का उपयोग करना भी शामिल है। कोविड ड्यूटी करने वाले चिकित्सा कर्मियों को सरकारी भर्ती में वरीयता के साथ-साथ वित्तीय प्रोत्साहन भी दिया जाएगा।

देश में कोरोना के 3.92 लाख नए मामले

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा और दिन प्रतिदिन यह भयावह रूप लेता जा रहा है। पिछले 24 घंटों में इस वायरस से संक्रमित रिकॉर्ड 3,92,488 नए मामले सामने आने के साथ संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1.95 करोड़ के पार हो गई है और 3689 लोगों की जान चली गई।

संक्षिप्त समाचार

भारत में कोरोना वायरस की स्थिति को 'दुखदायी', मदद करने का किया है वादा: अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भारत में कोरोना वायरस की स्थिति को 'दुखदायी' बताते हुए कहा है कि अमेरिका ने इस चुनौती का मुकाबला करने में उसकी मदद करने का वादा किया है। हैरिस ने सिनसिनाटी, ओहायो में शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, ''इसको लेकर कोई सवाल ही नहीं है कि लोगों की जान जाने के संदर्भ में यह बड़ी त्रासदी है। जैसा मैंने पहले भी कहा है, एक बार फिर से कहूंगी कि हमने एक देश के तौर पर भारत के लोगों का समर्थन करने का उनसे वादा किया है।''
हैरिस ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''हमने डॉलर राशि के संदर्भ में वादा किया है, जो पीपीई और अन्य चीजों के मद में जाएगी। लेकिन यह दुखद है। लोग जिस घोर पीड़ा से गुजर रहे हैं, उसमें मेरी प्रार्थना उनके साथ है।'' इससे पहले व्हाइट हाउस ने कोविड-19 के मामलों में काफी वृद्धि के मद्देनजर भारत से यात्रा पर पाबंदी लगाने की घोषणा की थी। हैरिस ने कहा कि प्रतिबंध की खबर सार्वजनिक होने के बाद से उन्होंने भारत में अपने परिवार से बातचीत नहीं की है।

भारत की मदद के लिए UNICEF ने भेजे 3,000 ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र की बाल एजेंसी कोविड-19 की 'प्रलयकारी नयी लहर' से लड़ने में भारत की मदद करने के लिए 3,000 ऑक्सीजन सांद्रक, जांच किट और अन्य उपकरण समेत अहम जीवनरक्षक आपूर्तियां भेज रही है। यूनिसेफ ने यह भी कहा कि वह सभी आयु वर्गों को टीका देने के लिए भारत सरकार के राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम को गति देने में भी मदद कर रहा है। शुक्रवार को नियमित संवाददाता सम्मेलन के दौरान, संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के उपप्रवक्ता फरहान हक ने महासचिव एंतोनियो गुतारेस के ट्वीट का संदर्भ दिया कि वह और संयुक्त राष्ट्र परिवार देश के लोगों के साथ कोविड-19 की इस भयावह स्थिति के दौरान एकजुटता से खड़ा है और संयुक्त राष्ट्र देश के प्रति अपने सहयोग को बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है।
हक ने कहा कि भारत में संयुक्त राष्ट्र की रेजिडेंट समन्वयक रेनाटा लोक डेसालियन भी महासचिव की तरह विचार रखती हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक यूनिसेफ पूर्वोत्तर भारत और महाराष्ट्र के अस्पतालों के लिए 25 ऑक्सीजन संयंत्रों की खरीद एवं स्थापना में मदद करने के साथ ही देश में प्रवेश के स्थानों पर थर्मल स्कैनर लगाने में मदद कर रहा है। इसमें कहा गया, फ्रयूनिसेफ और साझेदार सभी आबादी समूहों में समान रूप से टीका देने के लिए उसके राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम को गति देने के लिए सरकार का लगातार समर्थन कर रहे हैं।

कोरोना के मामलों में वृद्धि जारी रहने पर पाकिस्तान शहरों में लॉकडाउन लगाएगा: मंत्री

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ मंत्री ने शुक्रवार को कहा कि अगर कोविड-19 के मामलों में वृद्धि जारी रही तो पाकिस्तान सरकार शहरों में लॉकडाउन लागू करने को मजबूर होगी। पाकिस्तान में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के 8,20,823 मामले सामने आ चुके हैं जबकि पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 131 और मरीजों की मौत के साथ ही मृतक संख्या बढ़कर 17,811 तक पहुंच गई। योजना मंत्री असद उमर ने चेताया कि संक्रमण की दर 15 फीसदी पार करने की सूरत में सरकार को शहरों में लॉकडाउन लागू करने को मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा, चुनौती समाप्त नहीं हुई है जबकि इसकमें लगातार इजाफा हो रहा है। इस समय सावधानी बरतने के साथ ही मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करना बेहद जरूरी है। अगले कुछ सप्ताह काफी नाजुक हैं। अगर हम बीमारी को फैलने देते हैं तो कोई तंत्र इससे निपट नहीं सकता।

भारत की मदद के लिए जर्मनी ने अपनी सेना को उतारा, ऑक्सीजन प्लांट लगा बचाएंगे मरीजों की जिंदगी

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस से मचे हाहाकार को देखते हुए जर्मनी ने मदद के लिए अपनी सेना को उतार दिया है। जर्मनी की चांसलर एजेंला मार्केल ने पिछले सप्ताह एक बयान जारी कर भारत के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की थी। जिसके बाद अब वहां की सेना भारत की मदद के लिए उतर चुकी है। ऑक्सीजन की बढ़ती डिमांड को देखते हुए जर्मनी ऑक्सीजन प्लांट भारत भेज रहा है। वहीं, जर्मन वेंटिलेटर का एक बैच भी शनिवार को दिल्ली पहुंचने वाला है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक एक खास बातचीत में जर्मन कर्नल डॉ थोरस्टेन वेबर ने कहा कि ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र भारत में भेजा रहा है और जब तक इसकी आवश्यकता होगी तब तक यह देश में रहेगा।

कोविड-19 : अमेरिकी सांसदों ने भारत को मदद देने के लिए बाइडन प्रशासन की प्रशंसा की

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

वाशिंगटन। भारत में कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए अमेरिकी सांसदों ने देश को 10 करोड़ डॉलर की मदद देने के लिए बाइडन प्रशासन की प्रशंसा की है। कांग्रेस सदस्य टॉम सूजी ने कहा, 'भारत में स्थिति गंभीर एवं बहुत ज्यादा दिल दुखाने वाली है।' सीनेट के सदस्य कोरी बूकर ने ट्वीट किया, 'हम यह नहीं भूल सकते कि यह एक वैश्विक महामारी है। हमें दूसरे देशों की कोविड-19 से लड़ने के लिए जरूरी टीके एवं आपूर्ति प्राप्त करने में मदद करनी होगी। यह राष्ट्रपति बाइडन का सही कदम है क्योंकि भारत (वायरस के) अनियंत्रित प्रसार और निराश करने वाली कमियों से जूझ रहा है।'

सूजी ने कहा, 'कोविड-19 मामलों की नयी लहर से लड़ रहे भारत के साथ हमारी एकजुटता प्रदर्शित करते हुए, बाइडन प्रशासन ने 10 करोड़ डॉलर से अधिक मूल्य की आपूर्ति की प्रतिबद्धता जताई है जिसमें अत्यावश्क ऑक्सीजन एवं संबंधित उपकरण, पीपीई और अग्रिम मोर्चे के स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सहायता, जांच एवं टीका उत्पादन आपूर्ति, दवाइयां और जनस्वास्थ्य सहयोग शामिल है।' उन्होंने कहा कि अमेरिका सरकार की सहायता उड़ानों ने शुक्रवार से भारत पहुंचना शुरू कर दियाऔर ये अगले हफ्ते भी जारी रहेंगी। सूजी ने कहा, ÷हमारा भारतीय अमेरिकी समुदाय वहां घर पर अपने परिवार एवं दोस्तों को लेकर भयभीत एवं चिंतित है। हम एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और भारत के लोगों को हमारे देश की मानवीय सहायता के साथ ही हमारी प्रार्थनाओं की भी जरूरत है।'

भारतीय मूल की अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल ने कहा कि यह वैश्विक महामारी है और जब तक इस वायरस को हर जगह से खत्म नहीं कर दिया जाता, कोई भी इससे उबर नहीं सकता है। जयपाल ने कहा, ÷भारत को हमारी मदद की जरूरत है और यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम इस कठिन स्थिति से उबरने में सफल हों।÷ मदद का हाथ बढ़ाते हुए विमानन कंपनी बोइंग ने कोविड-19 के खिलाफ भारत की जंग को समर्थन देने के लिए एक करोड़ डॉलर के आपातकालीन सहायता पैकेज की शुक्रवार को घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि बोइंग की तरफ से यह मदद राहत कार्यों में लगे संगठनों को भेजी जाएगी जिसमें चिकित्सीय आपूर्ति एवं कोविड-19 से जूझ रहे समुदायों एवं परिवारों के लिए आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा देना भी शामिल है। बोइंग ने कहा कि वह स्थानीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहायता संगठनों के साथ साझेदारी कर और चिकित्सीय, सरकारी एवं जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों से विचार-विमर्श कर उन इलाकों में यह एक करोड़ डॉलर की मदद भेजेगी जिन्हें सबसे ज्यादा जरूरत होगी। इससे पहले मास्टरकार्ड ने भी भारत को एक करोड़ डॉलर की मदद देने की घोषणा की थी।

उधर, बाइडन प्रशासन ने यह भी कहा कि भारत में कोविड-19 की स्थिति भले ही भयावह हो लेकिन कोरोना वायरस के मामले अब भी चरम पर नहीं पहुंचे हैं। वैश्विक कोविड प्रतिक्रिया एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए विदेश मंत्रालय के समन्वयक गेल ई स्मिथ ने संवादाताओं से कहा, 'भारत में वायरस के मामले बढ़ने से स्थिति अत्यंत गंभीर है। भारत में लगभग हर दिन मामले बढ़ रहे हैं। मुझे भय है कि यह संकट अब भी अपने चरम पर नहीं पहुंचा है।' स्मिथ ने कहा कि मामले उस वक्त चरम पर कहे जाते हैं जब लोगों के संक्रमित होने, उनके बीमार होने और उनके इलाज के बीच एक अंतराल होता है। उन्होंने कहा, ''इस समस्या पर कुछ समय के लिए तत्काल एवं लगातार ध्यान देने की जरूरत है। इसलिए हमने ऑक्सीजन, पीपीई, टीका उत्पादन आपूर्ति, जांच एवं अन्य महत्त्वपूर्ण आपूर्तियों पर तत्काल ध्यान दिया है।'' अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला देवी हैरिस ने भारत में कोरोना वायरस संक्रमण की स्थिति को 'त्रासदी' करार दिया और कहा कि उन्होंने इस चुनौती से लड़ने के लिए देश को मदद देने की प्रतिबद्धता जताई है।

हैरिस ने शुक्रवार को ओहियो के सिनसिनाती में संवाददाताओं से कहा, 'इसमें कोई शक नहीं है कि यह मृतकों

के लिहाज से बड़ी त्रासदी है और जैसा कि मैंने पहले भी कहा है और फिर कहूंगी कि एक राष्ट्र के तौर पर हमने भारत के लोगों की मदद के लिए प्रतिबद्धता जताई है।' इससे पहले व्हाइट हाउस ने भारत में 'कोविड-19 के बहुत ज्यादा मामलों' और वायरस के बहुत से प्रकारों के मिलने के चलते भारत से यात्रा पर प्रतिबंधों की घोषणा की थी। हैरिस ने कहा कि प्रतिबंधों की खबर सार्वजनिक होने के बाद से वह भारत में अपने परिवार से बात नहीं कर पाई हैं।

लंदन जाकर सीरम सीईओ का बड़ा आरोप, भारत में शक्तिशाली लोग कर रहे परेशान, नहीं जाना चाहता वापस

लंदन। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस के रोजाना रिकॉर्ड मामले सामने आने के बीच देश में वैक्सीनेशन अभियान का तीसरा फेज शनिवार से शुरू हो गया। देश में लगातार वैक्सीन की मांग बढ़ती जा रही है। इस बीच, कोविशील्ड वैक्सीन का प्रोडक्शन करने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के प्रमुख अदार पूनावाला ने वैक्सीन की डिमांड के लिए बढ़ते दबाव को लेकर बातचीत की है। ब्रिटेन में पूनावाला ने यह भी आरोप लगाया है कि वैक्सीन को लेकर भारत के कई शक्तिशाली लोग उन्हें परेशान कर रहे हैं। पूनावाला को हाल ही में केंद्र सरकार ने वाई श्रेणी की सुरक्षा भी मुहैया करवाई है।

'आक्रामक रूप से कॉल कर मांग रहे वैक्सीन'

सिक्योरिटी मिलने के बाद पहली बार इस बारे में बात करते हुए अदार पूनावाला ने 'द टाइम्स' को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि भारत के पावरफुल लोग आक्रामक रूप से कॉल करके कोविशील्ड वैक्सीन की मांग कर रहे हैं। मालूम हो कि कोविशील्ड पहली वैक्सीन है, जिसे डीसीजीआई ने कोरोना के इमरजेंसी इस्तेमाल के लिए मंजूरी दी थी। कोविशील्ड का उत्पादन दुनिया की वैक्सीन बनाने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कर रही है।

बेटी और पत्नी के साथ यूके गए पूनावाला

एसआईआई के प्रमुख ने बताया कि इसी दबाव की वजह से वह अपनी बेटी और पत्नी के साथ लंदन आ गए हैं। 40 वर्षीय पूनावाला ने कहा, 'मैं यह अतिरिक्त समय तक इसलिए रुका हूं, क्योंकि मैं उस स्थिति में फिर से जाना नहीं चाहता। सबकुछ मेरे कंधे पर आ गया है, लेकिन मैं अकेले कुछ नहीं कर सकता। मैं ऐसी स्थिति में नहीं रहना चाहता, जहां आप अपना काम कर रहे हों, और आप एक्स, वाई या जेड की मांगों की सप्लाई को पूरा नहीं कर सकें। यह भी नहीं पता हो कि वे आपके साथ क्या करने जा रहे हैं।'

'सभी को लगता है कि उन्हें वैक्सीन मिलनी चाहिए'

उन्होंने कहा, 'उम्मीद और आक्रामकता का स्तर वास्तव में अभूतपूर्व है। यह भारी है। सभी को लगता है कि उन्हें टीका मिलना चाहिए। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि किसी और को उनसे पहले क्यों मिलना चाहिए।' पूनावाला ने इंटरव्यू में संकेत दिया कि उनका लंदन का कदम भारत के बाहर के देशों में वैक्सीन निर्माण का विस्तार करने की व्यावसायिक योजनाओं से भी जुड़ा हुआ है, जिसमें ब्रिटेन उनकी पसंद हो सकता है। जब भारत के बाहर टीके निर्माण को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'अगले कुछ दिनों में बड़ा ऐलान होने जा रहा है।' अखबार के अनुसार, इस साल जनवरी में ऑक्सफोर्ड / एस्ट्राजेनेका वैक्सीन को मंजूरी दी गई थी, तब तक सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने 80 करोड़ अमरीकी डॉलर की लागत से अपनी वार्षिक उत्पादन क्षमता 1.5 से 2.5 बिलियन खुराक तक बढ़ा दी थी और पांच करोड़ खुराक का प्रोडक्शन भी कर लिया था।

कोविशील्ड पर ज्यादा मुनाफा कमाने के आरोप पर क्या बोले अदार?

कंपनी ने वैक्सीन ब्रिटेन सहित 68 देशों को निर्यात करना शुरू कर दिया था। हालांकि, इसी दौरान भारत में कोरोना से स्थिति खराब होने लगी। पूनावाला ने 'टाइम्स' इंटरव्यू में कहा, 'हम वास्तव में सभी मदद करने के लिए हांफ रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि भगवान भी पूर्वानुमान लगा सकते थे कि ऐसा होने वाला था।' वहीं, ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए कोविशील्ड की कीमत को बढ़ाए जाने के आरोप को नकारते हुए पूनावाला ने कहा कि यह पूरी तरह से गलत है। उन्होंने इस वैक्सीन को ग्रह पर सबसे सस्ती वैक्सीन बताया। उन्होंने कहा, 'हमने मुनाफाखोरी करने के बजाय जो भी बेहतर हो सकता था, वह किया है। मैं इतिहास के लिए प्रतीक्षा करूंगा।'

ऑस्ट्रेलिया ने भारत से लोगों के आने पर रोक लगाई, उल्लंघन करने पर 5 साल का कैद

मेलबर्न (एजेंसी)।

कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने भारत से आने वाले यात्रियों पर अस्थायी रोक लगा दी है और अगर ऑस्ट्रेलियाई नागरिक भी इसका उल्लंघन करते हैं तो उन्हें पांच साल की कैद और 66 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का भारी-भरकम जुर्माना हो सकता है।

अस्थायी रोक सोमवार से लागू हुई और यह उन यात्रियों पर लागू होगा जो ऑस्ट्रेलिया आने को इच्छुक हैं और 14 दिनों में भारत की यात्रा की है। सिडनी से प्रकाशित हेराल्ड अखबार की खबर के मुताबिक अनुमान है कि भारत में इस समय करीब नौ हजार ऑस्ट्रेलियाई हैं और उनमें से 600 को असुरक्षित के तौर पर वर्गीकृत किया गया है।

ऑस्ट्रेलियाई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को फैसले की घोषणा की। इसका मकसद ऑस्ट्रेलिया में कोरोना वायरस के वायरस को रोकना है जबकि भारत में कोविड-19 के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। स्वास्थ्य मंत्री ग्रेग हंट ने बताया कि यह फैसला भारत में संक्रमित और विदेश से ऑस्ट्रेलिया आए यात्रियों और पृथकवास में रखे गए के अनुपात के आधार पर है।

ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) ने उनके हवाले से बताया कि भारत से आने वाले यात्रियों में %अप्रबंधन करने योग्य संक्रमितों की संख्या की वजह से यह कदम उठाया गया। खबर के मुताबिक यात्रा प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर पांच साल कैद की सजा हो सकती या 66 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का जुर्माना या दोनों हो सकता है।

चीन से लगवाए बिजलीघर, अब कर्ज पर गिड़गिड़ा रहा पाकिस्तान, चिनफिंग से की यह अपील

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

कर्जों के बोझ तले दबा पाकिस्तान तीन अरब डॉलर (करीब 22 हजार करोड़ भारतीय रुपये) के कर्ज की वापसी के लिए समय बढ़ाने को चीन से गिड़गिड़ा रहा है। यह कर्ज चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) के अंतर्गत आने वाली बिजली परियोजना से संबंधित है। पाकिस्तान चाहता है कि उसे कर्ज चुकाने के लिए 10-12 साल का समय मिल जाए।

इमरान खान सरकार महंगाई और अन्य समस्याओं के चलते इस समय विपक्ष के निशाने पर है। वह नहीं चाहती की बिजली की दरों में भारी बढ़ोतरी कर वह विपक्ष को हमले का एक मुद्दा और दे दे। इसलिए वह चीन से कर्ज चुकाने के समय में बढ़ोतरी की मांग कर रही है। यह जानकारी पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने दी है।

प्रधानमंत्री के ऊर्जा मामलों के विशेष सहायक ताबिश गौहर ने बताया है कि पाकिस्तान को चीन की 12 निजी कंपनियों को तीन साल के भीतर तीन अरब डॉलर का भुगतान करना है। इन कंपनियों ने पाकिस्तान की बिजली परियोजनाओं में निवेश कर रखा है।

पाकिस्तान सरकार ने इस कर्ज को 10 से 12 साल में वापस करने का अनुरोध चीन सरकार से किया है। इससे पाकिस्तान सरकार को बिजली मूल्य में एक साथ 1.50 पाकिस्तानी रुपये प्रति यूनिट की बढ़ोतरी करने की आवश्यकता से छूट मिल जाएगी। इसकी जगह वह बिजली मूल्य में कम बढ़ोतरी करेगी और कर्ज को धीरे-धीरे चुकता करेगी।

उल्लेखनीय है कि चीनी कंपनियों ने सीपीईसी के अंतर्गत दो दर्जन विद्युत संयंत्र पाकिस्तान में लगाए हैं और समझौते के अनुसार उनमें लगे धन की वापसी जनता से वसूले जाने वाले बिजली मूल्य से होनी है। इसीलिए पाकिस्तान सरकार पर बिजली मूल्य में भारी बढ़ोतरी का दबाव है। प्रधानमंत्री के विशेष सहायक ने कहा, हम अपने मित्र देश को किसी तरह की मुश्किल में नहीं डालना चाहते लेकिन असलियत यह है कि चीनी कंपनियों को भुगतान होने वाली किस्तों की आधी धनराशि तो चीन की अन्य परियोजनाओं से ही वसूली की जानी है। क्योंकि इन विद्युत संयंत्रों की बिजली का उन्हीं परियोजनाओं में इस्तेमाल हो रहा है।

कोरोना: जयशंकर ने थाईलैंड, सिंगापुर, नार्वे के विदेश मंत्रियों से बातचीत की

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कोविड-19 की दूसरी लहर से भारत की जंग को लेकर थाईलैंड, सिंगापुर और नार्वे के अपने समकक्षों के साथ टेलीफोन पर अलग अलग बातचीत की। भारत में कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर के कारण भारत के कई हिस्से गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। थाईलैंड के विदेश मंत्री दोन परामुदविनई के साथ बातचीत के बाद जयशंकर ने कहा कि भारत को विश्वास है कि वह थाईलैंड के साथ अपनी साझेदारी पर भरोसा करना जारी रख सकता है। जयशंकर ने ट्वीट किया, 'कोविड-19 चुनौतियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बारे में थाईलैंड के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री दोन परामुदविनई के साथ चर्चा की। क्रायोजेनिक टैंक एवं ऑक्सीजन से संबंधित अन्य उपकरणों की आपूर्ति की सराहना की। उन्होंने कहा, ' विश्वास है कि थाईलैंड के साथ अपने गठजोड़ पर भरोसा करना जारी रख सकते हैं।' गौरतलब है कि थाईलैंड ने भारत को तोहफे के रूप में 15 ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर की आपूर्ति की जबकि दक्षिण पूर्वी एशिया में भारतीय समुदाय के लोगों ने अलग से 15 आक्सीजन सांद्रक की खेप भेजी। दिल्ली के लिए चिकित्सा आपूर्ति रायल थाई एयर फोर्स के विमान से लाया गया और इससे भारत में थाईलैंड के दूतावास के कुछ अधिकारियों को भी ले जाया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि इंडियन एसोसिएशन आफ थाईलैंड की ओर से अलग से 100 आक्सीजन सिलिंडर की पेशकश की गई है। इनके भारत में तेजी से लाने के लिये कदम उठाये जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, 'करीबी नौवहन पड़ोसी के साथ ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत बना रहे। आसियान में हमारे सहयोगी तथा मित्र थाईलैंड से 15 आक्सीजन सांद्रक के तोहफे का स्वागत है। अतिरिक्त 15 आक्सीजन सांद्रक देने के लिये थाईलैंड में भारतीय समुदाय को धन्यवाद।'

भारत की मुखर विदेश नीति का अमेरिका ने भी माना लोहा, मोदी के नेतृत्व में देश ने हर मोर्चे पर दिखाई अपनी ताकत

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारत ने 2020 में अपनी विदेश नीति से पूरे विश्व में धाक जमाई है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस साल मुखर होकर और मजबूती के साथ निर्णय लिए गए । फिर वो चाहे चीन का मामला हो या हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा देने का। पाकिस्तान को करारा जवाब देने का हो या फिर रक्षा उत्पादन का।

अमेरिकी इंटेलीजेंस एजेंसी ने संसद में भारत की विदेश नीति को सराहा

अमेरिका के डिफेंस इंटेलीजेंस एजेंसी के निदेशक स्कॉट बेरियर ने संसद में विश्व की चुनौतियों को लेकर सुनवाई के दौरान भारत की विदेश नीति को सराहा। डिफेंस इंटेलीजेंस एजेंसी ने कहा कि नई दिल्ली चीन के मामले में भी सख्त रही है। सीमा विवाद पर उसने चीन के साथ पूरी मजबूती बनाए रखी।

मोदी सरकार ने 2020 में विदेश नीति के मामले में हर मोर्चे पर पूरी दृणता दिखाई दी

भारत की सख्ती के कारण ही चीन से उसके संबंध में तनाव आया, लेकिन भारत ने मजबूती से चीन पर व्यापारिक प्रतिबंध लगाए, मोबाइल एप बैन कर दीं। 2020 के पूरे साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार विदेश नीति के मामले में हर मोर्चे पर पूरी दृणता दिखाई है।

बेरियर ने कहा- भारत ने आतंकवाद के रहते पाक से राजनयिक वार्ता करने से किया इन्कार

बेरियर के अनुसार भारत पाकिस्तान की सीमा पर भी मुखर बना रहा और उसने आतंकवाद के रहते राजनयिक वार्ता करने से इन्कार कर दिया। उसने कश्मीर में अपने मजबूत इरादों को स्पष्ट कर दिया। अपनी नीतियों को ताकत देने के लिए भारत ने सेना के विकास पर भी पूरा ध्यान दिया।

भारत कर रहा सेना का तेजी से विकास

नई दिल्ली थल, वायु और नौसेना का तेजी से विकास कर रहा है। उसने रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भारत ने देश में डिफेंस इंडस्ट्री को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। भारत निरंतर हाइपर,बैलिस्टिक, क्रूज और एयर डिफेंस मिसाइल की क्षमता को भी बढ़ा रहा है।

कोविड-19 से निपटने की तैयारियों पर आयोजित समीक्षा बैठक में बोले कैबिनेट सचिव

दिल्ली में बुनियादी चिकित्सा ढांचा बढ़ाना जरूरी

नई दिल्ली (संवाददाता)। कैबिनेट सचिव राजीव गाबा ने राजधानी दिल्ली में कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप से निपटने के उद्देश्य से कोविड बेड, आईसीयू और वेंटिलेटर की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए चिकित्सा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को जल्द से जल्द बढ़ाने पर बल दिया। गाबा ने रविवार को राजधानी में कोविड-19 से निपटने की तैयारियों से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। बैठक में मौजूद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के अधिकारियों ने एक प्रस्तुति दी।

इसमें सक्रिय मामलों से संबंधित ताजा रुझान, मृत्यु और सकारात्मकता दर, चिकित्सा संबंधी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता और उनके विस्तार की कार्य योजना, ऑक्सीजन उपलब्धता की स्थिति, होम आइसोलेशन की प्रक्रिया और हेल्पलाइन, एम्बुलेंस सेवा और कोविड की जांच जैसे तमाम पहलुओं पर जानकारी दी गई।

उन्होंने समर्पित वेबसाइटों और ऐप के माध्यम से कोविड बेड और अन्य सुविधाओं तथा दवाओं की उपलब्धता के बारे में सभी जरूरी जानकारी लोगों को उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि इन सूचनाओं के आधार पर लोग सही समय पर सही जगह पहुंचकर इन सुविधाओं तथा दवाओं का फायदा

जरूरतमंद लोगों को चिकित्सा संबंधी जरूरी सूचनाएं प्रदान करने के लिए हो हेल्पलाइन शुरू : राजीव गाबा

उठा सकें। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों को चिकित्सा संबंधी जरूरी सूचनाएं प्रदान करने के लिए एक हेल्पलाइन शुरू की जानी चाहिए, और लोगों के बीच इसका अधिक से अधिक प्रचार भी किया जाना चाहिए। इस हेल्पलाइन में एक समर्पित और सही एवं पूर्ण जानकारी रखने वाली टीम होनी चाहिए।

मंत्रिमंडल सचिव ने दिल्ली सरकार से टेस्टिंग सुविधाओं को बढाने और कोविड टेस्ट के परिणाणों को समय पर उपलब्ध कराने का प्रयास करने के लिए भी कहा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने प्रत्येक अस्पताल के बाहर पारदर्शी इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से कोविड मरीजों के लिए उपलब्ध बिस्तरों की संख्या बताने वाली पूर्व में जारी व्यवस्था को फिर से शुरू करने पर जोर दिया। अतिरिक्त सचिव, स्वास्थ्य ने विभिन्न अस्पतालों और चिकित्सा सुविधाओं में ऑक्सीजन ऑडिट समितियों की स्थापना की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

केंद्रीय अतिरिक्त स्वास्थ्य सचिव ने ज़ोर देते हुए कहा कि वर्तमान समय में विभिन्न अस्पतालों और चिकित्सा केन्द्रों में ऑक्सीजन ऑडिट समिति का गठन करने की आवश्यकता है। डॉ. वी. के. पॉल ने राजधानी दिल्ली के वर्तमान हालात की गंभीरता पर बल देते हुए सुझाव दिया कि राजधानी में चिकित्सा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए अस्पतालों और छोटे नर्सिंग होम को आपस में जोड़ दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रोटोकॉल के अनुसार होटलों और ऐसे ही अन्य स्थानों पर कोविड देखभाल केन्द्र शुरू किए जाएं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की हेल्पलाइन को मजबूती प्रदान के लिए दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन से 50 डॉक्टर्स की एक टीम उपलब्ध कराने का आग्रह किया जाए, जो स्वैच्छिक आधार पर कोविड-19 मरीजों को परामर्श प्रदान करे।

आबंटित ऑक्सीजन को उचित स्थान से सही समय पर उठाने के लिए हो हर संभव प्रयास : गाबा

ऑक्सीजन की उपलब्धता से जुड़े मुद्दे पर बात करते हुए मंत्रिमंडल सचिव ने हाल की उन घटनाओं पर दु:ख व्यक्त किया, जहां सही समय पर ऑक्सीजन न मिलने से लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने दिल्ली सरकार से कहा कि वे दिल्ली के लिए आबंटित ऑक्सीजन को उचित स्थान से सही समय पर उठाने के लिए हर संभव प्रयास करें और इसके लिए जितने भी संसाधन उपलब्ध हैं, उन सबका इस्तेमाल करें। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा कि उपलब्ध ऑक्सीजन का तर्कसंगत और पारदर्शी तरीके से वितरण किया जाए ताकि ऑक्सीजन की बर्बादी से बचा जा सके। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों की संख्या के मुद्दे पर उन्होंने दिल्ली सरकार से कहा कि वे सेवानिवृत्त चिकित्सा कर्मियों की भर्ती प्रक्रिया को उदार बनाकर इनकी सेवाएं लें।

रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी करते दो गिरफ्तार

70 हजार रुपए में बेच रहे थे इंजेक्शन

(संवाददाता)

नई दिल्ली । फतेहपुर बेरी थाना पुलिस ने जरूरतमंद मरीजों के तीमारदारों को 70 हजार रुपए में रेमडेसिविर इंजेक्शन बेच रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों विभूति कुमार उर्फ विद्या सागर और मनोज कुमार के पास से 3 इंजेक्शन बरामद किए है। पुलिस उनसे पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि रविवार को सब इंस्पेक्टर मंजीत कुमार को सूचना मिली थी कि घिटोरनी मेट्रो स्टेशन के पास महरौली रोड पर रेमडेसिविर महंगे दाम पर बेचने के लिए एक शख्स आएगा। जिसके बाद एसएचओ कुलदीप सिंह की टीम ने घिटोरनी मेट्रो स्टेशन के पास ट्रैप लगाकर एक शख्स को इंजेक्शन के साथ पकड़ा। आरोपी विभूति कुमार ने पूछताछ में बताया कि 70 हजार में इन इंजेक्शन को बेचने वाला था। उसके पास से दो इंजेक्शन बरामद हुए।

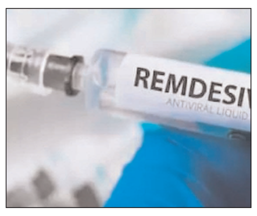

पूछताछ में विभूति ने मनोज कुमार के बारे में बताया। इसके बाद पुलिस ने ओल्ड राजेंद्र नगर निवासी 42 वर्षीय मनोज कुमार को गिरफ्तार किया। इसके पास से एक इंजेक्शन बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। विभूति कुमार ने पुलिस को बताया कि वह मनोज से इंजेक्शन लेकर आगे बेचता था। पुलिस जांच में पता चला कि विभूति मूलरूप से बिहार का रहने वाला है। इसने 2011 में नर्सिंग का कोर्स किया था। बिहार के नालंदा आदर्श कॉलेज से 12वीं करने के बाद 2014 में वह दिल्ली आया था। शुरुआत में इसने बालाजी नर्सिंग होम इंद्रपुरी में कंपाउंडर की नौकरी की थी। 3 साल बाद नौकरी छोड़कर गंगाराम अस्पताल के पास अपना खुद का नर्सिंग स्टाफ का काम शुरू किया था। मनोज कुमार मूलरूप से उत्तर प्रदेश के उन्नाव का रहने वाला है। 90 के दशक में वह दिल्ली आया था। ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित चिनार प्लेस होटल में मैनेजर के तौर पर काम कर रहा था। समय बीतने के साथ इसकी दोस्ती विद्या सागर से हो गई थी। जल्द पैसा कमाने के लिए इन्होंने इंजेक्शन की ब्लैक मार्केटिंग शुरू की थी।

संक्षिप्त समाचार

आप ने प्रवासी मजदूरों को पहुंचाई मदद

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी से निगम पार्षद श्रीमती रेखा दीक्षित द्वारा उनके क्षेत्र में रहने वाले प्रवासी मजदूरों को लगातार अपने घर से खाना बनाकर खाने की व्यवस्था करवाई जा रही है। जिसमे सुबह नाश्ते से लेकर दोपहर व रात के भोजन के साथ-साथ और भी मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। आम आदमी पार्टी के नेता श्रवण दीक्षित भी प्रवासी मजदूरों से समय-समय पर मिलकर उनके स्वास्थ्य के बारे में संज्ञान लेते रहते है और कोरोना से अपने आपको कैसे सुरक्षित रखना है इसके लिए जागरूक करते रहते है। निगम पार्षद रेखा दीक्षित व श्रवण दीक्षित द्वारा प्रवासी मजदूरों को लगातार भोजन उपलब्ध करवाने से प्रेरित होकर क्षेत्रीय आरडब्ल्यूए की पूरी टीम ने इसे बहुत ही सराहनीय कदम बताया है। और आरडब्ल्यूए की पूरी टीम ने मदद का हाथ बढ़ाते हुए संकल्प लिया है कि उनकी पूरी आरडब्ल्यूए की टीम प्रवासी मजदूरों के साथ है उनकी तरफ से प्रवासी मजदूर की पूरी मदद करेगी। कार्यकर्ताओं ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व दिल्ली नगर निगम के प्रभारी दुर्गेश पाठक से प्रेरणा लेकर कि दिल्ली में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए इसलिए आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के प्रवासी मजदूरों के लिए खाने की व्यवस्था का संकल्प लिया है। इस मौके पर शिव कुमार शर्मा, मयंक वशिष्ठ, हरीश कुमार, चिंगु चावला व आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी मौजूद रहे।

महिला की अस्पताल में मौत कंधा देने नहीं पहुंचे रिश्तेदार

नई दिल्ली। जैतपुर इलाके में एक महिला की अस्पताल में मौत हो गई। एम्बुलेंस महिला के शव उसके घर के बाहर रख चली गई। महिला के रिश्तेदार और पड़ोसियों से उसके अंतिम संस्कार के लिए बेटा का साथ नहीं दिया। जिसके चलते उसका अंतिम संस्कार नहीं हो सका। ऐसे में सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस जैतपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और महिला का अंतिम संस्कार करवाया। पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि बीती 30 अप्रैल को एक लड़के ने फोन पर गली में शव रखे होने की सूचना मिली। जैतपुर थाने की पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो वहां कृष्णा का बेटा मिला, जिसने टीम को बताया कि उसकी मां का तबीयत बीते कुछ दिनों से खराब थी। उसका होली फैमली अस्पताल में इलाज चल रहा था। पर अस्थाम होने और सांस लेने में दिक्कत होने की वजह से कृष्णा की मौत हो गई। इसके बाद अस्पताल से एंबुलेंस लेकर अपने घर पहुंचा और शव को गली में रख दिया।

कालाबाजारी करने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। कोविड-19 से संक्रमित मरीजों को ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की आवश्यकता पड़ रही है, जिसके चलते कालाबाजारी करने वाले लोग, इसका फायदा उठाकर लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं। ऐसी ही शिकायत अशोक विहार थाना पुलिस को मिली, जिसमें पीड़ित ने ऑक्सीजन कंसंट्रेटर को 1,65,000 रुपए में बेचे जाने की जानकारी दी। अशोक विहार थाना पुलिस को 1 मई को सूचना मिली कि पीड़ित, जिसका नाम भारत जुनेजा है, उसने मां और पत्नी के लिए, जो कोरोना से संक्रमित थी।

होम आईसोलेशन के मरीजों के लिए बनें चिन्हित ऑक्सीजन रिफिलिंग सेन्टर : आदेश

बदरपुर स्थित आयुर्वेदिक एम्स को बनाया जाए कोविड अस्पताल

(आनंद राय)

नई दिल्ली । दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता के नेतृत्व में पार्टी नेताओं का प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी.किशन रेड्डी से मिला और उनको वर्तमान कोविडकाल में दिल्ली की जनता के समक्ष आ रही परशानियों के साथ कुछ रचनात्मक सुझावों को रखा जिसके बाद गृह राज्य मंत्री ने हस्तक्षेप कर लोगों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। भाजपा नेताओं ने गृह राज्य मंत्री को बताया की अनेक सरकारी एवं निजी अस्पतालों की बेड उपलब्ध होते हुए भी ना देने या अत्याधिक चार्ज लेने की शिकायतें आ रही हैं, कुछ लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव है

पर हालत खराब है पर अस्पताल उन्हें भर्ती नहीं कर रहे जिससे जनता परेशान है। होम आईसोलेशन के मरीजों तक दिल्ली सरकार से कोई मेडिकल सलाह ना पहुंचने की शिकायत के साथ ही दवाओं एवं आक्सीजन की भारी किल्त से भी मंत्री महोदय को अवगत कराया गया। प्रतिनिधिमंडल ने सुझाव दिया कि बदरपुर स्थित आयुर्वेदिक एम्स को कोविड अस्पताल बनाया जाए, नगर निगमों के अस्पतालों में कोविड बेड बढ़ाने की अनुमति दी जाए। आदेश गुप्ता ने कहा है कि होम आईसोलेशन के मरीजों को डाक्टरी सलाह मिलने में देरी एवं आक्सीजन की कमी खतरनाक हो सकती है, उन्होंने मांग की कि होम आईसोलेशन के मरीजों को आक्सीजन उपलब्ध कराने के लिए चिन्हित केंद्र बनाए जाएं और डॉक्टरी सलाह तुरंत शुरू की जाए। प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली भाजपा के संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, केंद्रीय स्वास्थ मंत्री डॉ.हर्षवर्धन, सांसद मीनाक्षी लेखी, रमेश बिधूड़ी एवं प्रवेश साहिब सिंह और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी सम्मिलित थे।

राजधानी दिल्ली में कोविड महामारी से जंग जीतने के लिए 1200 बिस्तार वाला अस्थाई कोविड-19 केयर सेंटर के निर्माण कार्य में जुटे श्रमिक।

ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की कालाबाजारी करते युवक गिरफ्तार

दो ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और 3.12 लाख कैश बरामद

नई दिल्ली (संवाददाता)। कालकाजी थाना पुलिस ने ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की कालाबाजारी कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी बलजीत सिंह के पास से दो ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, तीन लाख 12 हजार कैश और हौंडा सिटी कार बरामद हुई है। पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि 30 अप्रैल को सूचना मिली कि भागीरथ पैलेस का एक दुकानदार महंगे दाम पर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर को बेचने के लिए सावित्री सिनेमा के पास आने वाला है। जिसके बाद एसएचओ वीरेंद्र सिंह की टीम मुखबीरों की मदद से बलजीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान कार से दो ऑक्सीजन कंसंट्रेटर भी

बरामद किया। पूछताछ में पता चला की एक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर वह सवा लाख रुपए में बेचता था। पिछले 8 सालों से वह भागीरथ पैलेस में डायग्नोस्टिक वर्ल्ड नाम की शॉप चलाता है। कोरोना काल में वह किड्स देने का काम करता है। उसने नोएडा से सनी नाम के एक शख्स से 50 हजार प्रति ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के हिसाब से 10 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर खरीदा था। सनी नोएडा में मास्क बनाने की फैक्ट्री चलाता है, अभी वह चाइना से ऑक्सीजन कंसंट्रेटर का आयात कर रहा है।

लूट के लिए युवक की हत्या, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। संगम विहार में लूटपाट के दौरान युवक की हत्या करने के मामले में पुलिस ने वारदात में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों सन्नी 21, रितिक 20 और मो. एजाज उर्फ लल्ला 18 के पास से पीड़ित का मोबाइल फोन, आधार कार्ड और डीएल व अन्य सामान बरामद हुआ है। पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि गत 19 अप्रैल को संगम विहार थाना पुलिस को एक युवक पर हमला कर लूटपाट की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को आजाद नामक युवक घायल मिला। उसने बताया कि तीन युवकों ने लूटपाट की और हमला किया। पुलिस ने आजाद के को अस्पताल में भर्ती कराया और उसके बयान पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। अभी आरोपी पकड़े भी नहीं गए थे कि 25 अप्रैल को इलाज के दौरान आजाद की मौत हो गई। पुलिस ने केस हत्या की धाराओं में बदल जांच तेज कर दी। पुलिस को एक सीसीटीवी से आरोपियों का सुराग मिला और आरोपी सन्नी को दबोचा लिया।

दिल्ली में 24 घंटे में 20394 नए संक्रमित, 407 की मौत

नई दिल्ली (संवाददाता)। दिल्ली में कोरोना से दम तोड़ रहे मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हालांकि लंबे समय के बाद दिल्ली में संक्रमण दर घटकर 30 फीसदी के नीचे पहुंचा। वहीं ठीक होने वाले मरीजों की संख्या भी संक्रमित होने वालों के मुकाबले बढ़ी है।

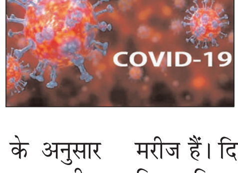

दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार रविवार को दिल्ली में 20394 नए मरीज सामने आए। जबकि 24444 मरीजों को छुट्टी दी गई। वहीं407 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से अभी तक 1194946 लोग संक्रमित हो चुके हैं, इनमें से 1085690 मरीज ठीक हो गए। जबकि 16966 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोनो से मृत्युदर 1.42 फीसदी है। विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस 92290 हैं। इनमें दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में 20136 और कोविड केयर सेंटर में 896 व कोविड मेडिकल सेंटर में 122 मरीज भर्ती हैं। होम आइसोलेशन में 50742 मरीज हैं। दिल्ली में कोरोना की जांच के लिए शनिवार को 71997 टेस्ट हुए जिसमें 28.33 फीसदी मरीज कोरोना संक्रमित पाए गए। इन जांच के लिए आरटीपीसीआर से 54487 और रैपिड एंटीजन से 17510 टेस्ट हुए। दिल्ली में अभी तक 17303562 टेस्ट हुए। दिल्ली में तेजी से बढ़ते मामलों के साथ हॉटस्पॉट की संख्या बढ़कर 42098 हो गई।

दिल्ली में भीषण सड़क हादसा, कार सवार ने कांस्टेबल को 40 मीटर तक सड़क पर घसीटा

नई दिल्ली । देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां कार सवार शख्स ने एक पुलिसकर्मी को टक्कर मारी है. इस टक्कर के बाद पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए. इसके बाद आनन-फानन में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. खास बात यह है कि शख्स ने पुलिसकर्मी को 40 मीटर तक घसीटा था. यही वजह है कि वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई. कहा जा रहा है कि पुलिसकर्मी कोरोना काल में अपनी ड्यूटी पर थे.

जानकारी के मुताबिक, मामला दिल्ली के वसंत विहार का है. यहां पुलिस कांस्टेबल मुंशीलाल अपनी पिकेट पर ड्यूटी कर रहे थे. तभी एक सफेद रंग की गाड़ी तेज गति से उनकी तरफ आई और उन्हें टक्कर मार दी. ये टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पुलिस का टेंट भी ध्वस्त हो गया. साथ ही वहां खड़ी बाइक के भी परखच्चे उड़ गए. वहीं, कांस्टेबल मुंशीलाल हादसे के बाद कार के बोनड में फस गए. ऐसे में आरोपी शख्स ने उन्हें 40 किलोमीटर तक घसीटते हुए गाड़ी चला दी. ऐसे में पुलिस कांस्टेबल बुरी तरह से जख्मी हो गए और उन्हें ढ्ढ्ढस्र में भर्ती कराया गया. लेकिन चोटें इतनी गहरी थीं कि इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई.

उन्हें पुलिस स्टेशन में आइसोलेट कर दिया गया है

वहीं, पुलिस ने आरोपी कार चालक समित यादव को गिरफ्तार कर लिया है. पूछताछ के दौरान समित ने बताया है कि वे गुड़गांव के मैक्स अस्पताल से वापस आ रहे थे. वहां पर उनकी पत्नी का कोविड का इलाज जारी है. लेकिन वापस आते समय उनकी आंख लगी और ये दुर्घटना हो गई. पुलिस की तरफ से कई धाराओं में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. वहीं, क्योंकि आरोपी की पत्नी कोविड पॉजिटिव हैं, ऐसे में समित को एक पीपीई किट पहनाई गई है और उन्हें पुलिस स्टेशन में आइसोलेट कर दिया गया है.

दिल्ली में कोरोना से हाहाकार के बीच एंबुलेंस ने 4 किलोमीटर के लिए चार्ज किए 10 हजार रुपये, आईपीएस ने शेयर की रसीद

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस बेकाबू हो चला है. इस बीच पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में कोरोना के 25 219 नए केस सामने आने के साथ 412 लोगों की मौत से हड़कंप मचा हुआ है. बता दें कि दिल्ली में एक दिन में कोरोना से मौत का यह आंकड़ा अब तक का सबसे बड़ा है. यही नहीं, दिल्े ली में आईसीयू बेड्स के साथ ऑक्े सजीन और एंबुलेंस का संकट भी लगातार गहराता जा रहा है. वहीं, दिल्ली में 4 किलोमीटर के लिए एंबुलेंस द्वारा 10,000 रुपये वसूलने का मामला चर्चा का कारण बना हुआ है.

बहरहाल आईपीएस अधिकारी अरुण बोथरा ने एंबुलेंस की एक रसीद शेयर करते हुए लिखा, दिल्ली में चार किलोमीटर के लिए एंबुलेंस ने 10 हजार रुपये चार्ज किए. दुनिया आज न सिर्फ हमें बल्कि हमारी तबाही और नैतिक मूल्य भी देख रही है.

बता दें कि आईपीएस अधिकारी अरुण बोथरा ने जो रसीद शेयर की है वह डीके एंबुलेंस सर्विस की है, जिसमें चार किलोमीटर के लिए 10 हजार रुपये वसूले गए हैं. यह उन्े होंने 28 अप्रैल को शेयर की थी. यही नहीं, इस दौरान बोथरा के ट्वीट का रीट्वीट करते हुए एक यूजर ने लिखा कि दिल्े ली में जमकर लूटमार चल रही है और मेरे पड़ोसी के शव को पांच किलोमीटर दूर श्े मशान घाट ले जाने के लिए 22 हजार रुपये मांगे थे. यही नहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा कि मेरी सास को अस्े पताल पहुंचाने के लिए एक एंबुलेंस वाले ने दस किलोमीटर के लिए 30 हजार रुपये लिए थे.

दिल्ली में कोरोना बेकाबू

देश की राजधानी में सक्रिय मरीजों की संख्या 96, 747 हो गई है. इनमें से 50, 554 लोग होम आइसोलेशन में अपना इलाज करा रहे हैं. अगर पॉजिटिविटी रेट की बात करें तो वह अब भी 30-35 प्रतिशत के बीच रह रही है, जो चिंता बढ़ा रही है. यही नहीं, दिल्ली सरकार ने शनिवार को भी कोविड 19 खिलाफ लड़ाई में दिल्ली की मदद करने के लिए पोर्टल की शुरुआत की. इस पोर्टल के जरिए भारत और विदेश में रहने वाले के लोग कोविड-19 के खिलाफ इस मुश्किल लड़ाई में मदद कर सकेंगे. दिल्ली सरकार इसके माध्यम से मिलने वाले तत्काल सहयोग से दिल्ली में ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर, डी-टाइप ऑक्सीजन सिलेंडर समेत अन्य चिकित्सा उपकरणों की किल्लत को खत्म करना चाह रही है. मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देश में आपदाओं से निपटने में सरकारों की मदद करने में भारतीय और प्रवासी नागरिक हमेशा सबसे आगे रहे हैं. हम सभी से अनुरोध करते हैं कि जितना हो सके, उतना सहयोग करें.

संपादकीय

परिपक्व रुख की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों को चेताया है कि वे नागरिकों को अपनी तकलीफें सार्वजनिक करने के लिए प्रताड़ित न करें। सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने ऐसी खबरों का खुद ही संज्ञान लिया है, जिनके मुताबिक राज्य सरकारें उन लोगों या संस्थानों को सजा देने की बात कर रही हैं, जो इलाज न मिलने या ऑक्सीजन की कमी होने की बात सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने खुद भी सवाल उठाया है कि मरीजों या उनके परिजनों को दवाओं के लिए यहां-वहां क्यों भटकना पड़ रहा है? दरअसल, कोविड-19 में इस्तेमाल होने वाली कुछ दवाएं आयात होती हैं और अचानक उनकी जरूरत बढ़ जाने पर आयात बढ़ाने व वितरण सुनिश्चित करने जैसे कदम उठाने में देर हो गई। यह सही है कि मीडिया या सोशल मीडिया पर कभी कुछ सनसनीखेज या भ्रामक बातें आ जाती हैं, लेकिन ऐसी बातों को रोकने के लिए अगर गैर-जरूरी सख्ती दिखाई जाती है, तो इससे नुकसान ज्यादा होता है। इससे एक तो लोग अपनी वास्तविक तकलीफ भी बताने से डर सकते हैं और इस बात की आशंका भी बढ़ जाती है कि प्रशासन में बैठे लोग ऐसे आदेशों का दुरुपयोग अपनी कमजोरी छिपाने के लिए कर सकते हैं। मीडिया या सोशल मीडिया पर संवाद के जरिए सूचना व सहायता का जो स्वतःस्फूर्त तंत्र विकसित हुआ है, वह कई तरह से लोगों की मदद कर रहा है और एक मायने में प्रशासन का हाथ भी बंटा रहा है। इसलिए उसे हतोत्साहित करना ठीक नहीं है। दुनिया तेजी से बदल रही है, लेकिन प्रशासन के कई तौर-तरीके पुराने हैं। मसलन, यह पुरानी सोच है कि कोई आपदा आए, तो सूचना को नियंत्रित करने के बारे में सोचा जाए, जैसे सौ साल पहले युद्ध या महामारी के दौर में तुरंत सेंसरशिप लगा दी जाती थी। पहले महायुद्ध के आखिरी दौर में सेंसरशिप की वजह से ही स्पेनिश फ्लू की खबरें प्रचारित नहीं हो पाईं और वह फैलती चली गई। बाद में भी सूचनाओं की कमी की वजह से उसके बारे में जानकारी जुटाना मुश्किल बना रहा और इसीलिए उसे 'भूला दी गई महामारी' की संज्ञा मिली। उस दौर में तो सूचना के साधन कम थे, इसलिए उन्हें नियंत्रित करना आसान था, लेकिन सूचना क्रांति के बाद यह काम व्यावहारिक रूप से भी बहुत कठिन है। वैसे भी, आधुनिक इतिहास से यही समझ आता है कि ऐसे नियंत्रण से नुकसान ज्यादा होता है, क्योंकि पाबंदी होती है, तो बेसिर-पैर की अफवाहों का खतरा बढ़ जाता है, जो ज्यादा घातक हो सकती हैं। खास तौर पर महामारी जैसी आपदा के दौर में पारदर्शिता और जनता को विश्वास में लेना सबसे अच्छी नीति है। इस आपदा से सरकार और जनता को मिलकर निपटना है, और अगर दोनों में विश्वास का रिश्ता होगा, तो यह सहयोग ज्यादा पुख्ता होगा। यह सही है कि लोग बहुत तकलीफ में हैं और उनकी तकलीफ सरकारों के प्रति गुस्से के रूप में फूट रही है। लेकिन परिपक्व प्रशासकों को इसे बर्दाश्त करना चाहिए। इसका अर्थ यह है कि लोग सरकार से नाराज हैं, लेकिन इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि उनका सरकार या व्यवस्था से भरोसा उठ चुका है। यदि सरकारें अपनी गलतियों या सीमाओं को स्वीकार करती हैं और जनता के गुस्से को स्वाभाविक मानकर बर्दाश्त करती हैं, तो इससे स्थिति सुधारने में सहयोग मिलेगा। जो हमारा साझा संकट है, उससे इसी तरह पार पाया जा सकता है।

प्रवीण कुमार सिंह

दिल्ली को और ऑक्सीजन दो

सांसों का संकट है और व्यवस्था हांफ रही है। आम आदमी कैसे और किसके सहारे कोरोना से लड़ाई लड़े। एक बड़ा संकट दिल्ली पर शासन का है। केंद्र ने कानून बनाकर लगभग सारी व्यवस्था अपने हाथ में ले ली है। कोरोना से लगातार बढ़ती मौतों और ऑक्सीजन की कमी को लेकर मचे हाहाकार के बीच हाई कोर्ट ने राज्य की व्यवस्था केंद्र के हाथ में देने की चेतावनी दे भी दी थी केंद्र ने इस मौके पर संसद से पारित बिल को राष्ट्रपति के मंजूरी देते ही लागू कर दिया और दिल्ली में एलजी ही सरकार का कानून लागू कर दिया। समझ नहीं आ रहा कि दो पाटों में पिस रही जनता किससे फरियाद करे। उसने दो-दो बार भारी बहुमत से जिसे जिताया था वह आम आदमी पार्टी सरकार रोज हाई कोर्ट और यदाकदा सुप्रीम कोर्ट की फटकार खाने पर मजबूर है। इस सब के बावजूद राजधानी में राजनीति का जो हाल है वह जनता को रोज अपनों को जाते देखने पर मजबूर कर रहा है। राज्य सरकार बस इधर- उधर हाथ पैर मार रही है। दिल्ली का विपक्ष उसकी इस हालत पर खुश दिखता है। जनप्रतिनिधि सीन से पूरी तरह नदारद हैं। जनता तो सोशल मीड़िया पर भी अपने कष्ट बयां नहीं कर पा रही। उसे इस बारे में सवाल उठाने पर कार्रवाई की धमकियां दी जा रही हैं। कष्टों की मारी जनता की बात देश की सर्वोच्च अदालत ने समझी है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र और राज्य सरकारों को साफ कहा कि सोशल मीड़िया पर मदद की गुहार लगाने वालों या किसी तरह की शिकायत करने वालों पर कोई कार्रवाई न की जाए और न ही किसी कार्रवाई की चेतावनी दी जाए। यहां तक कि अपवाह फैलाने के नाम पर भी किसी तरह की न तो कार्रवाई हो या न कोई कार्रवाई की चेतावनी ही दी जाए। गुरुवार को हाई कोर्ट में दिल्ली को ऑक्सीजन का कम कोटा मिलने और मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र को मांग से ज्यादा ऑक्सीजन दिए जाने का मामला भी उठा। कोर्ट ने इस बाबत केंद्र से जवाब तलब भी किया। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र को दिल्ली की विशेष स्थिति के बारे में बताया और कहा कि राज्य के पास संसाधनों की कमी है; दिल्ली का कोटा और बढ़ाया जाना चाहिए। दिल्ली को 480 मीट्रिक टन कोटा आवंटित है। उसकी मांग 700 मी.टन की है।

गिनती में क्या धरा है...!

खट्टर साहब गलत नहीं कहते हैं। गिनती में कुछ नहीं धरा है। कोविड से मरने वाले दस गिने तो और सौ गिने तो, बात एक ही है। गिनने से छोड़ दिए तो, जीने वाले मर नहीं जाएंगे। और गिनती में ले लिए तो; मरने वाले वापस नहीं आ जाएंगे। रही बात सरकार की तो छप्पन इंच वाली सरकारें न मरने वालों की गिनती से डरती हैं, न गिनती से डर कर कुछ करती हैं। फिर मरने वालों की गिनती दुरुस्त कर-कर के बेचारी सरकार को खामखां परेशान क्यों करना। सरकार परेशान होगी तो क्या न्यू इंडिया बदनाम नहीं होगा!

और गिनती तो गिनती है। अगर मरने वालों की गिनती दुरुस्त कराने से कोई फायदा नहीं है, तो संक्रमणों की गिनती ठीक कराने से ही क्या फायदा? हम तो कहेंगे कि अस्पतालों में बेडों, आइसीयू बेडों, वेंटिलेटरों, रेमडेसिविर वगैरह से लेकर, टीकों तक की गिनती गिनाने का, कोई फायदा नहीं है। पर जिसे भी देखो बेचारी सरकार की गिनती दुरुस्त करने में लगा हुआ है। फिर ठोस या तरल चीजों की गिनती तो फिर भी समझ में आती है, ये एंटीनेशनल तो ऑक्सीजन जैसी गैस के मामले में भी, सरकार की गिनती दुरुस्त करने में लगे हुए हैं। गैस और गिनती, क्या यह मजाक ही नहीं है! फिर गिनती तक रुक जाते तब तो फिर भी गनीमत थी, ये तो देश में तो देश में विदेश तक में ऑक्सीजन के लिए मिन्नतें करते, रोते डाक्टरों, मरीजों के घरवालों की; ऑक्सीजन की कमी से हांफते-तड़पते मरीजों की; श्मशानों में मुर्दों की कतारों, चारों तरफ जलती चिताओं की; तस्वीरें दिखा रहे हैं।

बेचारे विदेश मंत्रालय की जान इंडिया की छवि पोंछ-पोंछकर साफ करने में, वैधानिक चेतावनी दे देकर हलकान हो रही है-इकतरफा तस्वीरों पर विश्वास न करें। उधर स्वास्थ्य मंत्री को बार-बार ऐलान करना पड़ रहा है-मोदी जी के इंडिया में ऑक्सीजन की कमी न थी, न है और न होगी! अब तो दम घुटने का नाटक बंद कर दो! सिंपल है। जिस इंडिया में हवा में ही ऑक्सीजन नहीं है; गाय से लेकर पीपल-बरगद तक ऑक्सीजन देते हैं, वहां ऑक्सीजन की कमी हो कैसे सकती है? सब भारतविरोधियों का दुष्प्रचार है। एंटीनेशनलो, सरकार की गिनती सुधारना छोड़ो!

फिर काम-धंधे पर न लगें ताले

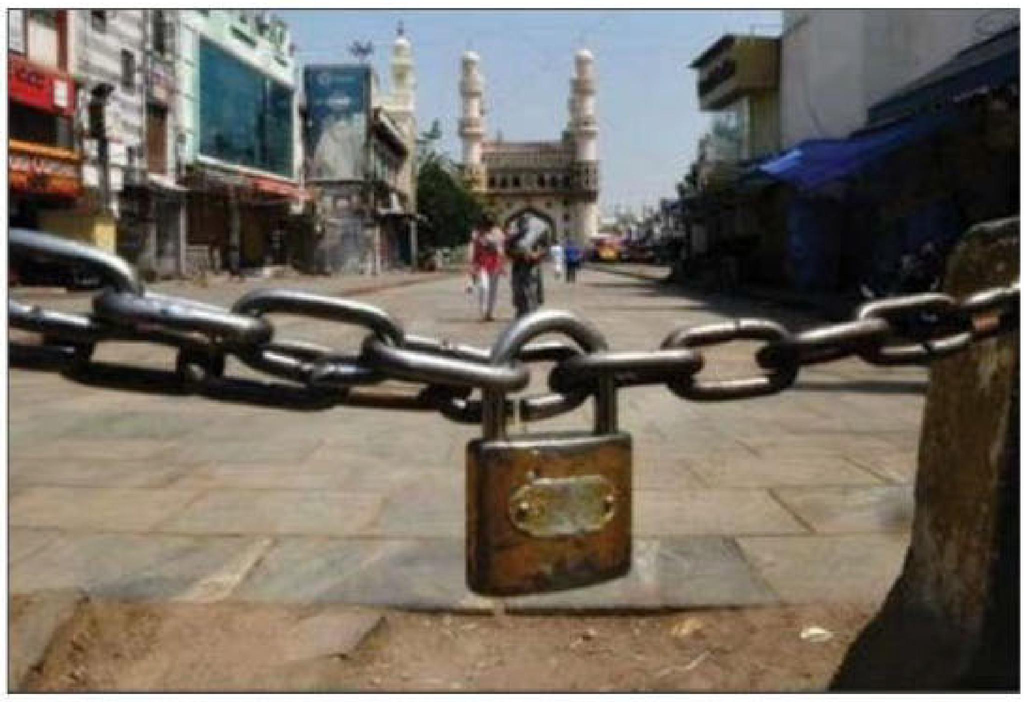

लाख कोशिशों के बावजूद देश के हालात फिर वहीं पहुंच गए हैं, जहां नहीं पहुंचने थे। केंद्र और राज्य सरकारों ने हरचंद कोशिश कर ली। हाईकोर्ट की फटकार की भी परवाह नहीं की। सुप्रीम कोर्ट जाकर अपने लिए खास मंजूरी ले आए कि लॉकडाउन न लगाना पड़े। लेकिन आखिरकार उन्हें भी लॉकडाउन ही आखिरी रास्ता दिख रहा है। महाराष्ट्र ने कड़ाई बरती, तो फायदा भी दिख रहा है। अप्रैल के आखिरी दस दिनों में सिर्फ मुंबई में कोरोना पॉजिटिव मामलों में 40 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। जहां 20 अप्रैल को शहर में 7,192 मामले सामने आए, वहीं 29 अप्रैल तक यह गिनती गिरकर 4,174 पहुंच चुकी थी। 21 अप्रैल से सरकार ने राज्य में लगभग लॉकडाउन जैसे नियम लागू कर दिए थे, उसी का यह नतीजा है और अब ये सारी पाबंदियां 15 मई तक बढ़ाई जा रही हैं।

21 अप्रैल को महाराष्ट्र सरकार ने यह फैसला किया, इसकी भी वजह थी। 21 मार्च से पहले 39 दिनों में राज्य में कोरोना के रोजाना नए मामलों की गिनती 2,415 से बढ़कर 23,610 तक पहुंच चुकी थी। यही वह वक्त था, जब भारत में एक दिन में तीन लाख से ऊपर नए कोरोना मरीज सामने आने लगे थे। कोरोना के पहले और दूसरे दौर को भी मिला लें, तब भी किसी एक दिन में यह दुनिया के किसी भी देश का सबसे बड़ा आंकड़ा था। ऐसे में, सरकारों का घबराना स्वाभाविक था और लॉकडाउन की याद आना भी। सीएमआईई की ताजा रिपोर्ट बताती है कि पिछले साल भर में 98 लाख लोगों की नौकरी गई है। 2020-21 के दौरान देश में कुल 8.59 करोड़ लोग किसी न किसी तरह की नौकरी में लगे थे। और इस साल मार्च तक यह गिनती घटकर सिर्फ 7.62 करोड़ रह गई है। और अब कोरोना का दूसरा झटका और उसके साथ जगह-जगह लॉकडाउन या लॉकडाउन से मिलते-जुलते नियम-कायदे रोजगार के लिए दोबारा नया खतरा खड़ा कर रहे हैं।

> मुंबई और दिल्ली में लॉकडाउन की चर्चा होने के साथ ही रेलवे और बस स्टेशनों पर फिर भीड़ उमड़ पड़ी और बहुत बड़ी संख्या में फिर गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली और पंजाब से लोग उत्तर प्रदेश और बिहार के अपने गांवों या कस्बों के लिए निकल आए हैं।

मुंबई और दिल्ली में लॉकडाउन की चर्चा होने के साथ ही रेलवे और बस स्टेशनों पर फिर भीड़ उमड़ पड़ी और बहुत बड़ी संख्या में फिर गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली और पंजाब से लोग उत्तर प्रदेश और बिहार के अपने गांवों या कस्बों के लिए निकल आए हैं। शहरों में बीमारी के असर और फैलने पर तो इन पाबंदियों से रोक लगेगी, लेकिन इस चक्कर में लाखों की रोजी-रोटी एक बार फिर दांव पर लग गई है। और साथ में दूसरे खतरे भी खड़े हो रहे हैं। सबसे बड़ा डर फिर वही है, जो पिछले साल बेबुनियाद साबित हुआ। शहरों से जाने वाले लोग अपने साथ बीमारी भी गांवों में पहुंचा देंगे। यह डर इस बार ज्यादा गहरा है, क्योंकि इस बार गांवों में पहले जैसी चौकसी नहीं दिख रही है। बाहर से आने वाले बहुत से लोग बिना क्वारंटीन या आइसोलेशन की कवायद से गुजरे सीधे अपने-अपने घर तक पहुंच गए हैं और काम में भी जुट गए हैं। दूसरी तरफ, चुनाव प्रचार और धार्मिक आयोजनों के फेर में बहुत से गांवों तक कोरोना का प्रकोप पहुंच चुका है। शहरों के मुकाबले गांवों में जांच भी बहुत कम है और इलाज के साधन भी। इसलिए यह पता लगना भी आसान नहीं कि किस गांव में कब कौन कोरोना पॉजिटिव निकलता है, और पता चल भी जाए, तो इलाज मिलना और मुश्किल। संकट इस बात से और गहरा जाता है कि हमारी अर्थव्यवस्था अभी तक पिछले साल के लॉकडाउन के असर से पूरी तरह निकल नहीं पाई है। अब अगर दोबारा वैसे ही हालात बन गए, तो फिर झटका गंभीर होगा। हालांकि, अभी तक तमाम अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों और ब्रोकरेजेज ने भारत की जीडीपी में बढ़त के अनुमान या तो बरकरार रखे हैं या उनमें सुधार किया है। लेकिन साथ ही उनमें से ज्यादातर चेता चुके थे कि कोरोना की दूसरी लहर का असर इसमें शामिल नहीं है और अगर दोबारा लॉकडाउन की नौबत आई, तो हालात बिगड़ सकते हैं। रेटिंग एजेंसी स्टैंडर्ड ऐंड पूअर्स ने चेतावनी दी है कि कोरोना की दूसरी लहर से फिर कारोबार में अड़चन का खतरा है और इसकी वजह से भारत की आर्थिक तरक्की को गंभीर नुकसान हो सकता है और इसकी वजह से एजेंसी भारत की तरक्की का अपना अनुमान घटाने पर मजबूर हो सकती है। एसऐंडपी ने इस साल भारत की जीडीपी में 11 प्रतिशत बढ़त का अनुमान दिया हुआ है, लेकिन उसका कहना है कि रोजाना तीन लाख से ज्यादा मामले आने से देश की स्वास्थ्य सुविधाओं पर भारी दबाव पड़ रहा है, ऐसा ही चला, तो आर्थिक सुधार मुश्किल में पड़ सकते हैं। यूं ही देश में औद्योगिक उत्पादन की हालत ठीक नहीं है और लंबे दौर के हिसाब से यहां जीडीपी के 10 प्रतिशत तक का नुकसान हो सकता है।

उधर दिग्गज ब्रोकरेज फर्म यूबीएस ने जो कहा है, वह शेयर बाजार के लिए खतरे की घंटी हो सकता है। उसका कहना है कि अगर कोरोना का संकट जल्दी नहीं टला, तो विदेशी निवेशक भारत के बाजार से बड़े पैमाने पर पैसा निकाल सकते हैं। पिछले कुछ दिनों में ही एफपीआई यानी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने करीब दो अरब डॉलर का माल बेचा है। यूबीएस का कहना है कि ऐसे ही हालात रहे, तो जल्दी ही तीन-चार अरब डॉलर की बिकवाली और देखने को मिल सकती है। पिछले साल इन विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 39 अरब डॉलर लगाए हैं, जो एक रिकॉर्ड था। बाजार में पिछले साल आई धुआंधार तेजी की एक वजह यह पैसा भी था। अगर यह पैसा निकलता है, तो फिर तेजी का टिके रहना भी मुश्किल होगा। यूबीएस के एक रिसर्च नोट में कहा गया है कि भारत में कोरोना के मामलों की बढ़ती गिनती से विदेशी निवेशक व्याकुल हो रहे हैं और घबराहट में पैसा निकाल सकते हैं। लेकिन शेयर बाजार से ज्यादा बड़ी फिक्र है कि हमारे शहरों के बाजार खुले रहेंगे या नहीं। अगर वहां ताले लग गए, तो फिर काफी कुछ बिगड़ सकता है और इस वक्त खतरा यही है कि कोरोना को रोकने के दूसरे सारे रास्ते नाकाम होने पर सरकारें फिर एक बार लॉकडाउन का ही सहारा लेती नजर आ रही हैं। अभी तक सभी जानकार इसके खिलाफ राय देते रहे हैं और सरकारें भी पूरी कोशिश में रहीं कि लॉकडाउन न लगाना पड़े। अर्थशास्त्री भी मान रहे हैं कि कोरोना की दूसरी लहर ज्यादा खतरनाक होने के बावजूद अर्थव्यवस्था पर उसका असर शायद काफी कम रह सकता है, क्योंकि लॉकडाउन नहीं लगा है। मगर अब जो नए हालात दिख रहे हैं, उसमें भारतीय अर्थव्यवस्था कब तक और कितनी बची रहेगी, कहना मुश्किल है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

आखिर मजबूर क्यों हो गये मजदूर

अमेरिका के छब्बीसवें राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट ने 1903 में मजदूर दिवस के अपने बहुचर्चित सम्बोधन में मजदूरों के लिहाज से एक बड़ी ही महत्वपूर्ण बात कही थी। यह कि मनुष्य के जीवन में अगर कोई सबसे बड़ा पुरस्कार है, तो वह है काम करने का मौका। या कि ऐसा काम जिससे उसकी जीविका चले और महत्ता बढ़े।

उनकी यह बात आज, उनके उक्त सम्बोधन के एक सौ अठारह साल बाद भी, इस अर्थ में बहुत महत्वपूर्ण है कि आज की दुनिया में भी बड़ी संख्या में मजदूर जीवन के इस सबसे बड़े पुरस्कार से वंचित हैं और उसकी अंतहीन तलाश में सिर खपाने को मजबूर हैं। अलबत्ता, इस बीच विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों में मजदूरों की एक छोटी-सी संख्या खुद को इस अहसास के नजदीक पहुंचाने में सफल रही है कि उसने अच्छे पद, प्रतिष्ठा, वेतन, घर और लग्जरी गाड़ियां समेत विलासिता के प्रायः सारे साधन जुटाकर अपने सारे सपने पूरे कर लिये हैं। इन देशों की मजदूरविरोधी व्यवस्थाएं इस संख्या को मजदूरों की एकता खंडित करने और 'मजदूरों की ही मार्फत मजदूरों के शोषण' के उपकरण के तौर पर इस्तेमाल करने से भी नहीं चूकतीं।

दरअसल, वक्त के बदलाव के साथ मजदूरों के काम के पुराने प्रायः सारे कौशल बेकार करार दिये गये हैं और उनके जिस छोटे से हिस्से ने जरूरी बताये जा रहे कुछ नये कौशल अर्जित कर लिये हैं, उसकी मार्फत कुशलता और अकुशलता की कथित लड़ाई को तेज कर दिया गया है। इस लड़ाई के माध्यम से कुशल और अकुशल मजदूरों के बीच बड़ी खाई पैदा कर इस हकीकत को झुठलाने की कोशिशें की जा रही हैं कि आम मजदूर अभी भी बेरोजगार रहने, बेहद कम मजदूरी पर काम करने और अपने काम से संतुष्टि या महत्ता न पाने को अभिशप्त हैं। स्वाभाविक ही इससे पूरी दुनिया में न सिर्फ आय की असमानता बल्कि उसके चलते बढ़ रहे सामाजिक तनाव और असंतोष का भी बोलबाला है।

यकीनन, इस दौरान रोजगार और मजदूरी की संरचना में काफी बदलाव आये हैं और मशीनों व उपकरणों के कारण कई कठिन समझे जाने वाले परम्परागत काम आसान हो गये हैं, लेकिन अविकसित या विकासशील देशों को छोड़ भी दें तो धनी देशों में भी बेरोजगारी की ऊंची दरें हालात के दूसरे पहलू को बेपर्दा करके रख देती हैं, जिससे साफ होता है कि नई विश्वव्यवस्था और उसके नीति-निर्माता दुनिया में कहीं भी उस गरीब और कमजोर तबके के हितों का ध्यान नहीं रख रहे हैं।

नोबेल पुरस्कार विजेता माइकल स्पेंस का कहना है कि इसमें कोई दो राय नहीं कि रोजगार नई तकनीकों की वजह से भी कम हो रहे हैं, लेकिन भूमंडलीकरण का वर्चस्व और कल्याणकारी नीतियों का अभाव ही इसका सबसे बड़ा कारण है। यकीनन, वह भूमंडलीकरण ही है, जो उन ढांचागत सुधारों के आड़े आता है, जिनकी मदद से रोजगार के अवसर बढ़ाये जा सकते हैं और शक्तियों व संसाधनों का मजदूर विरोधी संकेन्द्रण रोका जा सकता है।

निस्संदेह, इन सुधारों की अनुपस्थिति में ही शिक्षा में उपयुक्त बदलाव के जरिये ऐसे प्रशिक्षण नहीं उपलब्ध कराये जा पा रहे, जिनकी बिना पर मजदूरों की नई पीढ़ियां पुराने कौशलों के बेकार हो जाने से उत्पन्न हुई चुनौतियों का सामना कर सकें। अकुशल और कुशल मजदूरों के बीच की खाई पाटनी है तो उसका पहला उपाय अकुशल मजदूरों की दक्षता विकास ही होगा।

खास अपने देश के संदर्भ में बात करें तो पहला यह कि मजदूर आपस में मजदूरों की विभिन्न श्रेणियों के आधार पर विभाजित हो गये हैं और हर श्रेणी 'आप आप ही चरे' की तर्ज पर सिर्फ अपनी उपलब्धियों के लिए चिंतित रहने लगी है। इस कारण सामाजिक या आर्थिक परिवर्तन के हिरावल दस्ते के रूप में उनकी कोई भूमिका ही नहीं रह गई है। दूसरा यह कि उनकी मजदूर वाली पहचान पर कई दूसरी संकीर्ण पहचानें हावी हो गई हैं, जिन्होंने उनको, यहां तक कि उनके संगठनों को भी, धार्मिक व साम्प्रदायिक सोच के शिकंजे में जकड़ कर रख दिया है।

इसी कारण कोरोना संकट में श्रमिक भीषण त्रासदी का सामना करके भी सत्ता प्रतिष्ठान पर कोई बड़ा दबाव नहीं बना पाये। इतना ही नहीं, मोदी सरकार ने कोरोना की आपदा को अपने लिए खास अवसर में बदलकर देश में लागू चालीस श्रम कानूनों को चार मजदूर विरोधी व कारपोरेट हितकारी श्रम संहिताओं में बदल डाला तो भी मजदूर संगठन औपचारिक हड़तालों और भारत बन्द आदि से आगे बढ़कर संघर्ष की कोई निर्णायक पहल नहीं कर पाये। हालांकि, इन संहिताओं के लागू हो जाने के बाद उनके काम के घंटे आठ के बजाय बारह हो जायेंगे और वे पूरी तरह रोजगार प्रदाता के रहमोकरम पर हो जायेंगे।

देश के किसान और मजदूर दोनों परस्पर एक-दूजे का विश्वास अर्जित करके लम्बे एकजुट संघर्ष के लिए तैयार हो जायें तो कोई कारण नहीं कि वे अपनी दुर्दशा का अंत न कर सकें।

वाकई में है बड़ी चुनौती

औद्योगिक क्रांति के बाद सर्वप्रथम इंग्लैंड़ में और उसके बाद पूरे यूरोप में और वहां से पूरी दुनिया में एक नये वर्ग का उदय हुआ जिसे मजदूर या श्रमिक वर्ग कहा गया। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था में इनकी संगठित भागीदारी हो गई। इसके साथ ही यह बात भी सामने आई कि इनके जीवन में स्थिति कैसे बेहतर हो और यह एक जरूरत बन गई। श्रम की महत्ता श्रमिकों के बेहतर जीवन के बगैर संभव नहीं थी। पूरी औद्योगिक सभ्यता मजदूरों के श्रम पर ही टिकी है। अपनी मांग के लिए दुनिया भर में मजदूरों ने संघर्ष किया जिसमें लाखों मजदूर और श्रमिकों ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अपनी शहादत दी। वर्तमान में मजदूर और श्रमिक स्वरूप भी बदला है। वर्षों से मनाया जाने वाला मजदूर दिवस आज और भी प्रासंगिक हुआ है।

पूरी दुनिया में श्रम और श्रमिकों को वह प्रतिष्ठा नहीं मिलती जिसकी कि उनको दरकार है। बुद्धि और श्रम में विलगाव हो गया है। इस वजह से समाज कई और उपवर्ग में विभाजित हो चुका है। यह विभाजन राष्ट्र और समाज के लिए कतई उचित नहीं। महात्मा गांधी आजीवन बुद्धि और श्रम की प्रतिष्ठा को अपने कार्यों द्वारा स्थापित करने में जुटे रहे। इस नजरिए को समझने की जरूरत है।

महात्मा गांधी ने 1920 में मजूर महाजन संगठन की स्थापना की। दुनिया भर में कई तरह के मजदूर संगठन अस्तित्व में आ गए या बनाए जाने की प्रक्रिया में थे। इनसे जुड़े लोग मजदूरों की आवाज को, उनके शोषण को और उनकी मानवीय मांगों को उठाते रहे। कुल मिलाकर उनके हित की बात को सामने लाने का प्रयास किया जाता रहा। महात्मा गांधी ने संगठन की आवश्कता को समझ लिया था। और यह भी समझ लिया था कि केवल मजदूरों की बात करना मजदूरों के साथ ही अन्याय होगा। जब तक की महाजन यानी मालिकों को इसमें शामिल नहीं किया जाए। खेड़ा सत्याग्रह में गांधी जी ने इसको समझ लिया कि मजदूरों की हालत अच्छी नहीं है पर मालिकों की बात को दरकिनार करना भी ठीक नहीं होगा। इन दोनों के सामंजस्य से ही मजदूरों का भला हो सकता है। इस सत्याग्रह के दौरान गांधी जी ने मजदूरों को हड़ताल करने की सलाह दी थी। गांधी जी के सहयोगी सरदार वल्लभभाई पटेल श्री शंकरलाल बैंकर, अनुसूया बाई आदि रहे। यह हड़ताल 21 दिन तक चली। गांधी जी बीच-बीच में मिल मालिकों से बातचीत करते और उन्हें इंसाफ के लिए प्रेरित करते। गांधी जी को मिल मालिकों का जवाब मिलता, 'हमारी भी तो टेक है ना? हमें और हमारे मजदूरों में बाप-बेटी का संबंध है'। यहां गांधी जी ने यह समझ लिया था कि और मजदूरों के बीच एक ऐसी कड़ी होनी चाहिए जो दोनों के हितों की रक्षा कर सके। तभी राष्ट्र का भला हो सकता है और आतथक रूप से कमजोर मजदूरों को, मिल मालिकों का आश्रय मिलता रहेगा। इसमें नैतिकता का सवाल भी सर्व प्रमुख था। हम देखते हैं कि पूंजी और श्रम दो अलग-अलग धाराएं हैं जबकि इन दोनों में चाहे-अनचाहे अन्योन्याश्रित संबंध है।

आज पूंजी सर्वोपरि है; और श्रम पूजी के अधीन है। इस स्थिति को ठीक से समझने और विश्लेषण करने की जरूरत है। बेहतर समाज का निर्माण तभी हो सकता है; जब इन दोनों में संतुलन होगा। बहुत कम उद्योग संस्थान अपने मजदूरों और कामगारों के प्रति उदार भाव रखते हैं जबकि ज्यादातर संस्थानों की स्थिति इसके उलट है। वे श्रमिकों को पूंजी बनाने का जरिया मात्र समझते हैं। इस स्थिति ने समाज में भेद पैदा कर दिया है; और करती रहेगी। दुर्भाग्य से इसका एक उदाहरण हम पिछले वर्ष से देख रहे हैं। मजदूरों का पलायन आज से नहीं; बल्कि आजादी के पूर्व होता रहा है। पलायन एक बड़ी समस्या तो है ही इसके साथ-साथ रोजगार की तलाश में गए मजदूरों के हित की चिंता भी सर्व विचारणीय है। कोविड-19 के इस दौर में हमने यह देखा कि मजदूर वर्ग अपने रोजी-रोजगार को छोड़कर अपने-अपने घर की तरफ दौड़ पड़े। यह कारुणिक दृश्य ह्रदयविदारक था। मालिकों की जिम्मेदारी बनती थी कि वे अपने श्रमिकों को अपना अंग समझते। जरूरी था कि वे उनके हितों की रक्षा करते पर ऐसा किसी ने नहीं किया। यह दुखद परिस्थिति है। समाज के आतथक प्रगति में अपने श्रम द्वारा योगदान देने वाले श्रमिकों को हाशिए पर कर दिया गया है। औद्योगिक संस्थानों का यह नैतिक कर्त्तव्य होना चाहिए कि अपने श्रमिकों और मजदूरों को अपनी पूंजी का हिस्सा मान लें जिसे कभी अलग नहीं किया जा सकता। इस कर्त्तव्यबोध को मजदूर दिवस याद दिलाता रहेगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

सागर: वार्ड बॉय ने कोरोना पीड़ित युवती से की छेड़छाड़ ,कलेक्टर सख्त

सागर। जिले के कलेक्टर दीपक सिंह ने बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में कोरोना उपचाररत मुंबई से सागर अपने रिश्तेदार के घर आयी एक युवती के साथ हुई छेड़छाड़ की घटना को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए संभागायुक्त और बीएमसी के अध्यक्ष मुकेश शुक्ला को पत्र लिख कर बीएमसी के वार्ड बाय के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। जिला कलेक्टर ने पत्र लिख कर कहा है कि बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में कोरोना का इलाज ले रही एक युवती द्वारा प्रस्तुत आवेदन में उल्लेखित है कि बीएमसी के वार्ड बॉय दीपक बसोर बैन द्वारा उसके साथ छेड़खानी की गई है। पत्र में बताया गया कि वार्ड बॉय का यह कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम 1965 के तहत शासकीय सेवक के कर्तव्यों के विरुद्ध होकर दण्डनीय है। अत: इस वार्ड बॉय के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किया जाना आवश्यक हैं। इसके लिए कलेक्टर ने संभागायुक्त को पत्र लिखा है।

गुना: नकली पुलिस बनकर युवक को लूटा, कोर्ट परिसर से चुराए दस पाइप

गुना। जिले में कोरोना कर्फ्यू के दौरान लूट और चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। शनिवार की रात सिरसी थानांतर्गत ग्राम तारापुर के निकट एक युवक के नकली पुलिस बनकर एक युवक से मोबाइल और रुपए लूटने की घटना को अंजाम दे दिया। वहीं दूसरी ओर कैंट थानांतर्गत न्यायालय परिसर से एसी के दस पाइप चोरी हो गए। चोरी की ह घटना उस जगह हुई है जहां पुलिस हनुमान चौराहे पर न्यायालय परिसर के आगे स्टॉल लगाकर दो पहिया वाहन चालकों के चालान काटती है। हनुमान चौराहा से लगा न्यायालय परिसर पुलिस की बेरीकेट्स से घिरा हुआ है। वहीं कैंट थानांतर्गत ही ग्राम उमरिया से एक बाइक चोरी हो गई। जानकारी के अनुसार जिले के सिरसी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तारापुर के पास डुमेला सड़क के किनारे रात 11 बजे फरियादी अपने खेत पर जा रहा था। तभी एक व्यक्ति जो पुलिस की ड्रेस पहने हुए था फरियादी के पास आकर बोला मास्क क्यों नहीं लगाया। इसी बात पर आरोपी नकली पुलिस वाले ने फरियादी का एक मोबाइल और जेब में रखे पर्स सहित नगदी लूटकर ले गया। पुलिस ने केस दर्ज किया है।

मंदसौर: सिलेंडर में ऑक्सीजन भरते समय नली फटी, कर्मचारी घायल

मंदसौर। रविवार को सुबह लगभग 11 बजे मंदसौर के जिला चिकित्सालय में एक बड़ा हादसा घटित होने से पहले ही टल गया। जिला चिकित्सालय के बाएं और ऑक्सीजन व्यवस्था रूम बना रखा है जिसमें सिलेंडर की गैस नली फट जाने से एक कर्मचारी को चोंटे आई है। हालांकि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ और बाकी सभी सिलेंडर सुरक्षित बच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतिदिन की तरह ऑक्सीजन सप्लाई टीम के सदस्य बड़े ऑक्सीजन गैस सिलेंडर से छोटे गैस सिलेंडर भर रहे थे कि अचानक से एक सिलेंडर की गैस नली फट गई जिससे गैस भर रहा कर्मचारी घायल हो गया जिसका उपचार जारी है। हादसे के बाद मौके पर एसडीएम बिहारी सिंह और सिटी थाना प्रभारी अमित सोनी भी पहुंच गए थे। बाद में सुरक्षा मापदण्डों को देखने के लिए पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी भी पहुंचे थे।

बैतूल: धोखाधड़ी के मामले में प्रापर्टी डीलरों पर प्रकरण दर्ज

बैतूल। बैतूल जिला मुख्यालय के गंज थाना में एक सीआरपीएफ जवान के साथ प्लाट खरीदने में धोखाधड़ी करने पर दो प्रापर्टी डीलर और एक एजेंट के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि केन्द्रीय रिर्जव पुलिस बल (सीआरपीएफ) जवान राजेश उइके निवासी चिखली आमढ़ाना ने पुलिस अधीक्षक सिमाला प्रसाद को हाल ही में एक शिकायती आवेदन दिया था। इसमें उल्लेख था कि नगर के भुजलिया घाट में मनीष कोठारी का प्लाट खरीदने के लिए प्रापर्टी एजेंट देवेन्द्र देशमुख ने प्रापर्टी डीलर अमित रांका निवासी सिविल लाइन बैतूल से मिलाया था। आरोपियों ने 19 दिसंबर 2019 को प्लाट का सौदा कर उसे एक लाख 95 हजार ले लिए और बाद में प्रापर्टी डीलर अमित रांका एवं अन्य आरोपी प्लाट की रजिस्ट्री कराने से मुकर गए। इस मामले में जांच के बाद गंज पुलिस ने प्रापर्टी डीलर अमित,मनीष और एजेंट देवेन्द्र के खिलाफ विभिन्न धाराओं में कल प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी देवेन्द्र को गिरफ्तार कर शेष दो आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सिवनी मालवा: नर्मदा नदी में अंतिम संस्कार किए जाने पर लगाई रोक

सिवनी मालवा। ग्राम पंचायत बाबरी के ग्रामीणों ने नर्मदा नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए नर्मदा नदी में अंतिम संसकार नहीं करने का निर्णय लिया है। अब किसी का भी अंतिम संस्कार नर्मदा घाट बाबरी मैं नहीं करने दिया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि हर गांव मे पंचायत के द्वारा मुक्तिधाम बनाए गए हैं। वर्तमान में कोरोना संक्रमण के चलते लोग अंतिम संस्कार करने तो आते है लेकिन वहां सामग्री छोड़ जाते हैं। हमारे द्वारा नर्मदा नदी की और जाने वाले रास्तों को बंद कर दिया गया है। जिससे कि कोई भी नर्मदा नदी तक न पहुँचेए हमारा सभी से आग्रह है कि वे अपने परिजनों का अंतिम संस्कार करने ग्राम बाबरी न आये। वही हमारा सरकार से निवेदन है कि यदि नर्मदा माँ को जीवित माना है तो नर्मदा नदी मैं किए जाने वाले अंतिम संस्कार पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाए। जिससे कि नर्मदा नदी स्वस्छ और निर्मल बनी रहे।

रायपुर: छग 45 वर्ष से अधिक आयु वालों के टीकाकरण में चौथे स्थान पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ 45 वर्ष से अधिक आयु वालों के टीकाकरण में देश में चौथे स्थान पर हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का हवाला देते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने रविवार को बताया कि स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के टीकाकरण के मामले में छत्तीसगढ़ देश में दूसरे स्थान पर है। वहीं 45 साल से अधिक आयु के लोगों को कोविड-19 वैक्सीन के प्रथम डोज देने में छत्तीसगढ़ पूरे देश में चौथे नंबर पर है। इसी तरह अग्रिम पंक्ति कार्यकर्ताओं के टीकाकरण के मामले में छत्तीसगढ़ देश में छठवें नंबर पर है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार गत 30 अप्रैल तक राज्य में 3 लाख (88 प्रतिशत) स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रथम डोज तथा 2.09 लाख (62 प्रतिशत) स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को द्वितीय डोज दी गई। इसी तरह 2.76 लाख (94 प्रतिशत) अग्रिम पंक्ति कार्यकर्ता को प्रथम डोज तथा 1.65 लाख (56 प्रतिशत) अग्रिम पंक्ति कार्यकर्ता को द्वितीय डोज दी गई। कोविड टीकाकरण के तहत 45 वर्ष से अधिक 42.76 लाख (73 प्रतिशत) नागरिकों को प्रथम डोज एवं 3.43 लाख (6 प्रतिशत) लोगों को द्वितीय डोज दी गई।

श्योपुर में ढ़ाई घंटे ऑक्सीजन नहीं मिलने से तीन मरीजों ने तोड़ा दम

श्योपुर, (एजेंसी)। रविवार को जिला अस्पताल में ऑक्सीजन खत्म होने से तीन गंभीर मरीजों ने दम तोड़ दिया। अन्य मरीजों की हालत भी बिगड़ गई। करीब ढाई घंटे बाद जिला अस्पताल में ऑक्सीजन का इंतजाम हो सका। अस्पताल प्रबंधन आक्सीजन की कमी से किसी की भी मौत होने से इनकार कर रहा है।

रविवार को दोपहर करीब डेढ़ बजे जिला अस्पताल में अचानक से ऑक्सीजन की कमी आ गई। इस वजह से वहां भर्ती मरीजों की सांसें अटक गई और एक के बाद एक तीन मरीजों ने दम तोड़ दिया। इस दौरान कई अन्य मरीज भी बेहाल हो उठे, उनकी सांसें भी उखड़ने लगीं। अस्पताल के डॉक्टरों व अन्य स्टॉफ ने ऑक्सीजन कंसंट्रेटर से ऑक्सीजन दी। करीब ढाई घंटे तक अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। इसके बाद ऑक्सीजन की गाड़ी भरे हुए ऑक्सीजन के सिलिंडर लेकर अस्पताल में पहुंच गई, तब जाकर मरीजों की जान में जान आई। जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें श्योपुर निवासी सतेंद्र राठौड़, कांतीदेवी गर्ग और जावेद खान का नाम शामिल है। रन्नौद गांव की महिला और एक ग्रामीण की मौत भी ऑक्सीजन की कमी होने की वजह से होने की बात कही जा रही है। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. आरबी गोयल ने कहा कि रविवार को कोरोना संक्रमित तीन मरीजों की मौत हुई है। ऑक्सीजन खत्म होने जैसी कोई बात नहीं है। ऑक्सीजन चल रही है, हमारे पास जितनी ऑक्सीजन उपलब्ध है उसके अनुसार व्यवस्था बना रहे हैं।

राहत... छह दिनों से जारी है सक्रिय केसों में गिरावट

प्रदेश में 12,662 मरीज मिले, 13890 हुए स्वस्थ, रिकवरी रेट 120 प्रतिशत पहुंचा

भोपाल, (एजेंसी)। प्रदेश में जिस गति से संक्रमण बढ़ रहा था उसमें कुछ कमी आई है। हलाकि चिंताजनक आकड़े अभी भी आ रहे है। लेकिन राहत यह है कि संक्रमण दर लगातार घट रही है वही रिकवरी रेट बढ़ रही है।

रविवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक प्रदेश में शनिवार को 60 हजार सैंपल की जांच में 12,662 मरीज मिले हैं। वहीं विभिन्न अस्पतालों व घरों से 13890 लोग कोरोना से जंग जीत गए है। सक्रिय मरीजों की संख्या 87 हजार 189 है। शुक्रवार को 88,511 सक्रिय मरीज थे। नए मरीजों की संख्या के मुकाबले स्वस्थ होने वाले मरीज ज्यादा हैं। इस वजह से सक्रिय मरीजों की संख्या छह दिन से लगातार कम हो रही है। 94 मरीजों की मौत विभिन्न जिलों में हुई है, जबकि 13890 मरीज स्वस्थ हुए हैं। शनिवार को संक्रमण दर लगभग 21 फीसदी रही।

सात हजार कम हुए मरीज

प्रदेश में सक्रिय मरीजों की संख्या 26 अप्रैल को 94276 थी। इसमें लगातार कमी आ रही है। छह दिन में सात हजार से ज्यादा मरीज कम हुए हैं। हालांकि जिस तेजी से सक्रिय मरीज बढ़े थे उस लिहाज से गिरावट नहीं आ रही है। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार मौतों का आंकड़ा भी 100 के ऊपर पहुंच रहा है। हालांकि इससे कई गुना ज्यादा मौतें कोरोना से हो रही हैं।

इनका कहना है...

अभी तक की ट्रेंड के आधार पर यह कहा जा सकता है कि मरीजों की संख्या कम होगी,लेकिन यह भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है जिस तेजी से मरीज बढ़े थे उसी लिहाज से कम होंगे। मरीज कम होने के बाद भी मौतें कम नहीं होने की वजह यह है कि पहले से गंभीर मरीज भर्ती हैं। अभी जो मरीज कम हो रहे हैं उसका असर करीब 10 दिन बाद दिखाई देगा।

डॉ. लोकेंद्र दवे, एचओडी, पलमोनरी मेडिसिन, जीएमसी भोपाल

नौ माह की बच्ची ने कोरोना से जंग जीती

मंडला। जिले बीजाडांडी परियोजना के अंतर्गत ग्राम बरगा की 9 माह की बच्ची ने कोरोना से यह जंग जीती है। मासूम की मां जो कि होम आइसोलेशन में थी, के साथ बच्ची भी रह रही थी। 14 अप्रैल को मासूम की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद घरवालों एवं बच्चे की मां को महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित रूप से स्तनपान, दवाइयां, पोषण आहार एवं अन्य जरूरी सलाह प्रदान की जाती रही। बच्ची अब पूर्णत: स्वस्थ है।

सतना और रीवा में प्राणवायु की जमाखोरी और मुनाफाखोरी पर ताबड़तोड़ कार्रवाई

कंपनी के प्रोपराइटर ने 25 हजार में सिलेंडर एवं सात हजार में बेची किट

571 जंबो व 90 छोटे ऑक्सीजन सिलेंडर जब्त

सतना (एजेंसी)।

शहर में प्राणवायु ऑक्सीजन की कालाबाजारी की सूचना पर कलेक्टर अजय कटेसरिया, पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, आयुक्त नगर निगम तन्वी हुड्डा ने पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के साथ रविवार को बस स्टैंड के समीप विंध्या इंजीनियरिंग में छापामार कार्रवाई की। इस दौरान मौके पर 571 जम्बो आक्सीजन सिलेंडर और 90 छोटे सिलेंडर मिले है।

रविवार को कलेक्टर अजय कटेसरिया को गुप्त सूचना मिली कि विंध्या इंजीनियरिंग कंपनी के प्रोपराइटर राजीव कुमार जैन द्वारा सूचनादाता को 25 हजार रुपए में ऑक्सीजन सिलेंडर एवं 7 हजार रुपए में सिलिंडर की किट बेची गई है। लेकिन यह कह कर डिलीवरी नहीं दी जा रही कि प्रशासन सख्त निगरानी कर रहा है। सूचना पर कलेक्टर ने महाप्रबंधक उद्योग आरके सिंह से अनुसंधान कराया और कलेक्टर श्री कटेसरिया एवं एसपी धर्मवीर सिंह यादव ने एक संयुक्त टीम को छापामारी करने भेजा।

जब्त सिलेंडर का कर लिया गया अधिग्रहण

एसडीएम राजेश शाही, सीएसपी विजय प्रताप सिंह एवं कोलगवां थाना प्रभारी देवेंद्र प्रताप सिंह की संयुक्त टीम द्वारा छापामार कार्यवाही की गई। जिसमें 571 ऑक्सीजन जम्बो सिलेंडर एवं 90 छोटे सिलेण्डर जब्त किए गए। कलेक्टर श्री कटेसरिया ने बताया कि जब्त सिलेंडर का अधिग्रहण कर लिया गया है और यह मेडिकल प्रयोजन हेतु जिला अस्पताल एवं अन्य अस्पतालों को आवंटित किए जा रहे हैं। फर्म के विरुद्ध आपराधिक कार्यवाही की जा रही है।

विंध्या इंजीनियरिंग और त्रिवेणी ऑक्सीजन कंपनी को किया सील, 135 सिलेंडर बरामद

रीवा। सिलेण्डर की कालाबाजरी के बाद रीवा में भी कलेक्टर इलैयाराजा टी. के निर्देशन में एसपी राकेश कुमार सिंह ने डीएसपी यातायात मनोज वर्मा सहित अन्य पुलिस अधिकारियों के दलबल का गठन करके शहर के जय स्तंभ के पास स्थिति विंध्य इंजीनियरिंग कंपनी में शासन एवं प्रशासन ने दबिश दी। यहां अधिकारियों ने जांच में पाया कि यहां पर 70 सिलेण्डर आक्सीजन के भरे हुए मिले है तथा अन्य खाली मिले है। वहीं त्रिवेणी आक्सीजन कंपनी में भी दबिश दी गई जहां पर 22-23 अक्सीजन सिलेण्डर मिलने की जानकारी मिली है।

जानकारी के मुताबिक शहर के जयस्तंभ में संचालित विंध्य इंजीनियरिंग वर्कस एंव गुरुगोविंद काम्पलेक्स स्थित त्रिवेणी ऑक्सीजन दुकान में प्रशासन और पुलिस ही टीम पहुच कर जांच की है। जानकारी के मुताबिक शहर के दो ऑक्सीजन प्रतिष्ठनों से प्रशासन की टीम ने जांच के दौरान लगभग 135 ऑक्सीजन से भरे हुये सिलेंडर जब्त करके दो दुकानों को सील कर दिया है। सतना के बाद रीवा में ऑक्सीजन सिलेंडर को लेकर प्रशासन ने सूचना पर जिला कलेक्टर डॉक्टर इलैया राजा टी के निर्देशानुसार प्रशासन एवं पुलिस टीम की जय स्तंब स्थित विंध्या इंजीनियरिंग कंपनी में दी दबिश करीब एक सैकड़ा सिलेंडर जिसमें से करीब 70 ऑक्सीजन भरे हुए एवं बाकी अन्य खाली सिलेंडर हुए बरामद किया गया है।

बताया गया है कि सतना में भारी मात्रा में पकड़े गए ऑक्सीजन सिलेंडर के बाद रीवा के विंध्या इंजीनियरिंग मैप पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने दबिश दी है। बताया जाता है कि पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह ने यातायात थाने पहुंचकर टीम गठित की है जिसके बाद विंध्या इंजीनियरिंग सहित कई स्थानों पर ऑक्सीजन गैस सिलेंडर की तलाश शुरू कर दी गई है कलेक्टर इलैयाराजा टी ने कार्यवाही के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों में तहसीलदार नायब तहसीलदार एसडीएम सहित पुलिस विभाग का अमला शामिल है विंध्या इंजीनियरिंग कंपनी रीवा जय स्तंभ ने उस कठिन दौर में 100 से अधिक सिलेंडर दबा रखे थे जब इन सिलेंडरों की तलाश चल रही थी, । इतने सिलेंडरों में जिले के पीएचसी सीएचसी का काम चल सकता है।

25 हजार रुपए के लिए नहीं दिया शव, परिजनों का हंगामा

इंदौर के जीके हॉस्पिटल में मरीज की मौत के बाद डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

इंदौर, (एजेंसी)। रविवार सुबह को पलासिया स्थित ग ग्रेटर कैलाश (जीके) अस्पताल में जमकर हंगामा हो गया। एक 50 वर्षीय महिला की मौत के बाद परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया।

मृतका के पुत्र अमित पाल ने बताया कि मेरी मां हेमलता पाल निवासी चितावद, नवलखा को 19 अप्रैल को कोविड पॉजिटिव होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मां को लगभग 80 प्रतिशत फेफड़े में संक्रमण था, लेकिन टोसीलीज़ुमब इंजेक्शन देने के बाद उसकी स्थिति में सुधार होने लगा था। उपचार के दौरान महिला की हालत में सुधार होने लगा, उसकी रिपोर्ट भी नेगेटिव आ गई थी। अमित ने बताया कि उनकी मां ने उन्हें खराब प्रबंधन और कर्मचारियों के दुर्व्यवहार के बारे में हमें जानकारी दी थी। अमित ने बताया कि मेरी मां शनिवार शाम तक सामान्य रूप से बात कर रही थी, लेकिन अस्पताल के कर्मचारियों ने हमें बताया किरात दिल का दौरा पड़ने से उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने उसे कुछ इंजेक्शन दिए जिसके बाद उसकी मौत हो गई। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अस्पताल में 4 लाख रुपये जमा करवाए थे, लेकिन वे 25 हजार और जमा करने के लिए कहा, इस पर इनकार करने पर शव को बंधा बना लिया गया था। परिवार के हंगामा मचाने के बाद अस्पताल प्रशासन ने भी पुलिस को बुला लिया।

बीएमओ से मरीज के परिजनों ने की मारपीट, एक आरोपी गिरफ्तार

सागर। जैसीनगर थाना अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ जेएस धाकड़ से शनिवार रात मारपीट की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार बिछुआ गांव निवासी एक महिला को उसके परिजन इलाज के लिए जैसीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य लाये थे, लेकिन इलाज में देरी होने से परिजन बिफर पड़े और अस्पताल परिसर स्थित आवासीय क्वार्टर में रहने वाले बीएमओ डॉ जेएस धाकड़ के यहां पहुंचे और डॉक्टर से मारपीट कर दी। इस घटना में डॉक्टर को पैर में चोट आई है।

घटना की सूचना लगते ही तुरंत जैसीनगर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक आरोपी भाग चुके थे। वहीं डॉ जेएस धाकड़ का कहना है कि उन्होंने पहले ही महिला मरीज का इलाज कर दिया था जिसके बाद वह अपने अस्पताल परिसर में स्थित क्वार्टर पर आ गए थे, लेकिन तीन लोग आये और मारपीट करने लगे, वह अपने आप को मंत्री गोविंद सिंह राजपूत का ड्रायवर बता रहा था। वहीं जैसीनगर पुलिस ने बिछुआ गांव के रहने वाले रमाकांत पाठक और दो अन्य अज्ञात आरोपियों पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। कार्यवाही की मांग को लेकर जैसीनगर के निजी क्लीनिक के डॉक्टर अपनी-अपनी क्लीनिक बंद हड़ताल पर चले गए हैं।

चालान काटने गए सीएमओ को फल विक्रेता ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

रायसेन, (एजेंसी)। सिलवानी में ठेले पर फल बेच रहे दुकानदार का चालान काटने गए सीएमओ और नपा कर्मचारियों को भारी पड़ गया। फल विक्रेता सलीम उद्दीन ने सबको दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। उसने सीएमओ को थप्पड़ मारे।

सीएमओ राजेन्द्र शर्मा अपनी टीम के साथ शनिवार को नगर में कोविड नियमों का पालन कराने निकले थे। इसी बीच करीब 3 बजे सियरमउ रोड पर सलीम उद्दीन ठेला लगाकर फल बेच रहा था। वह खुद भी मास्क नहीं पहने हुए था। फल खरीदने के लिए भीड़ उमड़ी थी। सीएमओ ने चालान के लिए कहा। उसने चालान पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। इसके बाद अमला हाथ ठेला नगर परिषद ले जाने लगे। ठेले से फल नीचे गिरा दिया। इससे गुस्साए सलीम ने हमला कर दिया। उसने सीएमओ को पीटा। इसके बाद उसने नगर परिषद के सदस्यों रीतेश परचे, संजीव कलोसिया, सुरेन्द्र सियोते से मारपीट कर दी।

उज्जैन में महिला एसआई से तीन युवकों ने की छेड़छाड़

उज्जैन। विक्रमनगर रेलवे स्टेशन के समीप शुक्रवार रात को एक महिला एसआइ के साथ तीन युवकों ने छेड़छाड़ कर मारपीट कर दी। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर भी वायरल हो गया। मामले में माधवनगर पुलिस ने तीन आरोपितों के खिलाफ छेड़छाड़ व मारपीट का केस दर्ज किया है।

उज्जैन के विक्रमनगर निवासी एसआई मनीष लोधा ने बताया कि इंदौर जिले के एक थाने में तबीयत खराब होने पर उसने अपने थाने में पदस्थ एक आरक्षक से दवा मंगवाई थी। एसआई दवा लेकर बात कर रही थी उसी दौरान एक दोपहिया वाहन पर तीन युवकों ने महिला एसआई को देखकर अश्लील कमेंट किए। इस पर महिला एसआइ व आरक्षक ने तीनों को रोका तो युवकों ने मारपीट कर दी।

कई जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश, पेड़ हुए धराशाही

सीहोर/आष्टा, (एजेंसी)। रविवार के दिन दोपहर ढलते ही तेज आंधी तूफान के साथ जमकर बारिश भी हुई। तूफान इस कदर था कि पुलिस द्वारा बेरीकेड भी गिरा दिए। यहां तक कि लोगो की गुमठियां धाराशाही हो गई। वही चद्दरे भी पतंग की तरह उड़ने लगी। नगर सहित कई पेड़ धाराशाही हो गए। सबसे अधिक नुकसान आम के फ्ल को हुआ जो तुफान के कारण फ्ल जमीन पर गिर गया। लगभग एक घंटे तक हुई आंधी तूफान के साथ बारिश ने नगर सहित क्षेत्र को तहस नहस कर दिया। इस एक घंटे की बारिश ने जगह जगह बारिश का पानी भरा गया। वही नगर सहित क्षेत्र मे ठंडक घुल गई।

बेमौसम बूदांबांदी से खरीद केन्द्र पर रखा गेहूं भींगा

बिलौआ। बेमौसम हुई बारिश के कारण खरीद केन्द्रों पर खुले में रखा गेहूं भींग गया। जानकारी के अनुसार रानी लक्ष्मीबाई स्व सहायता समूह मकोड़ा के द्वारा बिलौआ उपमंडी परिसर में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की जा रही हैहालांकि केन्द्र प्रभारियों ने बूंदाबादी से बचाव के लिए गेंहू के कट्टों पर तिरपाल डालकर गेंहू को बूंदाबांदी से बचाया।

छतरपुर: बिजली की चपेट में आने से युवक की मौत

छतरपुर। गोयरा थाना अंतर्गत आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गोयरा थाना के ग्राम रामपुरघाट निवासी बालकदास पिता सियाराम केवट (40) रविवार की सुबह 6 बजे अपने घर से केन नदी नहाने गया था तभी करीब 7 बजे आकाशीय बिजली की चपेट में बालकदास आ गया जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

बरेली में गिरे ओले : रविवार शाम लगभग 2-3 बजे से तेज आंधी के साथ लगभग एक घंटे तक बारिश और बीच में रूक रूक कर ओले भी गिरते रहे। आंधी इतनी तेज थी कि छप्पड, कबेलू, दुकानों के सामने लगे बोर्ड उड़ गए।

75 किलो डोडाचूरा,300 ग्राम अफीम के साथ दो गिरफ्तार

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई

नीमच, (एजेंसी)। जिले की तहसील सिंगोली के सिंगोली तिलस्वा रोड पर शनिवार रात नारकोटिक्स टीम ने एक ट्रक की चैकिंग के दौरान रखी रूई की गठानों के बीच डोडा चूरा से भरी दो बोरियों और ट्रक के डीजल टैंक से तीन सौ ग्राम अफीम जब्त की गई।

जानकारी के अनुसार नीमच की नारकोटिक्स की टीम के आदित्य रंजन, अधीक्षक को मुखबिर से सूचना पर पंजाब के एक ट्रक पीबी13,बीबी6889 सिंगोली तिलस्वा रोड पर रोका गया। ट्रक में बैठे हरप्रीत पिता पालासिंह, निवासी ग्राम-कांजला, जिला संगरूर पंजाव व रिखी सिंह पिता जग्गा सिंह, निवासी ग्राम-सारोन, जिला संगरूर पंजाब की ट्रक की खोजबीन में मिले 2 कट्टों में डोडा चूरा व अफीम मिला जिसमें डोडाचुरा की मात्रा 75 किलोग्राम और अफीम की मात्रा 300 ग्राम थी। जिसके बाद ट्रक को भी जब्त कर लिया गया।

पलटी पिकअप उठाने पहुंची पुलिस को मिला पांच लाख का डोडाचूरा

रतलाम। शनिवार की रात बायपास पर एक वाहन पलटा और सूचना पर मदद के लिए पुलिस पहुंची तो पता चला कि वाहन में डोडाचुरा भरा है। पुलिस ने वाहन व एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार महू नीमच फोरलेन पर मांगरोल फंटे के समीप रात करीब 9 बजे एक पिकअप वाहन पलटने की सूचना पुलिस को मिली। सालाखेड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और पलटे वाहन क्रमांक जीजे 08 एयु 0261 को देखा तो उसमें डोडाचुरा भरा था। पिकप चालक ने अपना नाम सोहनलाल पिता खेराजराम विश्नोई निवासी गांव हनवंतपुरा तहसील चिमलवाना जिला जालोर राजस्थान बताया। पुलिस ने डोडाचुरा का वजन कराया तो यह वजन 2 क्विंटल 74 किलोग्राम निकला। पुलिस ने डोडाचुरा की कीमत 5 लाख 50 हजार रुपए बतायी है। पुलिस ने एनडीपीएस एक ट में प्रकरण दर्ज किया है।

अच्छी पहल गेट से घाट तक स्ट्रेचर पर पहुंचेगा शव, निगम ने 5 स्ट्रेचर व 10 कर्मी किए तैनात

अब नहीं हो सकेगी शवों की बेकद्री

ग्वालियर (एजेंसी)।

शहर के लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम में अब शवों की बेकद्री नहीं होगी। बल्कि बेहद ही सहूलियत के साथ अस्पताल के गेट से घाट तक शवों को पहुंचाने के लिए निगम ने पांच स्ट्रेचर मुक्तिधाम में रखवा दिए गए हैं। वहीं इनके संचालन के लिए दस कर्मचारियों की अलग से यहां नियुक्ति कर दी गई है, जो 24 घंटे यहां तैनात रहेंगे। किसी भी शव के एंबुलेंस या फिर अन्य गाड़ी से यहां पहुंचने पर तुरंत स्ट्रेचर लेकर गेट पर पहुंचेंगे और शव को भीतर लाएंगे।

कोरोना संक्रमण के बढ़ते ही शहर के मुक्तिधामों में अचानक ही शव पहुंचने की संख्या में जबरदस्त इजाफा हो गया है, वहीं इसका सबसे अधिक दवाब लश्कर के लक्ष्मगंज में बने श्मशान पर पड़ रहा था। बता दें कि यहां लोग एंबुलेंस से शव लेकर पहुंच तो जाते हैं, लेकिन उन्हें गेट पर ही उतार देते हैं। इसके बाद मृतक के परिजनों को शव को मुक्तिधाम के भीतर तक ले जाना बेहद मुश्किल हो जाता था। क्योंकि कोरोना से मौत के बाद अधिकांश शव बिना अंतिम संस्कार की तैयारी के सीधे ही मुक्तिधाम पहुंच रहे हैं। कई शव तो ऐसे आ रहे हैं, जिनके साथ एक या दो लोग होते हैं और किसी के साथ कोई भी नहीं। ऐसे में शवों की बेकद्री हो जाती थी। इन्हें भीतर ले जाने के लिए यहां कार्यरत कर्मचारियों को बेहद दिक्कत आती थी।

इस समय यहां परंपरागत दाह संस्कार के लिए चबूतरों के अलावा एक गैस प्लांट, विद्युत शवदाह गृह है, जबकि दूसरा गैस प्लांट दस मई तक तैयार हो जाएगा। निगमायुक्त का कहना है कि जल्द ही यहां पांच स्ट्रेचर की व्यवस्था और की जाएगी।

अंतिम संस्कार करने के लिए नहीं होगी परेशानी

निगमायुक्त शिवम वर्मा के सामने जब इस तरह के मामले आए तो फिर उन्होंने आम लोगों की परेशानी के साथ ही निगम कर्मचारियों को भी अतिरिक्त परेशानी से बचाने के लिए यह नई व्यवस्था लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम में शुरू करने के निर्देश दिए। अब किसी भी व्यक्ति को परेशान नहीं होना होगा। जैसे ही शव पहुंचने की सूचना मिलेगी वैसे ही कर्मचारी खाली स्ट्रेचर को लेकर गेट पर पहुंचेगा और शव वाहिका से शव को उतरवाने से लेकर उसे स्ट्रेचर पर रखने और भीतर जहां उसका अंतिम संस्कार होना है, वहां तक ले जाने का काम करेंगे। इससे शवों के दाह संस्कार में भी सहूलियत रहेगी।

तीन थानों की पुलिस ने संभाला मोर्चा

चिरायु अस्पताल पर कोरोना संक्रमण के इलाज में लापरवाही का आरोप, देर रात हुआ हंगामा

परिजनों का आरोप इलाज में लापरवाही कर रहा है अस्पताल प्रबंधन

भोपाल/संत हिरदाराम नगर (एजेंसी)। भोपाल इंदौर मार्ग पर स्थिति चिरायु अस्पताल को कोरोना संक्रमण के इलाज का केन्द्र बनाया गया है। इस केन्द्र में पिछले कई दिनों से अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा लापवाही की शिकायतें मिल रही थीं। रविवार रात को यहीं पर इलाज करवा रहे मरीजों के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भैसा खेड़ी में बनाए गए इस अस्पताल में रविवार रात को अचानक तीन थाना की पुलिस को सूचना दी गई कि अस्पताल परिसर में कुछ लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया है। पुलिस जब यहां पहुंची तो उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों से बात की। यहां पर मौजूद सिद्धार्थ अग्रवाल ने राज एक्सप्रेस से फोन पर चर्चा कर बताया कि वे अपने पिता का 26 अप्रैल से इलाज अस्पताल में करवा रहे हैं। उनके पिता सुरेश अग्रवाल उम्र 60 साल है ने बताया कि उनके पिता का जो इलाज किया जा रहा है, उसमें लापरवाही अस्पताल के चिकित्सक कर रहे हैं। जब हमने उनसे ऐसा करने को मना किया तो उल्टा हमें उन्होंने मारा।

सिद्धार्थ ने बताया कि जैसे तैसे करके हम कुछ लोग वहां से अपनी जान बचाकर भागे और बैरागढ़ में एक सुरक्षित स्थान पर आकर छुपे है। सिद्धार्थ ने अस्पताल प्रबधन पर इलाज में लापवाही और मारने पीटने के आरोप लगाए है।

इधर हंगामें की सूचना खजूरी थाने को मिलते ही फोर्स अस्पताल पहुंच गया इसके साथ ही कोहिफिजा और बैरागढ़ थाने से भी स्टॉफ वहां पहुंचा। जानकारी के अनुसार देर रात तक यह हंगामा होता रहा।

कोरोना को हराने वाली मीरा ने सुनाई अपनी जीत की कहानी

भोपाल। कोरोना काल के इस कठिन समय में लोगों का बेहतर चिकित्सा के लिए शासकीय हमीदिया चिकित्सालय पर विशेष भरोसा है यह कहना है मीरा पवार का। उनका कहना है कि कोविड के इलाज के दौरान हमीदिया अस्पताल मैं मैंने चिकित्सकों एवं स्टाफ कर्मियों द्वारा की जा रही मानव सेवा का अनुभव किया जो कि वाकई सराहनीय है। मीरा पवार उम्र 42 वर्ष निवासी 111 बोगदा पुल भोपाल फेफड़ों में भारी संक्रमण की शिकायत के चलते गैस ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ हमीदिया अस्पताल पहुंची और वहां के चिकित्सकों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्तकाल उन्हें भर्ती कर लिया। उन्होंने बताया कि अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा उन्हें दवाईयां, रेमेडिसीवर इंजेक्शन के साथ ही पौष्टिक भोजन दिया गया। मीरा ने बताया कि यहां डॉक्टर और अन्य नर्सिंग स्टाफ निरन्तर पूर्ण निष्ठा और लगन से कार्य को अंजाम दे रहे हैं। इस समय मीरा पवार पूर्णतः स्वस्थ होकर घर पर आराम कर रही है। हमीदिया अस्पताल की नर्स सैयदा असगर अपने पति और परिवार के कोरोना पीड़ित होने के उपरान्त ड्यूटी से अधिक सेवा कर एक अनूठी मिसाल पेश कर चुकी है। उल्लेखनीय है कि शासकीय हमीदिया चिकित्सालय में स्वयं सेवी संस्था इफारमेशन एंड एक्शन द्वारा लगातार मरीजों की उनके परिजनों से वीडियो कॉलिंग के माध्यम से बातचीत कराई जा रही है। मरीजों के परिजनों द्वारा बातचीत के उपरांत संतोष व्यक्त किया गया।

संत नगर में ज्वैलर्स और समाज सेविका ने कोरोना की जंग हारी

पुजारियों ने कहा घरों में एक घंटा करें महामृत्युजय का जाप

संत हिरदाराम नगर (एजेंसी)। संत नगर में रविवार को संत नगर के ज्वैलर्स व्यापारी और भाजपा नेता की चाची एवं समाज सेविका की कोरोना से मौत हो गई। इन दोनों को संत नगर के चिरायु अस्पताल में पिछले कई दिनों से इलाज चल रहा था, लेकिन यह दोनों कोरोना की जंग में हार गए।

संत नगर के सराफा बाजार में सराफा व्यापारी नरेन्द्र आडवानी उर्फ नारी का निधन हो गया। श्री नारी कई दिनों से चिरायु में कोरोना से जंग लड़ रहे थे, लेकिन रविवार को वे यह जंग हार गए, उनकी मौत की खबर से संत नगर में शोक की लहर छाई हुई है। बेहद ही मिलन सार और हरफनमौला नारी हसमुख थे, कभी किसी के लिए वे भेदभाव नहीं रखते थे, सराफा एसोसिएशन में भी वे काफी समय से विभिन्न पदों पर सक्रिय रहे। इधर संत नगर के युवा नेता मनीष बागवानी की चाची जो पिछले कई दिनों से कोरोना का इलाज चिरायु अस्पताल में करवा रही थी, उनके मौत की सूचना से परिवार और संत नगर शोक छाया हुआ है। संत नगर निवासी रेखा बागवानी भी कोरोना से जंग में हार गई। उनके चले जाने से भी परिवार और संत नगर के लोगों में दुख काा महौल बना हुआ है। इस परिवार में हाल ही में दो से तीन मौते हुई हैं, कुछ दिन पहले ही बागवानी परिवार में भाजपा नेता के चाचा का निधन हो चुका है। संत नगर में रविवार को कोरोना से मरने वालों में नौ लोगों का अंतिम संस्कार विश्राम घाट में किया गया, यहां पर भी कई सामाजिक लोग अपनी सेवाएं दे रहे है।

घरों में करें महामृत्युजय का जाप

सिंधी महिला पंचायत संत हिरदाराम नगर की अध्यक्ष किरण वाधवानी ने कोरोना से हो रही मौतों को लेकर आमजन से अपील की है, उनका कहना है कि वैश्विक कोरोना महामारी जोरों से फैल चुकी है संत नगर के कई लोगों की मौतें कोरोना से हो रही है,इस बीमारी ने कई बहनों के सुहाग उजड़े हैं, कई माताओं के लाल छीने हैं यह बड़े ही दुख की बात है। सिंधी महिला पंचायत के सदस्यों ने संत नगर वासियों से निवेदन किया है कि घर में शाम को 6:00 से 7:00 के बीच में सरसों के तेल या शुद्ध घी के दीपक दो या 5 यथाशक्ति रोज जलाएं और भगवान शिव पार्वती के सामने महामृत्युंजय का जाप कम से कम एक बार रोज सुबह या शाम को अवश्य करें ताकि इस बीमारी से छुटकारा पाया जा सके। श्रीमती वाधवानी का कहना है कि कुछ महिला मेंबर पंडित नारायण शर्मा पाकिस्तानी से रूबरू मिले उनसे उपाय पूछा और उन्होंने ऐसा करने की सलाह दी सभी से निवेदन है।

कोविड सेंटर की सभी व्यवस्थाओं को शीघ्रता से पूर्ण करने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने निगम आयुक्त के साथ गोविंदपुरा कोविड केयर सेंटर का लिया जायजा

भोपाल। जिला कलेक्टर अविनाश लवानिया एवं निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए बनाए जा रहे कोविड केयर सेंटर में किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण कर जायजा लिया और कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री लवानिया ने बारिश को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से कर कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त एम.पी.सिंह, जिला प्रशासन एवं नगर निगम के अधिकारी मौजूद थे। जिला कलेक्टर श्री अविनाश लवानिया ने निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी के साथ रविवार को सांय गोविंदपुरा स्थित औद्योगिक क्षेत्र में कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए बनाए जा रहे 100 बिस्तरों वाले कोविड केयर सेंटर का निरीक्षण कर किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया। कलेक्टर श्री लवानिया ने बारिश को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से करने और संपूर्ण कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने गोविंदपुरा कोविड केयर सेंटर में मरीजों की सुविधा हेतु नगर निगम द्वारा महिला एवं पुरूषों के लिए पृथक-पृथक 10-10 टायलेट बनाने के कार्य का भी जायजा लिया और केयर सेंटर में पानी की पर्याप्त व्यवस्था और साफ-सफाई का भी जायजा लिया तथा अधिकारियों को व्यवस्थित ढंग से कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने तथा निरंतर बेहतर साफ-सफ ई व्यवस्था बनाए रखन के निर्देश दिए।

निशुल्क यूनानी स्वास्थ्य कैंप लगवाएंगे विधायक मसूद

भोपाल। कोरोना महामारी को देखते हुए विधायक आरिफ मसूद मध्य विधानसभा के प्रमुख चौराहों पर यूनानी स्वास्थ्य कैंप लगवाएंगे। इन कैंपों पर यूनानी डॉक्टर बैठेंगे और सर्दी बुखार खासी के लिए यूनानी दवाए और जड़ी बूटियों का जुशांनदा विधायक आरिफ मसूद की तरफसे निशुल्क मरीजों को दिया जाएगा। दोपहर 2 बजे जिंसी चौराहा पुलिस चौकी के सामने स्वास्थ्य केंद्र की शुरुआत विधायक आरिफ मसूद करेंगे। यह कैंप तीन स्थानों पर लगाए जाएंगे। बेंड मास्टर चौराहा, 12 नंबर मल्टी अंबेडकर भवन मल्टी और जिंसी चौराहे से शुरुआत की जाएगी।

स्टेशन परिसर की साफ सफाई व सैनिटाइजेशन का कार्य जारी

भोपाल । भोपाल मण्डल रेल प्रशासन कोरोना संक्रमण को लेकर स्टेशन परिसर की लगातार सफाई की जा रही है। रेलवे स्टेशन परिसर, कार्यालयों, रेलवे कालोनियों आदि को संक्रमण मुक्त रखने नियमित साफ सफाई और सैनिटाइज करने का क्रम जारी है। भोपाल स्टेशन स्टेशन के वेटिंग रूम, वेटिंग हॉल, रिटायरिंग रूम, बुकिंग कार्यालय, सभी प्लेटफ ॉर्मो सहित समूर्ण स्टेशन परिसर की साफ सफ ई के साथ सैनिटाइजेशन का काम नियमित रूप से कराया जा रहा है। कोरोना संक्रमण से बचने के लिए सावधानियों के साथ काम करने के लिए कॉउंसल किया जा रहा है, साथ ही हाथ धोने के लिए साबुन तथा सैनिटाइजर आदि जरूरी सामग्री भी वितरित की जा रही है।

वरिष्ठ पत्रकार नवीन मिश्रा को मातृशोक

भोपाल। रविवार को राजधानी के वरिष्ठ पत्रकार नवीन मिश्रा की माता जी मुन्नी देवी मिश्रा का निधन हो गया। वे 78 वर्ष की थीं। बीते कई दिनों से उनका इलाज शाहपुरा स्थित निज निवास पर ही चल रहा था। उनका अंतिम संस्कार रविवार शाम को कोलार, मुक्ति धाम में कर दिया गया है। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर समस्त पत्रकारों और मित्रों ने शोक व्यक्त किया।

रमजान के आखिरी अशरे की शब ए कद्र विशेष इबादत

भोपाल (एजेंसी)।

तीन अशरों भागों में बंटे रमजान माह के दो हिस्से पूरे होकर सोमवार से तीसरा भाग शुरू हो जाएगा। इस आखिरी अशरे में रमजान की ताक विशेष इबादत वाली रातें होंगी। इन रातों को शब ए कद्र कहा जाता है और इनकी इबादत को इस्लाम के मुताबिक खास मान्यता बताई गई है।

रमजान के आखिरी अशरे की कुछ रातों में से किसी एक में शब ए कद्र होने की बात कही गई है। इस माह की 21. 23, 25, 27 या 29 में से किसी एक रात में से इस खास रात के होने की उम्मीद जताई जाती है। इस रात की इबादत को खास मुकाम दिए जाने और इसकी निश्चित तारीख तय न होने के कारण मुस्लिम धर्मावलंबी इन सभी 5 पांच रातों में जागकर इबादत करते हैं जिस इस्लामी किताब कुरान के दिशा निर्देश के मुताबिक मुस्लिम समुदाय अपने क्रियाकलाप करता है उस किताब के इसी रात में मुकम्मल (पूर्ण) होकर आसमान से उतारे जाने की मान्यता है। इसके चलते इस रात में कुरान का पाठ करने और अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी, जीवन में मिले वरदानों का शुक्र अदा करने और बेहतर कल की दुआएं करने का रिवाज है।

होते हैं बड़े जलसे, लेकिन अब सब घरों में होगा

शब ए बरात की रात कुरआन के बड़े जलसे, बयान और तकरीर, कब्रिस्तान और दरगाहों की जियारत (दर्शन) के रिवाज हैं। लेकिन लॉकडाउन के हालात के चलते पिछले साल भी लोगों को घरों में इबादत करना पड़ी थी। इस बार के हालात भी इसी तरह के बने हुए हैं.अपनी बस्ती, शहर, सूबे से लेकर शहर की भलाई, खुशहाली और सुरक्षा के लिए रमजान की 21वीं रात से मस्जिद में एकांतवास (अहतेकाफ) करने का रिवाज है। 21वीं रात से शुरू होने वाला अहतेकाफ़ ईद का चांद दिखाई देने पर पूरा होता है। इस दौरान एकांतवास में बैठने वाला व्यक्ति रोजा, नमाज, कुरआन की तिलावत और सबके लिए खास दुआएं करता है।

शिवसेना अध्यक्ष पर दर्ज केस की जांच के लिए ज्ञापन सौंपा

भोपाल। शिवसेना प्रदेश अध्यक्ष ठाणेश्वर महावर पर जबलपुर में आपराधिक केस दर्ज करके गिरफ्तार करके जेल भेजने के मामले की एसआईटी बनाकर जांच करवाने की मांग करते मुख्यमंत्री और गृहमंत्री के साथ ही पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन प्रेषित किया गया है। शिवसेना उपाध्यक्ष पं राजीव चतुर्वेदी ने कहा कि जबलपुर के गोरखपुर थाना प्रभारी सारिका पांडे को तत्काल हटाया जाकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए।

उन्होंने कहा कि शिवसेना अध्यक्ष के खिलाफ साजिश के तहत आपराधिक केस कायम करके जेल भेजा गया है, जिससे प्रदेश में शिवसेना को आघात पहुंचाया जा सके। चतुर्वेदी ने कहा कि इस मामले में स्थानीय पुलिस की भूमिका संदिग्ध है और रिपोर्ट दर्ज करवाने वालों ने अपना राजनीतिक बदला चुकाने के लिए फर्जी तौर पर शिवसेना अध्यक्ष का नाम जुड़वाया है।

कोरोना कर्फ्यू में लोगों को नहीं मिली ढील, घर में राशन तेल, मसाले हुए खत्म

रायसेन (आरएनएन)। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में लोगों को संक्रमण से बचाने के लिए जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा शासन के आदेश पर शहर सहित जिलेभर में कोरोना कर्फ्यू लगाया गया है। ताकि लोग घरों से बाहर नहीं निकलें। मालूम हो कि कलेक्टर उमाशंकर भार्गव एसपी मोनिका शुक्ला के आदेश पर करीबन 8-10 रोज पूर्व कोरोना कर्फ्यू में किराना दुकानों को खोलने के लिए ढील दी गई थी। लेकिन लगभग एक पखवाड़े का समय बीत जाने के बाद भी कर्फ्यू में जिला प्रशासन के आला अधिकारियों द्वारा इसमें छूट नहीं दी गई है। जिससे लोगों के घरों में स्टॉक कर रखी गई खाने पीने की चीजें खत्म होने लगी हैं। घरों में रखी राशन तेल चावल आटा आदि चीजें एक के बाद एक खत्म होने लगीं हैं। यह चिंता अब लोगों को सताने लगी है। पूर्व नपाध्यक्ष राजकुमार यादव राजू नामदेव कलीम खान जावेद कदीर अय्यूब अली ने कलेक्टर एसपी से जनहित में कोरोना कर्फ्यू में 4-5 घण्टे की राहत दिए जाने की मांग की है।

नजर आई पुलिस की नेकी तो अस्पताल ने दिखाई दरियादिली

निस्वार्थ सेवा करने वाले के लिए आगे आए पुलिसकर्मी, अस्पताल ने माफ किया बिल

भोपाल (एजेंसी)। राजधानी भोपाल में हुए एक मामले ने जहां पुलिस का मानवता वाला चेहरा सामने रखा है, वहीं अस्पतालों के पूरी तरह निष्ठुर हो जाने की बात को भी झुठलाया है। कहानी के केंद्र बिंदु में वह शख्स है, जो करीब 14 साल से लोगों की निस्वार्थ सेवा कर रहा था। महामारी की जकड़ में आया तो पुलिसकर्मी उसके लिए पैसों के इंतजाम में जुटे दिखाई दिए तो अस्पताल प्रबंधन ने निशुल्क इलाज की सुविधा मुहैया कराकर अपना नैतिक दायित्व निभा दिया।

मामला राजधानी के ईंट खेड़ी थाना का है। हरिओम नाम है उस व्यक्ति का जो किशोरावस्था से इस पुलिस थाने के कर्मचारियों की सेवा में डटा रहा है। पानी पिलाने और चाय.नाश्ते के साथ ही खाना बनाकर खिलाने का उसका यह सिलसिला करीब 14 साल से जारी है। संकट की इस घड़ी में उस युवक को भी कोरोना वायरस ने अपनी चपेट में ले लिया, लेकिन पैसों के अभाव में वह अपना इलाज नहीं करवा पा रहा था। ऐसे में पुलिसकर्मियों ने इसकी मदद के लिए कदम बढ़ाए। थाने की टीम ने सोशल मीडिया पर एक कैंपेन शुरू किया और 24 घंटे के भीतर करीब 70 हजार रुपयों का इंतजाम कर लिया।

थाना ईंटखेड़ी के आरक्षक मलखान दांगी ने बताया कि यहां पर जब चौकी थी, तब से ही हरिओम यहां पर काम कर रहा है। वह थाने के पास ही एक कमरे में रहता है और वह तब से ही पुलिस कर्मचारियों की सेवा में लगा हुआ है। हरिओम की जान बचाने के लिए थाने के एसआई सुनील चतुर्वेदी ने सुझाव दिया कि सोशल मीडिया पर कैम्पेनिंग की जाए। जिसके बाद एएसआई रघुवंशीए आरक्षक मलखान सिंह दांगी, रोहित कुमार साहू, शैलेंद्र सिंह सिसौदिया आदि ने मिलकर सोशल मीडिया पर रुपयों का इंतजाम करने के लिए कैंपेन चलाया और चौबीस घंटे के अंदर करीब सत्तर हजार रुपये जुटा लिए। उनके इस प्रयास में पुलिस कर्मचारियों के साथ ही कई अन्य लोग भी मदद के लिए आगे आए हैं। उन्हें उम्मीद है कि हरिओम के इलाज का खर्चा उनकी टीम जुटा लेगी और उसे सुरक्षित बचा लिया जाएगा।

डोनेशन के लिए सिपाहियों ने जारी किए मोबाइल नंबर: आर्थिक मदद जुटाने के लिए आरक्षकों ने दो मोबाइल नंबर जारी किए हैं। कोई भी व्यक्ति आरक्षक मलखान सिंह दांगी के मोबाइल नंबर 97133 09820 और रोहित कुमार साहू के मोबाइल नंबर 78696 68545 पर अपनी इच्छानुसार ऑनलाइन पैमेंट भेज सकता है। स्टाफ द्वारा अपने साथी कर्मचारियों से मदद की अपील की गई है।

70 प्रतिशत लंग्स में है इंफेक्शन: एएसआई रघुवंशी ने बताया कि एक दिन पता चला कि हरिओम अपने घर पर है उसकी तबीयत खराब है। हम लोग उसके घर पहुंचे और उसको अस्पताल लाए। उसके बाद उसका सीटी स्कैन कराया तो पता चला कि उसके लंग्स में करीब 70 प्रतिशत इंफेक्शन हो चुका है। उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल द्वारा प्रारंभिक तौर पर इलाज मे एक लाख रुपये से ज़्यादा खर्च बताया आ सकता है।

डॉक्टर ने अस्पताल का बिल माफ करने की कही बात: हरिओम का इलाज कर रहे आयुष्मान भारत के डॉक्टर वीरेंद्र सैनी का कहना है कि हमारे अस्पताल ने यह निर्णय लिया है कि हम हरिओम से अस्पताल का कोई भी बिल नहीं लेंगे उसका हम निशुल्क इलाज करेंगे बाकी जो अन्य शुल्क होते हैं वह दवाइयां होती हैं वह भी लाना पड़ेगी।

शहर में व्यापक सेनेटाइजेशन का कार्य निरंतर जारी

भोपाल। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं उसकी रोकथाम के लिए नगर निगम, भोपाल द्वारा संपूर्ण शहर के रहवासी क्षेत्रों, बाजारों, कार्यालयों, संस्थानों आदि में 20 से अधिक बड़ी ट्रिपर, एंटी फागिंग मशीनों एवं ट्रेक्टर माउंट स्प्रीलिंकर्स तथा जोन स्तर पर बड़ी संख्या में हस्तचलित स्प्रे मशीनों के माध्यम से सेनेटाइजेशन की कार्यवाही व्यापक पैमाने पर निरंतर की जा रही है। नगर निगम प्रशासक एवं संभागायुक्त कवीन्द्र कियावत के निर्देश एवं निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी के आदेश पर नगर निगम भोपाल द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने एवं नागरिको को सुरक्षित रखने के लिए शहर के प्रमुख रहवासी क्षेत्रों/कालोनियों, बाजारों, कार्यालयों एवं संस्थानों में सेनेटाइजेशन का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

नगर निगम भोपाल द्वारा 20 से अधिक बड़ी ट्रिपर, एंटी फागिंग मशीनों एवं ट्रेक्टर माउंट स्प्रीलिंकर्स तथा जोन स्तर पर बड़ी संख्या में हस्तचलित स्प्रे मशीनों के माध्यम से रविवार को 74 बंगला, 45 बंगला, श्यामला हिल्स, चार इमली, इन्द्रपुरी ए, बी, सी सेक्टर, भगत सिंह मार्केट, रायसेन रोड, अलखनंदा काम्पलेक्स, नीरज नगर, बालाजी नगर, दुर्गा चौक, नरेला संकरी, छत्रपति नगर, निजामुद्दीन कालोनी फेस-2, अयोध्या बायपास, भवानी टावर, आदित्या टावर, गोपाल नगर, खजूरीकला, रोहित नगर फेस-2, सोनपुरा, रीगल टाउन, सांई स्पर्श कालोनी, शिव लोक, निर्मल नगर फेस-3, शिव लोक कालोनी, स्वर्ण जयन्ती, विजय मार्केट, साकेत नगर, पंचवटी मार्केट, दुर्गा मंदिर, न्यू मीनाल, ओल्ड मीनाल में सेनेटाइजेशन किया गया।

इसके अलावा गीत बंगला, निरूपम रायल पाम, जाटखेड़ी, होशंगाबाद रोड, रघुनाथ नगर, जनता कालोनी, गौतम नगर, भारती निकेतन, शांति निकेतन, रचना नगर, ओल्ड सुभाष नगर, शास्त्री नगर, जी.टी.बी काम्पलेक्स, तापती कालोनी, मोती मस्जिद, इकबाल मैदान, फ्तेहगढ़, रॉयल मार्केट, स्टेट बैंक चौराहा, कोहेफिज़ा, लालघाटी, हलालपुर, बैरागढ़, चंचल चौराहा, भैंसाखेड़ी, खजूरी बायपास, कटारा हिल्स, स्प्रिंग वैली, राजहर्ष कालोनी, सर्वजन कालोनी, प्रियदर्शनी कालोनी, कटियार मार्केट, भारत नगर, ई-8, ई-7 अरेरा कालोनी, बाग मुगालिया, बाग सेवनिया, कंजर बस्ती, मिसरोद गांव, श्रीराम विला कालोनी, दीप मोहिनी कालोनी, पलक विहार, अवधपुरी, टैगोर नगर, अवंतिका कालोनी, दीपश्री होम्स, पूर्वांचल फेस-1 इत्यादि क्षेत्रों के मुख्य मार्गो व बाजार क्षेत्रों सहित हमीदिया अस्पताल, एम.पी.नगर जोन-2 स्थित निगम का कोविड केयर सेंटर, मिसरोद थाना, भदभदा विश्रामघाट, सुभाष नगर विश्रामघाट, झदा कब्रिस्तान इत्यादि आदि में भी एंटी वायरस रसायनों का छिड़काव किया गया।

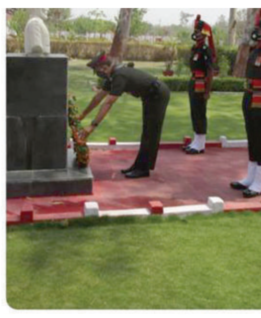

ब्लड गेट्स और ग्लोरी ब्रिगेड ने 56 वां स्थापना दिवस मनाया

भोपाल। ब्लड गेट्स और ग्लोरी ब्रिगेड ने 1 मई 2021 को मध्य भारत में अपना 56 वां स्थापना दिवस मनाया। मौजूदा कोविड वातावरण को ध्यान में रखते हुए ब्रिगेड ने सिविल अस्पतालों में फ्रंटलाइन योद्धाओं को पीपीई किट वितरित कर करके अपना स्थापना दिवस मनाया। जनरल विंगेट हट (ब्रिगेड के संस्थापक) युद्ध स्मारक, सागर में शहीदों और वीरों को स्मरण करते हुए उनका माल्यार्पण किया गया और सलामी दी गई। इस शुभ अवसर पर ब्रिगेड के सभी पदों ने सामूहिक रूप से नेत्रदान करने का संकल्प लिया, साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण भी किया गया। कमांडर साहब ने वीडियो संदेश द्वारा सभी पदों को शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि हम भविष्य में भी ऐसे ही उत्कृष्ट कार्य करते हुए अपनी ब्रिगेड को बुलंदियों तक ले जाएंगे।

किताब यह कैसी विदाई के बारे में चर्चा की

भोपाल। इंद्रा पब्लिशिंग हाउस एवं लैंडमार्क द बुक स्टोर की तरफ से फेसबुक पर ऑनलाइन कार्यक्रम शनिवार की शाम लेखक के नाम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि लेखक डॉ. डी.यू. पाठक (जनरल सर्जन) से उनकी किताब यह कैसी विदाई के बारे में चर्चा की गई। यह सिर्फ किताबे नहीं हैं, किताब के माध्यम से एक संदेश है जिससे अधिक से अधिक से लोगों तक पहुंचाकर भ्रूण हत्या रोकने में मदद कर सकें। पुस्तक की प्रकाशन संस्था इंद्रा पब्लिशिंग हाउस की चीफ एडिटर दीपाली गुप्ता ने लेखक के साथ इस कार्यक्रम में चर्चा की।

बिजनेस न्यूज

बरकतउल्ला में योग पर कार्यशाला आयोजित

भोपाल। योग विभाग, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा इम्युनिटी के लिए योग विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला प्रोफेसर आरजे राव, कुलपति, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के निर्देश पर आयोजित की गई।

कार्यशाला में इम्युनिटी बढ़ाने के लिए यौगिक क्रियाओं एवं फेफड़ों की कार्य क्षमता बढ़ाने और इस कोरोना काल में तनावमुक्त रहने के ऑनलाइन टिप्स दिए गए। कार्यशाला गूगलमीट पर आयोजित की गई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य एवं जन समुदाय ने भाग लिया। साथ ही इस कोरोना काल में विभाग एवं विद्यार्थियों द्वारा मध्यप्रदेश शासन के होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

हिंदू धर्म के बाद किस धर्म की उत्पत्ति हुई?

वैसे हिंदू धर्म के बाद बहुत से प्राचीन धर्मों का उल्लेख किया जा सकता है, जैसे पेगन, वूडू आदि लेकिन हिंदू-जैन के बाद यहूदी धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म था जिसने धर्म को एक नहीं व्यवस्था में ढाला और उसे एक नई दिशा और संस्कृति दी। हजरत आदम से लेकर अब्राहम और अब्राहम से लेकर मूसा तक की परंपरा यहूदी धर्म का हिस्सा है। यह सभी कहीं न कहीं हिंदू धर्म की परंपरा से जुड़े थे। ऐसा माना जाता है कि राजा मनु को ही यहूदी लोग हज. नूह कहते थे। दुनिया के सबसे प्राचीन धर्मों में से एक है यहूदी धर्म। लगभग 4000 साल पुराना यह धर्म वर्तमान में इसराइल का राजधर्म है। यहूदी धर्म की शुरुआत पैगंबर हजरत इब्राहिम (अबराहम या अब्राहम) से मानी जाती है, जो ईसा से 2000 वर्ष पूर्व हुए थे। हज.इब्राहिम के बाद यहूदी इतिहास में सबसे बड़ा नाम 'पैगंबर मूसा' का है। हजरत मूसा ही यहूदी जाति के प्रमुख व्यवस्थाकार हैं। ह.मूसा को ही पहले से चली आ रही एक परंपरा को स्थापित करने के कारण यहूदी धर्म का संस्थापक माना जाता है। हज.मूसा के बाद यहूदियों को विश्वास है कि कयामत के समय हमारा अगला पैगंबर आएगा। मूसा मिस्त्र के फराओ के जमाने में हुए थे। दुनिया के प्राचीन धर्मों में से एक यहूदी धर्म से ही ईसाई और इस्लाम धर्म की उत्पत्ति हुई है। इस्लाम की एक ईश्वर की परिकल्पना, खतना, बुतपरस्ती का विरोध, नमाज, हज, रोजा, जकात, सूदखोरी का विरोध, कयामत, कोशर (हराम-हलाल), पवित्र दिन (सब्बाब), उम्माह जैसी सभी बातें यहूदी धर्म से ली गई हैं। पवित्र पवित्र भूमि, धार्मिक ग्रंथ, अंजील, हदीस और ताल्मुद की कल्पना एक ही है। ईसाई और इस्लाम में आदम, हव्वा, इब्राहीम, नूह, दावूद, इसाक, इस्माइल, इल्यास, सोलोमन आदि सभी ऐतिहासिक और महान लोग यहूदी परंपरा से ही है। हजरत अब्राहम को यहूदी, मुसलमान और ईसाई तीनों धर्मों के लोग अपना पितामह मानते हैं। आदम से अब्राहम और अब्राहम से मूसा तक यहूदी, ईसाई और इस्लाम सभी के पैगंबर एक ही है किंतु मूसा के बाद यहूदियों को अपने अगले पैंगबर के आने का अब भी इंतजार है।

आखिर क्या फायदा होगा नैवेद्य अर्पित कर उसे खाने से?

- मन और मस्तिष्क को स्वच्छ, निर्मल और सकारात्मक बनाने के लिए हिन्दू धर्म में कई रीति-रिवाज, परंपरा और उपाय निर्मित किए गए हैं। सकारात्मक भाव से मन शांतचित्त रहता है। शांतचित्त मन से ही व्यक्ति के जीवन के संताप और दुख मिटते हैं।
- जब किसी अन्न को भगवान को समर्पित कर दिया जाता है तो उसमें दिव्यता समाहित हो जाती है। वह और भी पवित्र और गुण वाला बन जाता है, जो हमारे शरीर को पुष्ट करता है। गिलास भर पानी पीने से कहीं अच्चा चरणामृत होता है जो हृदय को सेहतमंद बनाता है।
- लगातार प्रसाद वितरण करते रहने के कारण लोगों के मन में भी आपके प्रति अच्छे भावों का विकास होता है। इससे किसी के भी मन में आपके प्रति राग-द्वेष नहीं पनपता और आपके मन में भी उसके प्रति प्रेम रहता है।
- लगातार भगवान से जुड़े रहने से चित्त की दशा और दिशा बदल जाती है। इससे दिव्यता का अनुभव होता है और जीवन के संकटों में आत्मबल प्राप्त होता है। देवी और देवता भी संकटों के समय साथ खड़े रहते हैं।
- भजन, कीर्तन, नैवेद्य आदि धार्मिक कर्म करने से जहां भगवान के प्रति आस्था बढ़ती है वहीं शांति और सकारात्मक भाव का अनुभव होता रहता है। इससे इस जीवन के बाद भगवान के उस धाम में भगवान की सेवा की प्राप्ति होती है और अगला जीवन और भी अच्छे से शांति व समृद्धिपूर्वक व्यतीत होता है।
- श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार अंत में हमें उन्हीं देवी-देवताओं के स्वर्ग, इत्यादि धामों में वास मिलता है जिसकी हम आराधना करते रहते हैं।
- श्रीमद् भगवद् गीता में भगवान श्रीकृष्ण, अर्जुन के माध्यम से हमें यह भी बताते हैं कि देवी-देवताओं के धाम जाने के बाद फिर पुनर्जन्म होता है अर्थात देवी-देवताओं का भजन करने से, उनका प्रसाद खाने से व उनके धाम तक पहुंचने पर भी जन्म-मृत्यु का चक्र खत्म नहीं होता है। (श्रीगीता 8/16)।

कितने प्रकार के होते हैं भूत

हिन्दू धर्म में गति और कर्म अनुसार मरने वाले लोगों का विभाजन किया है- भूत, प्रेत, पिशाच, कूष्मांडा, ब्रह्मराक्षस, वेताल और क्षेत्रपाल। उक्त सभी के उप भाग भी होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार 18 प्रकार के प्रेत होते हैं। भूत सबसे शुरुआती पद है या कहें कि जब कोई आम व्यक्ति मरता है तो सर्वप्रथम भूत ही बनता है। इसी तरह जब कोई स्त्री मरती है तो उसे अलग नामों से जाना जाता है। माना गया है कि प्रसुता, स्त्री या नवयुवती मरती है तो चुड़ैल बन जाती है और जब कोई कुंवारी कन्या मरती है तो उसे देवी कहते हैं। जो स्त्री बुरे कर्मों वाली है उसे डायन या डाकिनी करते हैं। इनसभी की उत्पति अपने पापों, व्याभिचार से, अकाल मृत्यु से या श्राद्ध न होने से होती है।

पुरुषों का भूत - हिन्दू धर्म में गति और कर्म अनुसार मरने वाले लोगों का विभाजन किया गया है- भूत, प्रेत, पिशाच, कूष्मांडा, ब्रह्मराक्षस, वेताल और क्षेत्रपाल। सभी को यम के अधीन रहना होता है। आर्यमा नामक देवता को पितरों का अधिपति कहा गया है, जो चंद्रमंडल में रहते हैं। उक्त सभी के उपभाग भी होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार 18 प्रकार के प्रेत होते हैं। भूत सबसे शुरुआती पद है या कहें कि जब कोई आम व्यक्ति मरता है, तो सर्वप्रथम भूत ही बनता है। प्रेत योनि में जाने वाले लोग अदृश्य और बलवान हो जाते हैं। सभी मरने वाले इसी योनि में नहीं जाते और सभी मरने वाले अदृश्य तो होते हैं, लेकिन बलवान नहीं होते। यह आत्मा के कर्म और गति पर निर्भर करता है। बहुत से भूत या प्रेत योनि में न जाकर पुन: गर्भधारण कर मानव बन जाते हैं। पितृ पक्ष में हिन्दू अपने पितरों का तर्पण करते हैं। इससे सिद्ध होता है कि पितरों का अस्तित्व आत्मा अथवा भूत-प्रेत के रूप में होता है। गरूड़ पुराण में भूत-प्रेतों के विषय में विस्तृत वर्णन मिलता है। श्रीमद्भागवत पुराण में भी धुंधकारी के प्रेत बन जाने का वर्णन आता है।

स्त्री का भूत - हालांकि स्त्री और पुरुष एक शरीरिक विभाजन है तथा आत्मिक तौर पर कोई स्त्री और पुरुष नहीं होता। लेकिन जिसके चित्त की दशा जैसी होती है उसे वैसी योनि प्राप्त होती है। यदि कोई आत्मा स्त्री बनकर रही है तो वह खुद को अनंतकाल तक स्त्री ही महसूस करते हुए अन्य योनियां धारण करेगी। खैर! जब कोई स्त्री मरती है तो उसे अलग नामों से जाना जाता है। माना गया है कि प्रसूता स्त्री या नवयुवती मरती है तो चुड़ैल बन जाती है और जब कोई कुंआरी कन्या मरती है तो उसे देवी कहते हैं। जो स्त्री बुरे कर्मों वाली है उसे डायन या डाकिनी कहते हैं। इन सभी की उत्पत्ति अपने पापों, व्यभिचार, अकाल मृत्यु या श्राद्ध न होने से होती है।

प्रेतबाधा : भूतादि से पीड़ित व्यक्ति की पहचान उसके स्वभाव एवं क्रिया में आए बदलाव से की जाती है। अलग-अलग स्वभाव में परिवर्तन के अनुसार जाना जाता है कि व्यक्ति कौन से भूत से पीड़ित है।

भूत पीड़ा : यदि किसी व्यक्ति को भूत लग गया है, तो वह पागल की तरह बात करने लगता है। मूढ़ होने पर भी वह किसी बुद्धिमान पुरुष जैसा व्यवहार भी करता है। गुस्सा आने पर वह कई व्यक्तियों को एक साथ पछाड़ सकता है। उसकी आंखें लाल हो जाती हैं और देह में सदा कंपन बना रहता है।

पिशाच पीड़ा : पिशाच प्रभावित व्यक्ति सदा खराब कर्म करना है, जैसे नग्न हो जाना, नाली का पानी पीना, दूषित भोजन करना, कटु वचन कहना आदि। वह सदा गंदा रहता है और उसकी देह से बदबू आती है। वह एकांत चाहता है। इससे वह कमजोर होता जाता है।

प्रेत पीड़ा : प्रेत से पीड़ित व्यक्ति चिल्लाता और इधर-उधर भागता रहता है। वह किसी का कहना नहीं सुनता। वह हर समय बुरा बोलता रहता है। वह खाता-पीता नही हैं और जोर-जोर से श्वास लेता रहता है।

शाकिनी पीड़ा : शाकिनी से ज्यादातर महिलाएं ही पीड़ित रहती हैं। ऐसी महिला को पूरे बदन में दर्द बना रहता है और उसकी आंखों में भी दर्द रहता है। वह अक्सर बेहोश भी हो जाती है। कांपते रहना, रोना और चिल्लाना उसकी आदत बन जाती है।

चुड़ैल पीड़ा : चुड़ैल भी ज्यादातर किसी महिला को ही लगती है। ऐसी महिला यदि शाकाहारी भी है तो मांस खाने लग जाएगी। वह कम बोलती, लेकिन मुस्कुराती रहती है। ऐसी महिला कब क्या कर देगी? कोई भरोसा नहीं।

यक्ष पीड़ा : यक्ष से पीड़ित व्यक्ति लाल रंग में रुचि लेने लगता है। उसकी आवाज धीमी और चाल तेज हो जाती है। वह ज्यादातर आंखों से इशारे करता रहता है। इसकी आंखें तांबे जैसी और गोल दिखने लगती हैं।

ब्रह्मराक्षस पीड़ा : जब किसी व्यक्ति को ब्रह्मराक्षस लग जाता है, तो ऐसा व्यक्ति बहुत ही शक्तिशाली बन जाता है। वह हमेशा खामोश रहकर अनुशासन में जीवन-यापन करता है। इसे ही 'जिन्न' कहते हैं। ये बहुत सारा खाना खाते हैं और घंटों तक एक जैसी ही अवस्था में बैठे या खड़े रहते हैं। जिन्न से ग्रस्त व्यक्ति का जीवन सामान्य होता है। ये घर के किसी सदस्य को परेशान भी नहीं करते हैं, बस अपनी ही मस्ती में मस्त रहते हैं। जिन्नों को किसी के शरीर से निकालना अत्यंत ही कठिन होता है।

इस तरह से और भी कई तरह के भूत होते हैं जिनके अलग-अलग लक्षण और लक्ष्य होते हैं। उपरोक्त जानकारी शास्त्रों के आधार है।

कामदेव को पुत्र की तरह पालने के बाद रति ने उनसे कर लिया विवाह

जिस तरह पश्चिमी देशों में क्यूपिड और यूनानी देशों में इरोस को प्रेम का प्रतीक माना जाता है, उसी तरह हिन्दू धर्मग्रंथों में कामदेव को प्रेम और आकर्षण का देवता कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार कामदेव भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी के पुत्र हैं। उनका विवाह रति नाम की देवी से हुआ था, जो प्रेम और आकर्षण की देवी मानी जाती है। कुछ कथाओं में यह भी उल्लिखित है कि कामदेव स्वयं ब्रह्माजी के पुत्र हैं और इनका संबंध भगवान शिव से भी है। कुछ जगह पर धर्म की पत्नी श्रद्धा से इनका आविर्भाव हुआ माना जाता है। जोभी हो हम एक रोचक पौराणिक कथा पढ़ते हैं। कामदेव को सुनहरे पंखों से युक्त एक सुंदर नवयुवक की तरह प्रदर्शित किया गया है जिनके हाथ में धनुष और बाण हैं। ये तोते के रथ पर मकर (एक प्रकार की मछली) के चिह्न से अंकित लाल ध्वजा लगाकर विचरण करते हैं। वैसे कुछ शास्त्रों में हाथी पर बैठे हुए भी बताया गया है। वसंत ऋतु के देवता कामदेव की पूजा वसंत पंचमी की जाती है। उनके कई नाम है जिममें से मदन की प्रसिद्ध है। असम में है उनका खास मंदिर। मदन-कामदेव मंदिर को 'असम का खजुराहो' के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर घने जंगलों के भीतर पेड़ों से छुपा हुआ है। कहते हैं कि भगवान शंकर द्वारा तृतीय नेत्र खोलने पर भस्म हो गए कामदेव का इस स्थान पर पुनर्जन्म तथा उनकी पत्नी रति के साथ पुन: मिलन हुआ था।

पौराणिक कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक समय ब्रह्माजी प्रजा वृद्धि की कामना से ध्यानमग्न थे। उसी समय उनके अंश से तेजस्वी पुत्र काम उत्पन्न हुआ और कहने लगा कि मेरे लिए क्या आज्ञा है? तब ब्रह्माजी बोले कि मैंने सृष्टि उत्पन्न करने के लिए प्रजापतियों को उत्पन्न किया था किंतु वे सृष्टि रचना में समर्थ नहीं हुए इसलिए मैं तुम्हें इस कार्य की आज्ञा देता हूं। यह सुन कामदेव वहां से विदा होकर अदृश्य हो गए। यह देख ब्रह्माजी क्रोधित हुए और शाप दे दिया कि तुमने मेरा वचन नहीं माना इसलिए तुम्हारा जल्दी ही नाश हो जाएगा। शाप सुनकर कामदेव भयभीत हो गए और हाथ जोड़कर ब्रह्माजी के समक्ष क्षमा मांगने लगे। कामदेव की अनुनय-विनय से ब्रह्माजी प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा कि मैं तुम्हें रहने के लिए 12 स्थान देता हूं- स्त्रियों के कटाक्ष, केश राशि, जंघा, वक्ष, नाभि, जंघमूल, अधर, कोयल की कूक, चांदनी, वर्षाकाल, चैत्र और वैशाख महीना। इस प्रकार कहकर ब्रह्माजी ने कामदेव को पुष्प का धनुष और 5 बाण देकर विदा कर दिया।

इन पांच बाणों के नाम हैं- 1.मारण, 2.स्तम्भन, 3.जृम्भन, 4.शोषण, 5.उम्मादन (मन्मन्थ)। उनका धनुष मिठास से भरे गन्ने का बना होता है जिसमें मधुमक्खियों के शहद की रस्सी लगी है। उनके धनुष का बाण अशोक के पेड़ के महकते फूलों के अलावा सफेद, नीले कमल, चमेली और आम के पेड़ पर लगने वाले फूलों से बने होते हैं। ब्रह्माजी से मिले वरदान की सहायता से कामदेव तीनों लोकों में भ्रमण करने लगे और भूत, पिशाच, गंधर्व, यक्ष सभी को काम ने अपने वशीभूत कर लिया। फिर मछली का ध्वज लगाकर कामदेव अपनी पत्नी रति के साथ संसार के सभी प्राणियों को अपने वशीभूत करने बढ़े। इसी क्रम में वे शिवजी के पास पहुंचे। भगवान शिव तब तपस्या में लीन थे तभी कामदेव छोटे से जंतु का सूक्ष्म रूप लेकर कर्ण के छिद्र से भगवान शिव के शरीर में प्रवेश कर गए। इससे शिवजी का मन चंचल हो गया। उन्होंने विचार धारण कर चित्त में देखा कि कामदेव उनके शरीर में स्थित है। इतने में ही इच्छा शरीर धारण करने वाले कामदेव भगवान शिव के शरीर से बाहर आ गए और आम के एक वृक्ष के नीचे जाकर खड़े हो गए। फिर उन्होंने शिवजी पर मोहन नामक बाण छोड़ा, जो शिवजी के हृदय पर जाकर लगा। इससे क्रोधित हो शिवजी ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से उन्हें भस्म कर दिया। कामदेव को जलता देख उनकी पत्नी रति विलाप करने लगी। तभी आकाशवाणी हुई जिसमें रति को रुदन न करने और भगवान शिव की आराधना करने को कहा गया। फिर रति ने श्रद्धापूर्वक भगवान शंकर की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो शिवजी ने कहा कि कामदेव ने मेरे मन को विचलित किया था इसलिए मैंने इन्हें भस्म कर दिया। अब अगर ये अनंग रूप में महाकाल वन में जाकर शिवलिंग की आराधना करेंगे तो इनका उद्धार होगा। तब कामदेव महाकाल वन आए और उन्होंने पूर्ण भक्तिभाव से शिवलिंग की उपासना की। उपासना के फलस्वरूप शिवजी ने प्रसन्न होकर कहा कि तुम अनंग, शरीर के बिन रहकर भी समर्थ रहोगे। कृष्णावतार के समय तुम रुक्मणि के गर्भ से जन्म लोगे और तुम्हारा नाम प्रद्युम्न होगा।

श्रीकृष्ण और कामदेव

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण को भी कामदेव ने अपने नियंत्रण में लाने का प्रयास किया था। कामदेव ने भगवान श्रीकृष्ण से यह शर्त लगाई कि वे उन्हें भी स्वर्ग की अप्सराओं से भी सुंदर गोपियों के प्रति आसक्त कर देंगे। श्रीकृष्ण ने कामदेव की सभी शर्त स्वीकार की और गोपियों संग रास भी रचाया लेकिन फिर भी उनके मन के भीतर एक भी क्षण के लिए वासना ने घर नहीं किया।

रति ने पाला कामदेव को पुत्र की तरह फिर उनसे कर लिया विवाह

जब शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया तब ये देख रति विलाप करने लगी तब जाकर शिव ने कामदेव के पुन: कृष्ण के पुत्र रूप में धरती पर जन्म लेने की बात बताई। शिव के कहे अनुसार भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि को प्रद्युम्न नाम का पुत्र हुआ, जो कि कामदेव का ही अवतार था। कहते हैं कि श्रीकृष्ण से दुश्मनी के चलते राक्षस शंभरासुर नवराज प्रद्युम्न का अपहरण करके ले गया और उसे समुद्र में फेंक आया। उस शिशु को एक मछली ने निगल लिया और वो मछली मछुआरों द्वारा पकड़ी जाने के बाद शंभरासुर के रसोई घर में ही पहुंच गई। तब रति रसोई में काम करने वाली मायावती नाम की एक स्त्री का रूप धारण करके रसोईघर में पहुंच गई। वहां आई मछली को उसने ही काटा और उसमें से निकले बच्चे को मां के समान पाला-पोसा। जब वो बच्चा युवा हुआ तो उसे पूर्व जन्म की सारी याद दिलाई गई। इतना ही नहीं, सारी कलाएं भी सिखाईं तब प्रद्युम्न ने शंभरासुर का वध किया और फिर मायावती को ही अपनी पत्नी रूप में द्वारका ले आए।

मुद्गल पुराण के अनुसार कामदेव का वास यौवन, स्त्री, सुंदर फूल, गीत, पराग कण या फूलों का रस, पक्षियों की मीठी आवाज, सुंदर बाग-बगीचों, वसंत ऋतु, चंदन, काम-वासनाओं में लिप्त मनुष्य की संगति, छुपे अंग, सुहानी और मंद हवा, रहने के सुंदर स्थान, आकर्षक वस्त्र और सुंदर आभूषण धारण किए शरीरों में रहता है। इसके अलावा कामदेव स्त्रियों के शरीर में भी वास करते हैं, खासतौर पर स्त्रियों के नयन, ललाट, भौंह और होठों पर इनका प्रभाव काफी रहता है।

कामदेव मंत्र

कामदेव के बाण ही नहीं, उनका 'क्लीं मंत्र' भी विपरीत लिंग के व्यक्ति को आकर्षित करता है। कामदेव के इस मंत्र का नित्य दिन जाप करने से न सिर्फ आपका साथी आपके प्रति शारीरिक रूप से आकर्षित होगा बल्कि आपकी प्रशंसा करने के साथ-साथ वह आपको अपनी प्राथमिकता भी बना लेगा। कहा जाता है कि प्राचीनकाल में वेश्याएं और नर्तकियां भी इस मंत्र का जाप करती थीं, क्योंकि वे अपने प्रशंसकों के आकर्षण को खोना नहीं चाहती थीं। ऐसा माना जाता है कि इस मंत्र का लगातार जाप करते रहने की वजह से उनका आकर्षण, सौंदर्य और कांति बरकरार रहती थी।

रविचंद्रन अश्विन के परिवार के 10 सदस्य कोरोना पॉजिटिव, पत्नी प्रीति नारायणन ने दी जानकारी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की पत्नी प्रीति नारायणन ने बताया कि उनके परिवार के कुल 10 सदस्य पिछले हफ्ते कोरोना पॉजिटिव पाए गए। मालूम हो कि आइपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले अश्विन ने कोरोना से जूझ रहे परिवार की सहायता के लिए रविवार को आइपीएल बीच में ही छोड़ने का फैसला किया था।

प्रीति ने लिखा कि एक ही हफ्ते में परिवार के छह बड़े और चार बच्चे कोरोना पॉजिटिव हो गए। अलग-अलग अस्पतालों में सभी भर्ती थे। पूरे हफ्ते यह बुरा सपना जारी रहा। तीन में से एक अभिभावक घर लौट आए हैं। आप सभी लोग वैक्सीन लगवा लीजिए। अपनी और अपने परिवार की इस महामारी से सुरक्षा कीजिए। मानसिक रूप से स्वस्थ होने की बजाय शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आसान है। पांचवें से आठवां दिन सबसे खराब समय था। हर कोई मदद की पेशकश कर रहा था, लेकिन कोई आपके पास नहीं था। यह बीमारी आपको अकेला कर देती है।

34 वर्षीय अश्विन आइपीएल दिल्ली कैपिटल्स के सदस्य हैं और उन्होंने कहा है कि अगर हालात सही होते हैं तो वे वापसी करेंगे। अश्विन ने ट्वीट कर कहा था,' मैं से इस सत्र के आइपीएल से ब्रेक ले रहा हूं। मेरा परिवार कोरोना महामारी से लड़ रहा है और इस कठिन समय में उन्हें मेरी मदद की जरूरत है। अगर हालात सही दिशा में जाते हैं तो मैं वापसी करूंगा। धन्यवाद दिल्ली कैपिटल्स।

आईपीएल में उभरा मोगा का नया किंग हरप्रीत सिंह बराड़, आरसीबी के धुरंधरों को दी मात

मोगा। दो आइपीएल मैच खेलने के बाद भी जब कैरियर में आगे बढ़ने का राह नहीं निकल रही थी तो मोगा के गांव हरिएवाला में जन्मे 24 साल के हरप्रीत सिंह बराड़ ने आइलेट्स कर कनाडा उड़ जाने का मन बना लिया, लेकिन भाग्य में कुछ और ही लिखा था। वे कनाडा जा पाते उससे पहले ही आइपीएल में पंजाब किंग्स की टीम ने हरप्रीत सिंह बराड़ को तीसरी बार खेलने के लिए कॉल कर लिया। बस फिर क्या था, हरप्रीत ने आइपीएल में तीसरी बार पदार्पण करते हुए कुछ ऐसा कर डाला कि जिससे पूरा पंजाब ही नहीं पूरा देश पंजाब के नए 'किंग' की प्रतिभा पर झूम उठा। आइपीएल का पहला विकेट ही दुनिया के दिग्गज बल्लेबाज एवं रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान विराट कोहली को क्लीन बोल्ड कर लिया। फिर क्या था कोहली के विकेट मिलने से उत्साहित हरप्रीत ने ग्लेन मैक्सवेल और एबी डिविलियर्स को आउट कर अपने भविष्य की नई इबारत लिख डाली।

जिले के बाघापुराना तहसील के गांव हरिएवाला के मूल निवासी हरप्रीत सिंह बराड़ गांव के सामान्य परिवार से हैं। सात साल की उम्र से ही हरप्रीत की क्रिकेट के प्रति दीवानगी थी। अपनी प्राईमरी शिक्षा भी गांव में शुरू की। बाद में पिता मोहिंदर सिंह का सिलेक्शन सेना की इंजीनियरिंग ब्रांच में हो गई, पोस्टिंग भी चंडीगढ़ में मिली तो परिवार करीब 15 साल पहले जीरकपुर में शिफ्ट हो गया। हालांकि, हरप्रीत सिंह की दादी गुरदयाल कौर व चाचा आज भी गांव में ही रहते हैं, खेती करते हैं। हरप्रीत के सैनिक पिता मोहिंदर सिंह बताते हैं कि 2003 के विश्वकप में खिलाड़ियों को खेलते देख हरप्रीत ने बड़ा क्रिकेटर बनने की ठान ली थी, क्रिकेट तो पहले से ही हरप्रीत खेलता था, लेकिन विश्वकप के बाद एकेडमी ज्वाइन की और मोहाली की तरफ से इंटर डिस्ट्रिक्ट मैच खेलने शुरू कर दिए। परिवार में उनकी मां गुरमीत कौर और एक बहन भी है जोकि अब कनाडा में सेटल हो चुकी है।

वीरेंद्र सहवाग ने कहा, विराट कोहली की जगह इस बल्लेबाज को मिले आरसीबी की ओपनिंग

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने शुरुआत काफी अच्छी की थी। अब टीम को पिछले कुछ मुकाबलो में हार का सामना करना पड़ा है। पिछले मुकाबले में बैंगलोर की बल्लेबाजी बुरी तरह से संघर्ष करती नजर आई। पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने टीम को अपना सुझाव दिया है कि अब कप्तान विराट कोहली की जगह मोहम्मद अहजरुद्दीन को ओपनिंग में आना चाहिए। पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 179 रन का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में बैंगलोर की टीम 8 विकेट पर 145 रन ही बना पाई। हरप्रीत बरार ने विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल और एबी डिविलियर्स का विकेट हासिल कर टीम की कमर तोड़ दी। 4 ओवर में इस खिलाड़ी ने 19 रन देकर 3 विकेट चटकाए। इस सीजन के लिए फरवरी में हुई नीलामी में बैंगलोर की टीम ने अजहर को 20 लाख की बोली लगातर अपने साथ जोड़ा था। जनवरी में खेली गई सैयद मश्ताक अली ट्रॉफी में इस बल्लेबाज ने महज 37 गेंद पर शतक जड़ा था और दूसरे सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन सबका ध्यान खींचा था। मुझे लगता है कि अब विराट को ओपनिंग छोड़कर अपनी असली बल्लेबाजी पोजिशन नंबर तीन पर आ जाना चाहिए। मोहम्मद अजहरुद्दीन को ओपनी के तौर पर मौका देने के बारे में विचार करना चाहिए। इस वक्त पडीक्कल बेहतर विकल्प के तौर पर नजर आ रहे हैं। कोहली को नंबर तीन पर ही बल्लेबाजी करना चाहिए और इसके बाद मैक्सवेल फिर एबी डिविलियर्स को बल्लेबाजी के लिए आना चाहिए। सहवाग ने कहा कि इस जो अहजर और पडीक्कल पारी की शुरुआत करें तो तीनों ही अनुभवी बल्लेबाज मिडिर आर्डर में होंगे।

कोरोना का असर: टोक्यो ओलंपिक मशाल के रूट में किया गया बदलाव

टोक्यो। जापान में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण टोक्यो ओलंपिक मशाल रिले के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। मशाल रिले को इस सप्ताह के अंत में दक्षिणी द्वीप ओकिनावा से गुजरना था। कोविड-19 मामलों के कारण रविवार को प्रांत के मियाकोजिमा से गुजरने वाली रिले को रद्द कर दिया गया।

ओकिनावा द्वीप के अन्य चरण पहले की तरह जारी रहेंगे। मियाकोजिमा के एक शिक्षक ने कहा, हम नहीं चाहते कि द्वीप से बाहर का कोई यहां आए, यह इंसानों की जिंदगी का सवाल है। मशाल रिले छह सप्ताह पहले शुरू हुई थी जिसमें लगभग 10,000 धावकों को भाग लेना है।

कोविड-19 से प्रभावित ओसाका और मात्सुयामा शहर को छोड़कर इसका आयोजन लगभग तय कार्यक्रम के मुताबिक ही हुआ है। पिछले साल स्थगित हुए ओलंपिक खेल इस साल 23 जुलाई से टोक्यो में होने हैं। आयोजन को लेकर अनिश्चितताएं हैं और सवाल भी उठ रहे हैं कि इन हालात में ये कैसे होंगे।

जापान पहुंचा मिस्र का कोच संक्रमित

टोक्यो में इसके साथ ही छह दिवसीय तैराकी परीक्षण प्रतियोगिता में 46 देशों के 225 खिलाड़ी भाग ले रहे है। इसमें हालांकि प्रशंसकों के आने की अनुमति नहीं होगी। जापान की संवाद समिति क्योदो ने जापानी तैराकी महासंघ के हवाले से बताया कि मिस्र की टीम के कोच को जापान पहुंचने के बाद कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया है जबकि अन्य सदस्य जांच में निगेटिव है।

हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि खिलाड़ियों को कहां ठहराया जा रहा है और एकांतवास को लेकर क्या नियम अपनाया गया है। अभी यह भी जानकारी नहीं है कि तैराकों के साथ स्टाफ के कितने सदस्यों के साथ रहने की अनुमति है।

दिग्गज क्रिकेटर और कमेंटेटर ने इस टीम को बताया आईपीएल 2021 का खिताब जीतने की दावेदार

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर और अब क्रिकेट कमेंटेटर स्कॉट स्टाइरिस को लगता है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) इस साल की इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) में खिताब की दावेदार है, और मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक जीत से चमचमाती ट्रॉफी उठाने की अपनी संभावनाओं को और मजबूत करेगा। सीएसके और मुंबई इंडियंस के बीच इस सीजन का पहला मैच आज होना है, जो रोमांचक होने वाला है। सीएसके छह मैचों में लगातार पांच जीत दर्ज करने के बाद अंक तालिका में शीर्ष पर है, जबकि मुंबई इंडियंस सिर्फ तीन गेम जीतकर चौथे स्थान पर है। स्टाइरिस ने स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कहा, मुंबई इंडियंस आइपीएल की ओवरऑल रैंकिंग में पहले नंबर पर है। इसलिए, मुझे लगता है कि मुझे लगता है कि मुंबई, पसंदीदा के रूप में जाना जाएगा। हालांकि, CSK ने जो प्रदर्शन दिखाए हैं, वे भी इस ट्रॉफी को जीत सकते हैं।

स्कॉट स्टाइरिस ने कहा, मुझे लगता है कि यह सीएसके के लिए थोड़ा सा परीक्षण है, क्योंकि मुझे लगता है कि आपको अभी भी मुंबई के खिलाफ खुद को आंकने की जरूरत है। आप मुंबई के बारे में नहीं सोच सकते और उन्होंने अब तक क्या किया है। वे चेन्नई की एक भयानक पिच पर खेले हैं और वे अब वहां से बाहर हैं। अब वे एक ऐसी सतह पर वापस आ रहे हैं जिसके साथ वे अधिक सहज हैं। मुझे लगता है कि हम उनके खिलाड़ियों को फलते-फूलते देखेंगे और अपना कौशल दिखाएंगे।

एफआईएच प्रो लीग

तीसरे सत्र में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का पहला मुकाबला न्यूजीलैंड से फरवरी में होगा

बंगलुरू। भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग के तीसरे सत्र में अगले साल फरवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी। एफआईएच ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम की शनिवार को घोषणा की।

भारतीय टीम फरवरी में ऑस्ट्रेलिया और स्पेन से भी खेलेगी। उसे इस महीने पांच मैच विदेश में खेलने हैं जिसके बाद भारत में जर्मनी और अर्जेंटीना का सामना करना है। भारतीय टीम को 12 और 13 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया से और 26 तथा 27 फरवरी को स्पेन से खेलना है। भारत और जर्मनी का सामना 12 और 13 मार्च को होगा जबकि अर्जेंटीना से उसे 19 और 20 मार्च को खेलना है।

इस साल दूसरे सत्र में स्पेन और जर्मनी से होना है मुकाबला

इसके बाद भारत में ही दो और तीन अप्रैल को इंग्लैंड से मैच होंगे। बेल्जियम के खिलाफ 11 और 12 जून और नीदरलैंड के खिलाफ 18 और 19 जून को उनके मैदान पर खेलना है। भारतीय कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा, कार्यक्रम से हमें तैयारी के लिए काफी समय मिल जाएगा। इस समय हमारा फोकस टोक्यो ओलंपिक है लेकिन उसके बाद हम इसकी तैयारी करेंगे। एफआईएच प्रो लीग का दूसरा सत्र अभी चल रहा है। भारत को इस महीने स्पेन और जर्मनी से खेलना है।

विलियम्सन हैदराबाद के नए कप्तान बने

6 में से 5 मैच हारने के बाद फ्रेंचाइजी ने वॉर्नर को कप्तानी से हटाया, पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे है टीम

हैदराबाद । इंडियम प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में अब तक बेहद कमजोर प्रदर्शन के बाद सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने कप्तान बदलने का फैसला किया है। 2016 में टीम को चैम्पियन बना चुके ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर की जगह न्यूजीलैंड के केन विलियम्सन को टीम का कप्तान बना दिया गया है। फ्रेंचाइजी ने साथ ही यह भी बताया है कि रविवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए टीम के विदेशी खिलाड़ियों के कॉम्बिनेशन में बदलाव किया जाएगा।

सबसे नीचे है हैदराबाद की टीम

IPL के इस सीजन में हैदराबाद ने अब तक बेहद कमजोर खेल दिखाया है। टीम को 6 में से 5 मैचों में हार का सामना करना पड़ा और वह आठवें स्थान पर है। चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ करारी हार के बाद वॉर्नर ने टीम के कमजोर प्रदर्शन की पूरी जिम्मेदारी ली थी। इसके एक दिन बाद ही फ्रेंचाइजी ने कप्तान बदलने का फैसला कर लिया है।

वॉर्नर ने सिलेक्टर्स की आलोचना भी की थी: इससे पहले वॉर्नर ने शुरुआती कुछ मैचों के बाद मनीष पांडे को प्लेइंग-11 से हटाए जाने की आलोचना भी की थी। वॉर्नर ने कहा था कि पांडे को बाहर करना चयनकर्ताओं का एक कड़ा फैसला था।

आरसीबी जुटाएगी फंड: विराट कोहली बोले-

आरसीबी बेंगुलुरु सहित अन्य शहरों में ऑक्सीजन के लिए बुनियादी ढांचे के लिए आर्थिक मदद करेगी

ब्लू जर्सी की नीलामी कर पैसा जुटाएगी

नई दिल्ली। कोरोना महामारी की दूसरी लहर से देश बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ऑक्सीजन नहीं मिलने से कई लोग जान गंवा चुके हैं। ऐसी स्थिति में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने ऑक्सीजन के लिए बुनियादी ढांचा खड़ा करने के लिए ब्लू जर्सी की नीलामी करेगी। सोशल मीडिया पर रॉयल चैलेंजर्स की ओर से वीडियो जारी किया गया है। जिसमें टीम के कप्तान विराट कोहली ने फ्रेंचाइजी की ओर से इस महामारी में मदद के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'टीम आने वाले मैच में ब्लू जर्सी पहनकर उन लोगों के प्रति सम्मान प्रकट करेगी, जिन्होंने कोरोना काल में PPE किट पहनकर लोगों की जान बचाने के लिए काम किया।' उन्होंने आगे कहा कि ब्लू किट पर फ्रंट लाइन पर काम कर रहे लोगों को सम्मान देने के लिए संदेश भी लिखेंगे। वहीं RCB ने बेंगलुरु सहित ऐसे शहरों की पहचान की है, जहां पर ऑक्सीजन के लिए बुनियादी ढांचे तैयार करने के लिए मदद की जरूरत है। इसके लिए धन जुटाएगी।

हार्दिक पंड्या का परिवार 200 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स दान करेगा

क्रिकेटर हार्दिक पंड्या के परिवार ने ग्रामीण क्षेत्र के लिए 200 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स दान करने का फैसला किया है। शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच से पहले हार्दिक ने 200 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स दान करने की घोषणा की। ऑलराउंडर हार्दिक और उनके भाई क्रुणाल पंड्या IPLमें मुंबई इंडियंस टीम के लिए खेलते हैं। इस समय भी वे टूर्नामेंट ही खेल रहे हैं।

हार्दिक ने कहा कि हमने ग्रामीण क्षेत्र के लिए 200 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स दान करने का फैसला किया है। मेरा मानना है कि ग्रामीण क्षेत्र में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर की काफी जरूरत है। हमारे देश में जो हालात हैं, उसे हम सभी बेहतर जानते हैं। फ्रंट लाइन वर्कर्स, मेडिकल स्टाफ और पुलिस समेत वह हर व्यक्ति जो इस हालात में कोरोना से लड़ रहा है, उन सभी के हम बहुत आभारी हैं। हालात को देखते हुए क्रुणाल, मैंने और खासकर मेरी मां ने भी हमारी तरफ से कुछ मदद करने का फैसला किया।

ऑस्ट्रेलिया खिलाड़ियों ने की थी शुरुआत

क्रिकेट खिलाड़ियों में भारतवासियों की मदद की पहल ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने की थी। उन्होंने 50 हजार डॉलर (करीब 37 लाख रुपए) पीएम केयर्स फंड में डोनेट किए। इसके बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने 1 बिट क्वाइन (करीब 41 लाख रुपए) का डोनेशन दिया था। उसके बाद से ही भारतीय सितारों की आलोचना हो रही थी कि वे मदद के लिए आगे क्यों नहीं आ रहे हैं।

आंद्रे रसेल ने नशा करने पर किया खुलासा, बताई प्रतिबंध लगाए जाने की पूरी बात

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में फ्रेंचाइजी टीम कोलकाता नाइटराइडर्स की तरफ से खेलने वाले ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अपना दर्द साझा किया है। साल 2017 में उनके उपर सवाल उठाए गए और प्रतिबंध लगाया गया इसके बारे में खुलकर बता की। बताया कि कैसे उनको करियर के टॉप फॉर्म में रहते हुए मुश्किलों का सामना करना पड़ा। रसेल ने कहा, 'साल 2017 मेरे करियर का सबसे ज्याद बुरा रहा। आपको पता है कि जब मैं अपने खेल में सबसे बेहतरीन दौर में था और गेंद को पूरे करियर में सबसे अच्छी तरह से मारने में सक्षम था। लोग एक ही चीज को साबित करने के पीछे लगे थे क्योंकि मैं किसी से कुछ भी नहीं छुपा रहा था।'

आगे बोले, 'मैं जहां भी खेल रहा था वहीं मुझे टेस्ट कराना पड़ रहा था, क्योंकि मैं 100 मीटर का छक्का लगा रहा था और 140 की रफ्तार के करीब गेंदबाजी करने में कामयाब था। लोगों ने सवाल करना शूरू कर दिया कहीं मैं नशा तो नहीं कर रहा। मुझे हर एक चीज का पता चल चुका था खासकर ड्रग टेस्ट को लेकर। मुझे हर चीज का पता था कि कैसे इसे रिलीज करना है और इसका लेबल कैसे हटाना है। किसी को भी मुझे कुछ बताने की जरूरत नहीं थी'

कोर्ट के मामलों के बारे में बात करते हुए रसेल ने कहा, 'उन्होंने मुझे चोट पहुंचा, काफी ज्यादा चोट पहुंचाई, यह पागलपन जैसा था। वो दोबारा इसको लेकर गए, और दो साल तक अपील करते रहे। इसके बाद सरकार और दूसरे लोग भी इसमें शामिल हो गए। लोग कह रहे थे कि वह मुझसे मिले हैं और मेरे साथ बात की है जबकि मैं तो उनको पहली बार ही देख रहा था।' 'ये दुनिया बहुत ही ज्यादा अजीब है जिसमें हम रहते हैं क्योंकि जब एक इंसान आपसे सामने धार्मिक किताब लेकर आता है और मुझे कसम खाने की कहा जाता है, मैं इसे मान लेता हूं, क्योंकि मैं अपनी धार्मिक किताब को मानता हूं और इसकी कसम खाने के बाद कोई भी मर्द या औरत झूठ नहीं बोलेगा।'

मुंबई ने चेन्नई को 4 विकेट से हराया: मुंबई ने आईपीएल में अपना सबसे बड़ा टारगेट चेज किया

चेन्नई को पिछले 9 मैच में 7वीं बार शिकस्त दी, पोलार्ड की सीजन में सबसे तेज फिफ्टी

नई दिल्ली। IPL 2021 सीजन के 27वें मैच में मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 4 विकेट से हरा दिया। यह मुंबई की टारगेट चेज करते हुए सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उन्होंने 2017 में पंजाब किंग्स के खिलाफ 199 रन चेज किए थे। मुंबई ने चेन्नई को पिछले 9 मैच में 7वीं बार हराया। कीरोन पोलार्ड ने 34 बॉल पर 87* रन की ताबड़तोड़ पारी खेली और टीम को जीत दिलाई। उन्होंने सिर्फ 17 बॉल पर फिफ्टी पूरी की। यह सीजन की सबसे तेज फिफ्टी भी रही। इसके अलावा उन्होंने फाफ डुप्लेसिस और सुरेश रैना के विकेट भी लिए। टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 218 रन बनाए। इसके जवाब में मुंबई ने 6 विकेट गंवाकर 219 रन बनाए और मैच जीत लिया। आखिरी ओवर में MI को जीत के लिए 16 रन चाहिए थे और लुंगी एनगिडी बॉलिंग कर रहे थे।

पोलार्ड ने पहली 5 बॉल पर 2 चौके और 1 छक्का लगाया। आखिरी बॉल पर टीम को 2 रन चाहिए थे। एनगिडी ने यॉर्कर फेंकी, जिसे पोलार्ड ने लॉन्ग ऑन पर खेला और दौड़कर 2 रन पूरे कर लिए। मुंबई ने पहले 10 ओवर में 3 विकेट पर 81 रन बनाए थे। टीम ने आखिरी 10 ओवर में 138 रन बनाए। यह सक्सेसफुल रन चेज में आखिरी 10 ओवर में बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। इससे पहले भी यह रिकॉर्ड मुंबई के ही नाम था। उन्होंने 2019 में पंजाब के खिलाफ आखिरी 10 ओवर में 133 रन बनाए था इस मैच में भी पोलार्ड ने 31 बॉल पर 83 रन की पारी खेली थी।

इस मैच में कई टर्निंग पॉइंट रहे

पहला टर्निंग पॉइंट चेन्नई की पारी में रहा। मोइन अली और फाफ डुप्लेसिस 108 रन की पार्टनरशिप कर चुके थे। 112 रन पर मोइन के रूप में CSK को दूसरा झटका लगा। इसके बाद पोलार्ड ने 2 विकेट लिए और 116 रन पर 4 विकेट गिर गए।

पॉइंट्स टेबल

पॉइंट टेबल टीम	मैच	जीत	हार	टाई	नेट र.रे	पॉइंट्स
चेन्नई सुपरकिंग्स	7	5	2	0	+1.263	10
दिल्ली कैपिटल्स	7	5	2	0	+0.466	10
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	7	5	2	0	-0.171	10
मुंबई इंडियंस	7	4	3	0	+0.062	8
पंजाब किंग्स	7	3	4	0	-0.264	6
कोलकाता नाइट राइडर्स	7	2	5	0	-0.494	4
राजस्थान रॉयल्स	6	2	4	0	-0.690	4
सनराइजर्स हैदराबाद	6	1	5	0	-0.264	2

दूसरा टर्निंग पॉइंट अंबाती रायडू की ताबड़तोड़ पारी रही। ऐसा लग रहा था कि चेन्नई 170 रन तक पहुंच पाएगी। ऐसे में रायडू ने ताबड़तोड़ पारी खेली और टीम को 200 के पार पहुंचाया। उन्होंने जडेजा के साथ मिलकर आखिरी 5 ओवर में 82 रन जोड़े।

तीसरा टर्निंग पॉइंट मुंबई की पारी में रहा। रोहित और डिकॉक ने 71 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। इसके बाद रोहित आउट हुए। उनके आउट होते ही MI ने 10 रन के अंदर 2 और विकेट गंवा दिए और मुंबई का स्कोर 81 रन पर 3 विकेट हो गया।

ऐसा लग रहा था कि चेन्नई यह मैच आसानी से जीत लेगी, क्योंकि मुंबई का मिडिल ऑर्डर इस मैच से पहले फेल रहा था। ऐसे में पोलार्ड ने क्रुणाल पंड्या के साथ मिलकर 89 रन की पार्टनरशिप की।

5वां टर्निंग पॉइंट तब हुआ, जब आखिरी 4 ओवर में MI को 50 रन चाहिए थे ऐसे में 17वां ओवर सैम करन बॉलिंग करने आए। उन्होंने 3 विकेट लिए।